खबरें जो सोच बदल दे

# शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । सोमवार, 05 अक्टूबर, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-273

# अधिकार से वंचित मनमाना

## नागरिकता और मताधिकार को अलग नहीं किया जा सकता : जस्टिस भुइयां

**हैदराबाद, 04 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस उज्जल भुइयां ने मतदान के अधिकार को लेकर कहा कि भारतीय नागरिक की नागरिकता और उसका मताधिकार एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि किसी भारतीय नागरिक को मतदान के अधिकार से वंचित करना उसे अपने ही देश में दूसरे दर्जे का नागरिक बनाने जैसा होगा। उन्होंने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 326 के साथ किसी भी तरह की छेड़छाड़ नहीं की जा सकती और संविधान से ऊपर कोई नहीं है।

हैदराबाद स्थित नालसर विधि विश्वविद्यालय में आयोजित 19वीं नालसर-जस्टिस बी.आर. सावनी स्मृति राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता के समापन समारोह में बोलते हुए जस्टिस भुइयां ने कहा कि एक भारतीय नागरिक के नजरिए से मतदान का अधिकार या मतदाता सूची में शामिल होने का अधिकार अलग नहीं किया जा सकता। उन्होंने इसकी तुलना शरीर से आत्मा निकालने से की।

**संविधान नागरिकों के दो वर्ग नहीं बनाता**

जस्टिस भुइयां ने कहा कि भारतीय संविधान नागरिकों के दो वर्ग नहीं बनाता। एक वर्ग उन नागरिकों का नहीं हो सकता, जिनके पास मतदान का अधिकार है और दूसरा उन नागरिकों का, जिनके पास यह अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि ऐसी कोई भी प्रक्रिया, जिससे बड़ी संख्या में भारतीय नागरिकों को मतदान के अधिकार से वंचित किया जाता है, संविधान के अनुच्छेद 326 और 14 का उल्लंघन होगी। उन्होंने कहा कि यदि कोई प्रक्रिया लाखों भारतीय नागरिकों को उनके ही देश में मतदान के अधिकार से वंचित कर उन्हें दूसरे दर्जे का नागरिक बना देती है, तो ऐसी प्रक्रिया अपने आप में मनमानी है। इसे किसी भी तरह के तर्क से सही नहीं ठहराया जा सकता। उन्होंने कहा कि यह संविधान के मूल पर हमला है और भारतीय संविधान के तहत अपनाई गई संवैधानिक व्यवस्था को नकारने जैसा है। जस्टिस भुइयां ने कहा कि कोई भी प्राधिकरण अनुच्छेद 326 के साथ छेड़छाड़ नहीं कर सकता और कोई अदालत भी इसे सही नहीं ठहरा सकती। उन्होंने स्पष्ट कहा कि संविधान से ऊपर कोई नहीं है।

**अनुचित तरीके से मताधिकार सीमित न करे**

जस्टिस भुइयां ने विधिवेत्ता एम.पी. जैन का हवाला देते हुए कहा कि यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि विधायिका मतदान के अधिकार को सीमित करने के लिए तर्कहीन या अनुचित प्रावधान न बनाए। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव तथा लोकतंत्र संविधान की बुनियादी विशेषताएं हैं। अगर यह बात कानून के लिए सही है, तो किसी प्रशासनिक प्रक्रिया के लिए भी उतनी ही, बल्कि उससे ज्यादा सही है।

उन्होंने कहा कि नागरिकता और मतदान का अधिकार एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं और इन्हें अलग नहीं किया जा सकता। नागरिक को मतदान का अधिकार है। इसमें लिंग, नस्ल, धर्म, संपत्ति, शिक्षा या सामाजिक स्थिति के आधार पर कोई भेद नहीं है, सिवाय सीमित और उचित अपवादों के।

**डॉ. आंबेडकर के भाषण का भी किया जिक्र**

जस्टिस भुइयां ने डॉ. बी.आर. आंबेडकर के संविधान सभा के समापन भाषण का जिक्र करते हुए कहा कि मतदान का अधिकार और भारतीय नागरिक का वयस्क मताधिकार संविधान में लिखा जाना चाहिए था और इसे केवल संसदीय कानून के भरोसे नहीं छोड़ा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय नागरिकों का मतदान का अधिकार विदेशी शासन के खिलाफ भारत के लंबे संघर्ष से जुड़ा हुआ है। यह लंबे संघर्ष और बलिदान के बाद हासिल हुई आजादी की अभिव्यक्ति है।उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 326 के साथ किसी भी तरह की छेड़छाड़ नहीं की जा सकती। कोई भी प्राधिकरण ऐसा नहीं कर सकता और कोई अदालत भी इसे सही नहीं ठहरा सकती। संविधान से ऊपर कोई नहीं है।

**नालसर के छात्रों की तारीफ**

जस्टिस भुइयां ने राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता के समापन समारोह में नालसर के छात्रों की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि छात्रों ने देश और दुनिया को दिखाया है कि विश्वविद्यालय का छात्र और खासकर कानून का छात्र कैसा होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि छात्र प्रतिभाशाली, निडर और साहसी हैं। वहीं, संकाय सदस्यों की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने अपनी जिम्मेदारियां अच्छी तरह निभाई हैं और वही किया है, जो एक विश्वविद्यालय के शिक्षक से उम्मीद की जाती है।

## गोशामहल में 15 प्री-प्रिंटेड फॉर्म-7 मिलने से सियासी हड़कंप

### मुस्लिम मतदाताओं के नाम हटाने का आरोप

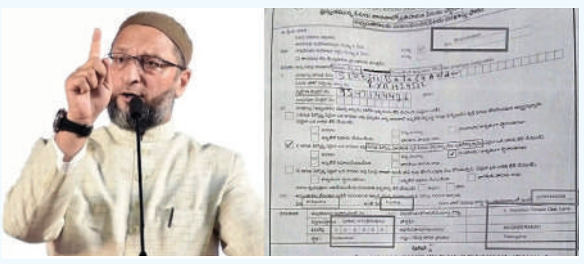

**हैदराबाद, 04 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान हैदराबाद के गोशामहल विधानसभा क्षेत्र में 15 प्री-प्रिंटेड फॉर्म-7 सामने आने के बाद मतदाता सूची को लेकर राजनीतिक विवाद और गहरा गया है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि इन फॉर्म-7 के माध्यम से मुस्लिम मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाने का प्रयास किया गया। यह मामला उस समय सामने आया, जब बूथ स्तर के अधिकारी (बीएलओ) ने कथित तौर पर भाजपा के बूथ स्तर के एजेंट (बीएलए) द्वारा लाए गए इन फॉर्म को स्वीकार करने से इनकार कर दिया।

यह घटनाक्रम गोशामहल विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्र संख्या 173 से जुड़ा बताया गया है। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, भाजपा का एक बूथ स्तर का एजेंट कथित रूप से संबंधित बीएलओ के पास फॉर्म-7 लेकर पहुंचा था। इसी दौरान वहां मौजूद कांग्रेस के एक कार्यकर्ता की नजर उन फॉर्म पर पड़ी। उसने फॉर्म देखने के लिए मांगे। जांच करने पर फॉर्म पहले से भरे हुए पाए गए, जिसके बाद बीएलओ ने उन्हें स्वीकार नहीं किया।

कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक, फॉर्म पहले से मुद्रित थे और उनमें उन मतदाताओं का विवरण दर्ज था, जिनके नाम हटाने का अनुरोध किया जा रहा था। बताया गया कि फॉर्म पर आवेदनकर्ता से संबंधित आवश्यक विवरण और हस्ताक्षर पूरे नहीं थे। बीएलओ द्वारा फॉर्म स्वीकार नहीं किए जाने के बाद कांग्रेस कार्यकर्ता ने कथित तौर पर सभी फॉर्म के फोटो और वीडियो बना लिए।

सूत्रों का कहना है कि जैसे ही भाजपा के बीएलए को इसका पता चला, उसने फॉर्म वापस ले लिए और वहां से चला गया। कांग्रेस सूत्रों ने दावा किया कि बीएलए स्वयं भी इन मुद्रित फॉर्म पर हस्ताक्षर करने को लेकर हिचकिचा रहा था।

गोशामहल भाजपा विधायक टी. राजा सिंह का विधानसभा क्षेत्र है। इसी वजह से इस मामले ने राजनीतिक स्तर पर भी विशेष ध्यान आकर्षित किया। जाने-माने तथ्य-जांचकर्ता मोहम्मद जुबैर ने भी सोशल मीडिया पर इस मामले का उल्लेख करते हुए दावा किया कि गोशामहल में बड़ी संख्या में मुस्लिम मतदाताओं के नाम हटाने के लिए फॉर्म-7 दिए गए थे और बीएलओ ने उन्हें स्वीकार नहीं किया।

कांग्रेस का आरोप है कि गोशामहल में सामने आए 15 फॉर्म-7 एक बड़े प्रयास का हिस्सा हो सकते हैं, जिसके तहत मुस्लिम मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाने का प्रयास किया जा रहा है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है।

▶8पर

## एसआईआर रद्द हो : उद्धव-राज ठाकरे

**मुंबई, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)।**

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ रविवार को मुंबई में उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने संयुक्त रूप से प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में हजारों लोग शामिल हुए। दोनों नेताओं ने मेट्रो स्टेशन से महानगरपालिका भवन तक मार्च निकाला।

उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) और राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने चुनावी प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की है। राज ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र में हुई विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को रद्द किया जाए। सरकार किसकी बनेगी, इसका फैसला जनता को करना है, चुनाव आयोग को नहीं। वहीं, उद्धव ठाकरे ने कहा कि ज्ञानेश कुमार भारतीय जनता पार्टी का हथियार हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ देश में पिछले तीन दिनों में दो शहरों में तीन बड़े प्रदर्शन हो चुके हैं। इसके अलावा अलग-अलग संगठनों और राजनीतिक दलों ने भी विरोध मार्च निकाले हैं।मुंबई पुलिस के अनुसार, रविवार के विरोध मार्च के आयोजकों के खिलाफ आजाद मैदान पुलिस थाने में बिना अनुमति मार्च निकालने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है।

राज ठाकरे ने कहा कि हमारी मांग है कि महाराष्ट्र में की गई पूरी एसआईआर प्रक्रिया रद्द की जाए। कानून के मुताबिक, एसआईआर किसी आपात स्थिति में की जाती है। विधानसभा चुनाव के दौरान 40 से 60 लाख मतदाताओं के नाम जोड़े गए और इसके जरिए सत्ता हासिल की गई। अब एसआईआर के जरिए 2 करोड़ लोगों को हटाया जा रहा है। ये 2 करोड़ मतदाता कौन हैं? उन्होंने कहा कि हमारा विरोध इस बात को लेकर है कि आप सरकार कैसे चला रहे हैं और सत्ता का ▶8पर

## ज्ञानेश के खिलाफ सतर्कता जांच के आदेश

**तिरुवनंतपुरम, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)।**

केरल के गृह मंत्री रमेश चेन्निथला ने मौजूदा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के केरल लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) सचिव रहने के दौरान कथित गड़बड़ियों से जुड़े मामले में सतर्कता जांच के आदेश दिए हैं। इस मामले में भ्रष्टाचार के आरोपों के अलावा वर्ष 2006 में मलेशियाई सिविल इंजीनियर ली सी बीन की आत्महत्या का मामला भी जुड़ा है। बीन इंडो-मलेशियन संयुक्त उपक्रम पीएटीआई-बीईएल से जुड़े हुए थे।

यह कंसोर्टियम केरल राज्य परिवहन परियोजना (केएसटीपी) के तहत एमसी रोड के उन्नयन का काम कर रहा था। एमसी रोड करीब 240 किलोमीटर लंबा राज्य राजमार्ग है, जो तिरुवनंतपुरम को अंगमाली से जोड़ता है। चेन्निथला ने कहा कि पीएटीआई-बीईएल के मुख्य परियोजना प्रबंधक रहे बीन ने पीछे छोड़े गए एक नोट में ज्ञानेश कुमार का नाम लिखा था। उस समय कुमार केरल लोक निर्माण विभाग में कार्यरत थे।

यह जांच इस आरोप के बाद शुरू की जा रही है कि मामले की शुरुआती जांच को जानबूझकर सही दिशा में आगे नहीं बढ़ने दिया गया। जांच का आदेश कांग्रेस नेता मलयालमकीझु वेणुगोपाल की ओर से दी गई शिकायत के आधार पर दिया गया है।

यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है, जब कांग्रेस, अन्य विपक्षी दल और युवा संगठन कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) पूरे भारत में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं।

गृह मंत्री के कार्यालय के मुताबिक, चेन्निथला ने केरल सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (वीएसीबी) के निदेशक को मामले में बाहरी प्रभाव के आरोपों की पूरी जांच करने का सीधा निर्देश दिया है। जांच के निष्कर्ष के आधार पर उचित कार्रवाई करने को भी कहा गया है। ▶8पर

## देश में कुछ तो चल रेला है : संजय दत्त

**नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)।**

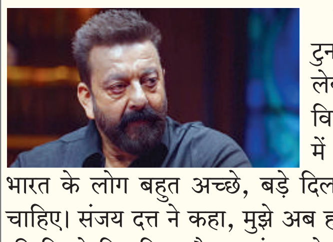

फिल्म अभिनेता संजय दत्त शेखर सुमन के शो शेखर टुनाइट में देश के मौजूदा हालात पर अपनी टिप्पणी को लेकर चर्चा में हैं। गांधी जयंती के मौके पर प्रसारित इस विशेष एपिसोड में संजय दत्त ने कहा कि उन्हें अब भारत में पहले जैसी शांति महसूस नहीं होती। उन्होंने कहा कि भारत के लोग बहुत अच्छे, बड़े दिल वाले और मेहमाननवाज हैं और देश में शांति होनी चाहिए। संजय दत्त ने कहा, मुझे अब हमारे देश में वो शांति महसूस नहीं होती। उन्होंने प्रार्थना की कि वे दिन फिर लौट आएं। इसके बाद शो में संजय दत्त से कहा गया कि वे पांच मिनट के लिए खुद को देश का प्रधानमंत्री मानकर लोगों को संबोधित करें। इस पर संजय दत्त ने अपने चर्चित किरदार मुन्नाभाई के अंदाज में एक व्यंग्यात्मक भाषण दिया। संजय दत्त के इन बयानों की सोशल मीडिया पर काफी चर्चा हो रही है। कई लोग इसे मोदी सरकार पर तंज के तौर पर देख रहे हैं। सोशल मीडिया पर बहस के बाद संजय दत्त ने फेसबुक पर सफाई देते हुए कहा कि उनके बयान को अलग संदर्भ में देखा गया। उन्होंने लिखा, मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि किसी भी व्यक्ति, समुदाय या संस्था की भावनाओं को ठेस पहुंचाना, उनका अपमान करना या उनका अनादर करना मेरा उद्देश्य कभी नहीं रहा है। मेरी टिप्पणियां एक स्क्रिप्टेड बातचीत के संदर्भ में की गई थीं, जिसका उद्देश्य हल्का-फुल्का और हास्यपूर्ण संवाद करना था। इसके पीछे की भावना मुन्नाभाई जैसी फिल्मों में दिखाई गई हास्य और व्यंग्य की शैली के समान थी, विशेष रूप से ङ्गगांधीगिरीफकी उस सोच से प्रेरित थी, जिसका उद्देश्य प्रेम, एकजुटता और सद्भावना का संदेश देना था। दुर्भाग्यवश, मेरी बातों को उस मूल संदर्भ से अलग तरीके से समझा गया। संजय दत्त शेखर सुमन के इस शो में जैसे ही बोलने के लिए खड़े हुए, उन्होंने माइक चेक करते हुए कहा, चल रेला है, चलो देश में कुछ तो चल रेला है। यानी, चल रहा है। ▶8पर

## कार्टून कॉर्नर

## मौसम हैदराबाद

अधिकतम : $33^0$
न्यूनतम : $21^0$

### डीपफेक वीडियो पर भड़कीं जाह्नवी कपूर

## ये यौन उत्पीड़न है

**नई दिल्ली, 04 अक्टूबर (एजेंसियां)।** अभिनेत्री जाह्नवी कपूर अक्सर सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना करती हैं। कभी उनकी अभिनय क्षमता पर सवाल उठाए जाते हैं, तो कभी उनके वीडियो को लेकर विवाद खड़ा हो जाता है। कुछ वर्ष पहले जाह्नवी कपूर ने जूनियर एनटीआर की फिल्म ङ्गदेवराफ से तेलुगू सिनेमा में पदार्पण किया था। फिल्म का चुट्टामल्ले गीत काफी लोकप्रिय हुआ था। हाल ही में इसी गीत का एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से तैयार किया गया संस्करण वायरल हुआ, जिसमें जाह्नवी कपूर और जूनियर एनटीआर का डीपफेक वीडियो बनाया गया था। यह वीडियो जूनियर एनटीआर तक भी पहुंचा, जिसके बाद उन्होंने ऐसा करने वालों के खिलाफ कड़ी चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा था कि वह इस मामले में उचित कानूनी कार्रवाई कराने की पूरी कोशिश करेंगे। इसके बाद अभिनेता चिरंजीवी, विजय देवरकोंडा और खुशबू सुंदर भी इस मुद्दे के खिलाफ आवाज उठाते नजर आए। अब जाह्नवी कपूर ने भी इस मामले पर अपनी चुप्पी तोड़ते हुए सोशल मीडिया पर एक लंबा संदेश साझा किया और ▶8पर

## दृश्यम देखकर पिता की हत्या! तकनीकी जांच में खुला राज़

**समस्तीपुर, 04 अक्टूबर (एजेंसियां)।** बिहार के समस्तीपुर में एक बेटे ने फिल्म दृश्यम देखकर कथित तौर पर अपने पिता की हत्या की साजिश रची। करीब 2000 किलोमीटर दूर गुजरात के सूरत से ट्रेन पकड़कर वह गांव पहुंचा और घर के दरवाजे पर सो रहे पिता की कुल्हाड़ी से हत्या कर दी। वारदात के बाद वह रात के अंधेरे में ही वापस सूरत लौट गया। उसे लगा कि फिल्म की तरह पुलिस को कोई सुराग नहीं मिलेगा, लेकिन मोबाइल फोन कुछ देर के लिए चालू करना उसकी सबसे बड़ी चूक साबित हुआ और पुलिस ने तकनीकी जांच के आधार पर उसे गिरफ्तार कर लिया।

मामला समस्तीपुर के हलई थाना क्षेत्र के दरवा गांव का है। 26 जुलाई की देर रात रघुवीर सहनी घर के दरवाजे पर सो रहे थे। इसी दौरान उनकी हत्या कर दी गई। आरोपी ने घर में रखी कुल्हाड़ी से उनके सिर पर कई वार किए। हत्या के बाद कुल्हाड़ी को भी घर में ही छोड़ दिया और फरार हो गया।

घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। विधि विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) की टीम ने भी घटनास्थल की बारीकी से जांच की। जांच के दौरान पुलिस को आशंका हुई कि वारदात को किसी बाहरी व्यक्ति ने नहीं, बल्कि किसी करीबी ने अंजाम दिया है।

इसके बाद पुलिस ने मृतक के परिवार और करीबियों की गतिविधियों की जांच शुरू की। तकनीकी अनुसंधान के दौरान शक की सुई मृतक के बेटे शिव शंकर पर जाकर टिक गई। पुलिस के मुताबिक, शिव शंकर का अपने पिता से जमीन बेचने को लेकर विवाद था। पिता कथित तौर पर बेटे और बहू को गाली देते थे। इसी वजह से शिव शंकर अपनी पत्नी के साथ सूरत जाकर रहने लगा था। ▶8पर

# नेपाल में तेजी से फैल रहा स्क्रब टाइफस, इस साल अब तक 9,872 संक्रमित, 22 की मौत

काठमांडू

नेपाल के इनर मधेश के जिलों को दहला चुका स्क्रब टाइफस देशभर में फैल गया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, जनवरी 2026 से नेपाल में 9,872 लोग स्क्रब टाइफस से संक्रमित पाए गए हैं। महामारी विज्ञान एवं रोग नियंत्रण महाशाखा के रोग निगरानी एवं अनुसंधान शाखा के प्रमुख हेमराज पाण्डे के अनुसार, डोल्पा, मनांग और मुगु को छोड़कर 74 जिलों में संक्रमण की पुष्टि हुई है।

इस अवधि में स्क्रब टाइफस से 22 लोगों की मौत हो गई। हालांकि, इन सभी मौतों की वजह स्क्रब टाइफस ही था या नहीं, इसकी पुष्टि अभी बाकी है और जांच जारी है। स्क्रब टाइफस से सबसे ज्यादा प्रभावित सल्यान जिले के दार्मा पहुंचे पाण्डे ने बताया कि खेती के मौसम में किलनी (माइट) सक्रिय हो जाती हैं और चिगास माइट के लार्वा की संख्या बढ़ जाती है, जिससे संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ जाता है।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य संस्थानों में इसका इलाज आसानी से और मुफ्त उपलब्ध है, लेकिन सल्यान में मौतों की संख्या अधिक होने के कारण इसके कारणों का अध्ययन किया जा रहा है। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जापान में फैलने वाला स्क्रब टाइफस नेपाल में 1981 में सामने आया था। वर्ष 2015 के भूकंप के बाद नेपाल में इसके संक्रमण में वृद्धि देखी गई है। शुरुआती वर्षों में यह बीमारी चितवन, नवलपरासी समेत तराई के जिलों में अधिक सक्रिय थी, लेकिन हाल के वर्षों में इसका प्रसार पहाड़ी और हिमाली जिलों तक हो गया है। महाशाखा के कीटजनित रोग शाखा के प्रमुख डा. गोकर्ण दाहाल के अनुसार, स्क्रब टाइफस करीब पांच साल पहले ही पहाड़ी जिलों तक पहुंच चुका था। उन्होंने कहा कि पहले यह बीमारी तराई और इनर मधेश में ज्यादा देखी जाती थी, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में पहाड़ी क्षेत्रों में भी मरीजों की संख्या बढ़ी है। डा. दाहाल ने कहा कि बीमारी का जोखिम बढ़ रहा है, हालांकि समय पर उपचार मिलने पर मरीज पूरी तरह ठीक हो सकता है और इससे मृत्यु दर कम है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, आर्थिक वर्ष 2023 में 9,330, 2024 में 11,500 और 2025 में करीब 7,300 लोगों में स्क्रब टाइफस का संक्रमण पाया गया था। चालू वर्ष के शुरुआती महीनों में ही 5,500 से अधिक मामले सामने आने के कारण अनुमान लगाया जा रहा है कि मार्च तक संक्रमितों की संख्या करीब 11 हजार तक पहुंच सकती है। डा. दाहाल के मुताबिक, स्क्रब टाइफस बैक्टीरिया से होने वाली बीमारी है और इसके इलाज की दवाएं आसानी से उपलब्ध हैं। लेकिन मरीजों के अस्पताल पहुंचने में देरी करने पर बीमारी गंभीर रूप ले सकती है। उन्होंने कहा कि इस बार सल्यान में अचानक इतने अधिक मामले और मौतें क्यों हुईं, इसका पता लगाने के लिए विशेषज्ञों की टीम अध्ययन कर रही है।

## न्यूज ब्रीफ

### जलवायु परिवर्तन पर प्री-सीओपी लीडर्स इवेंट में शामिल होने फिजी रवाना हुए विदेशमंत्री शिशिर खनाल

**काठमांडू।** नेपाल के विदेशमंत्री शिशिर खनाल जलवायु परिवर्तन से संबंधित प्री-सीओपी लीडर्स इवेंट में भाग लेने के लिए फिजी रवाना हो गए । फिजी और तुवालु में 5 और 6 अक्टूबर को आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए मंत्री खनाल के नेतृत्व में चार सदस्यीय नेपाली प्रतिनिधिमंडल रवाना हुआ। नेपाल के विदेश मंत्रालय के अनुसार, खनाल 6 अक्टूबर को आयोजित लीडर्स प्लेनरी को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम से पहले खनाल पलाऊ के राष्ट्रपति तथा आस्ट्रेलिया और फिजी के प्रधानमंत्रियों के साथ संयुक्त रूप से आयोजित मीडिया प्रश्नोत्तर कार्यक्रम में भी शामिल होंगे। जलवायु परिवर्तन पर वैश्विक संवाद और सहयोग को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित इस प्री-सीओपी लीडर्स इवेंट में नेपाल की भागीदारी से जलवायु परिवर्तन के प्रभाव, जलवायु न्याय और हिमालयी देशों के हितों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर उठाने का अवसर मिलने की उम्मीद है। फिजी और तुवालु में कार्यक्रम में हिस्सा लेने के बाद विदेश मंत्री खनाल आस्ट्रेलिया जाएंगे। वहां 8 अक्टूबर को आस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री पेनी वोंग के साथ उनकी द्विपक्षीय बैठक निर्धारित है। बैठक में नेपाल-आस्ट्रेलिया संबंध, द्विपक्षीय सहयोग और आपसी हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा होने की जानकारी दी गई है। आस्ट्रेलिया यात्रा के दौरान मंत्री खनाल कैनबरा स्थित नेपाली दूतावास और सिडनी में नेपाली डायस्पोरा की ओर से अलग-अलग आयोजित कार्यक्रमों में भी शामिल होंगे।

### नेतन्याहू ने पीएम मोदी और भारतीय पायलट को इजरायल के स्वतंत्रता दिवस पर मशाल जलाने के लिए किया आमंत्रित

**तेल अवीव।** इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और फ्लाईदुबई के भारतीय पायलट स्मित मच्छर को अगले साल होने वाले इजराइल के स्वतंत्रता दिवस समारोह में मशाल जलाने के लिए आमंत्रित किया है। नेतन्याहू ने पायलट की बहादुरी की सराहना करते हुए उन्हें भारत और इजराइल के साहसी लोगों के साथ-साथ पूरी दुनिया का नायक बताया। नेतन्याहू ने फोन पर बातचीत के दौरान मच्छर की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि पायलट ने साहस और जिम्मेदारी का परिचय दिया है। इससे पहले दुबई के क्राउन प्रिंस हमदान बिन मोहम्मद भी अस्पताल में भर्ती पायलट से मुलाकात कर उनकी सराहना कर चुके हैं। हालांकि, नेतन्याहू का यह निमंत्रण मशाल जलाने के लिए अंतिम चयन की आधिकारिक घोषणा नहीं है। इजराइल में स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान मशाल जलाने वालों का चयन एक सार्वजनिक सलाहकार समिति करती है। इसके बाद निर्धारित मंत्रीस्तरीय प्रक्रिया के तहत नामों को मंजूरी दी जाती है।

### भारत की 2019 की साइलेंट स्ट्राइक............अमेरिका के खुफिया दफ्तरों में मचा हड़कंप

**वाशिंगटन।** मार्च 2019 में जब भारत ने अपने ऐतिहासिक मिशन शक्ति को अंजाम देकर अंतरिक्ष में तैरती एक लाइव सैटेलाइट को अपनी एंटी-सैटेलाइट मिसाइल से सफलतापूर्वक मार गिराया, तब वाशिंगटन के सबसे बड़े खुफिया दफ्तरों में हड़कंप मच गया था। अमेरिका को इसकी भनक तक नहीं लगी थी कि भारत अचानक अंतरिक्ष में इतना बड़ा सैन्य शक्ति प्रदर्शन करने वाला है। पूर्व अमेरिकी खुफिया अधिकारी और व्हिसलब्लोअर डेविड ग्रश ने हाल ही में खुलासा किया है कि इस अप्रत्याशित घटना ने अमेरिकी उच्च-स्तरीय खुफिया तंत्र में किस कदर अफरा-तफरी मचा दी थी। ग्रश ने इंटरव्यू में उस दिन का आंखों देखा हाल बयां किया। उन्होंने बताया कि जब भारत के मिसाइल टेस्ट की खबर आई, तब अमेरिका की किसी भी इंटेलिजेंस एजेंसी के पास इसका कोई पूर्व इनपुट नहीं था। ग्रश याद करते हैं कि उनके दफ्तर में रखे तमाम सीक्रेट फोन एक साथ बजने लगे थे। अमेरिकी इंटेलिजेंस के अफसर आनन-फानन में नई दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास में फोन मिलाकर राजनयिकों और विशेषज्ञों से यह जानने की कोशिश कर रहे थे कि आखिर चल क्या रहा है, क्या भारत किसी बड़े युद्ध की तैयारी कर रहा था ।

# वेनेजुएला राष्ट्रपति मादुरो को पकड़ने ट्रंप ने ली थी एआई चैटबाट ग्रोक से सलाह

**मैगज़ीन की रिपोर्ट से खुलासा, एआई पर ज्यादा निर्भरता को लेकर छिड़ी बहस**

लंदन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ने के लिए सैन्य आपरेशन का आदेश देने से पहले एआई चैटबाट ग्रोक से सलाह ली थी। एक मैगज़ीन की 1 अक्टूबर को प्रकाशित रिपोर्ट में बताया गया है कि दिसंबर 2025 में एलन मस्क के साथ व्हाइट हाउस में एक निजी मुलाकात में ट्रंप ने ग्रोक से मादुरो की सत्ता, उनकी सार्वजनिक छवि और उनकी संभावित गिरफ्तारी पर वेनेजुएला के लोगों की प्रतिक्रिया को लेकर घंटों सवाल पूछे थे। इस बातचीत के कुछ हफ्तों बाद 3 जनवरी को अमेरिकी सेना ने मादुरो और उनकी पत्नी को काराकास से उठा लिया था।

रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप उस समय वेनेजुएला पर संभावित सैन्य कार्रवाई के विकल्पों पर विचार कर रहे थे, जब अमेरिका और वेनेजुएला के बीच तनाव चरम पर था। ट्रंप प्रशासन वेनेजुएला की नावों पर हमले कर रहा था, उन पर ड्रग्स की तस्करी का आरोप लगाते हुए। इसी माहौल में ट्रंप ने ग्रोक से गहन बातचीत की, यह जानने के लिए उत्सुक थे कि अगर अमेरिका वेनेजुएला के राष्ट्रपति को पकड़ लेता है तो वहां के लोग कैसी प्रतिक्रिया देंगे। एक अमेरिकी अधिकारी के हवाले से रिपोर्ट में बताया गया है कि ट्रंप ने मादुरो के राष्ट्रपति कार्यकाल और उनकी राजनीतिक विरासत को लेकर कई सवाल पूछे थे। रिपोर्ट के मुताबिक ग्रोक ने ट्रंप को बताया कि मादुरो एक बेहद अलोकप्रिय तानाशाह हैं और उनकी गिरफ्तारी पर वेनेजुएला के कई लोग जश्न मना सकते हैं। रिपोर्ट में यह दावा नहीं किया गया है कि चैटबाट ने ट्रंप को सीधे मादुरो को पकड़ने की सलाह दी थी। ग्रोक के साथ ट्रंप की बातचीत के कुछ हफ्तों बाद 3 जनवरी को अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला में एक आपरेशन को अंजाम दिया। इस कार्रवाई में निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को वेनेजुएला की राजधानी काराकास से हिरासत में लिया गया और अमेरिका ले जाया गया। इस कार्रवाई के बाद वेनेजुएला के लोगों की प्रतिक्रियाएं मिश्रित रहीं; कुछ लोगों ने अमेरिकी कार्रवाई का जश्न मनाया, जबकि कई लोगों ने इसकी आलोचना की। रिपोर्ट के मुताबिक इन तस्वीरों ने ट्रंप का ग्रोक पर भरोसा और बढ़ा दिया। पहले भी ऐसी खबरें आती रही हैं कि अमेरिका ने वेनेजुएला के सैन्य अभियानों में क्लाड और ग्रोक जैसे एआई टूल का इस्तेमाल किया है, जो युद्ध रणनीति और भू-राजनीतिक विश्लेषण में एआई की बढ़ती भूमिका को दर्शाता है। यह घटना भू-राजनीतिक निर्णय लेने में एआई के बढ़ते प्रभाव को रेखांकित करती है। जहां एक ओर एआई ऐसे जटिल परिदृश्यों में जानकारी और संभावित परिणामों का विश्लेषण करने में मदद कर सकता है।

### ब्रिटेन में जमीन से निकले 2000 साल पुराने सोने के सिक्के

**लंदन।** ब्रिटेन में जमीन के नीचे करीब 2000 साल से दबे 933 सोने के सिक्कों का खजाना मिला है। यहां के एसेक्स स्थित ग्रेट बैडो इलाके में एक मेटल डिटेक्टर से हुई खोज ने पुरातत्वविदों को हैरान कर दिया। इसे ब्रिटेन में अब तक मिले लौह युग के सबसे बड़े सोने के सिक्का भंडारों में शामिल किया जा रहा है। जिस निजी जमीन पर यह खजाना मिला, वहां मेटल डिटेक्टर के इस्तेमाल की अनुमति नहीं थी। इसके बावजूद एक व्यक्ति वहां पहुंचा और एक सिक्के की तलाश के दौरान उसे जमीन के नीचे छिपे इस विशाल खजाने का पता चला। खोज के बाद सामने आया कि कुल 933 सिक्कों में से 930 ईस्टर्न ब्रिटिश स्टेटर थे, जिन्हें व्हाडन चेज के नाम से जाना जाता है। इन सिक्कों का निर्माण लगभग 60 से 20 ईसा पूर्व के बीच उत्तरी टेम्स क्षेत्र में हुआ माना जाता है। इसके अलावा एक क्वार्टर स्टेटर, एक महाद्वीपीय गैलो-बेल्जिक ई प्रकार का सिक्का और ईस्ट एंग्लिया से जुड़ा नारफाक वुल्फ स्टेटर भी मिला। खुदाई के दौरान किसी पात्र या बर्तन के हिस्से जैसे अवशेष मिलने की संभावना भी जताई गई है। खोज की सबसे बड़ी विशेषता केवल सिक्कों की संख्या नहीं, बल्कि उनका ऐतिहासिक संदर्भ भी है। ग्रेट बैडो क्षेत्र को प्राचीन समय में ट्रिनोवेंटेस समुदाय से जोड़ा जाता है, जबकि बड़ी संख्या में मिले सिक्कों का संबंध उस क्षेत्र से माना जाता है, जिसे बाद में कैटुवेलोनी से जोड़ा गया। इसी वजह से शोधकर्ताओं ने इस खजाने को ब्रिटेन में रोमन प्रभाव बढ़ने से पहले के राजनीतिक और आर्थिक हालात को समझने के लिए महत्वपूर्ण माना है। खोज के बाद विशेषज्ञों की टीम ने संबंधित स्थान की दोबारा जांच की। इस अभियान के दौरान एक और सिक्का मिला, हालांकि कोई अन्य महत्वपूर्ण पुरातात्विक सामग्री सामने नहीं आई।

# अमेरिका ने संरा महासभा खत्म होने के बाद न्यूयार्क में रुके ईरान के दो राजनयिकों को निकाला

वाशिंगटन

अमेरिका ने ईरान के दो राजनयिकों को देश से बाहर भेज दिया। दोनों संयुक्त राष्ट्र (यूएन) महासभा में शामिल होने के लिए न्यूयार्क पहुंचे और महासभा खत्म होने के बाद भी वहीं रुके रहे। अमेरिकी विदेश विभाग ने न्यूयार्क स्थित ईरानी मिशन को निर्देश दिया था कि यूएन महासभा में शामिल होने आए उसके प्रतिनिधिमंडल के सभी सदस्य अमेरिका छोड़ दें। एक्सिओस की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

एक्सिओस की रिपोर्ट के अनुसार, महासभा में शामिल होने आए उसके प्रतिनिधिमंडल के दो सदस्य (राजनयिक) न्यूयार्क में ही रुके रहे। अमेरिकी अधिकारियों ने इस बारे में ईरानी मिशन सूचित किया। इसके बाद ईरान को दोबारा संदेश भेजकर दोनों को तुरंत अमेरिका छोड़ने के लिए कहा गया। इसके बाद एक राजनयिक न्यूयार्क से रवाना हो गया।

यह दोनों देशों के बीच तनाव का ताजा संकेत है, क्योंकि युद्ध खत्म करने की कूटनीतिक कोशिशें विफल हो रही हैं और फिर से लड़ाई शुरू होने की आशंका बढ़ रही है। संयुक्त राष्ट्र महासभा हर साल न्यूयार्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में होती है। इसमें दुनिया भर के राष्ट्राध्यक्ष, मंत्री, राजनयिक और अधिकारी शामिल होते हैं। ईरान का प्रतिनिधिमंडल भी इसी बैठक के लिए न्यूयार्क आया था।

विदेशी प्रतिनिधियों को अमेरिका में रहने के लिए वीजा और राजनयिक नियमों का पालन करना होता है। उनका दर्जा और अमेरिकी सरकार की अनुमति यह तय करती है कि वे कितने समय तक वहां रह सकते हैं। महासभा खत्म होने के बाद भी अमेरिका में रुकने के लिए वैध अनुमति जरूरी है। बैठक में शामिल होने की अनुमति का मतलब यह नहीं कि प्रतिनिधि अपनी मर्जी से वहां रुक सकते हैं। नियमों के उल्लंघन पर अमेरिका उन्हें देश छोड़ने का आदेश दे सकता है।

उल्लेखनीय है कि 28 फरवरी से शुरू हुई जंग में ईरान में करीब 7,300 लोग मारे गए और 32,314 घायल हुए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, करीब 1.49 लाख इमारतें क्षतिग्रस्त हुईं, जिससे करीब चार लाख लोग प्रभावित हुए। करीब 32 लाख लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ा। इस युद्ध का असर स्वास्थ्य व्यवस्था पर भी पड़ा। 229 स्वास्थ्य केंद्र और 49 अस्पताल क्षतिग्रस्त हुए।

### ईरान के करमन प्रांत से 31 जासूस गिरफ्तार

**तेहरान।** ईरान की खुफिया एजेंसी ने करमन प्रांत के सिर्जान जिले में 31 जासूसों को गिरफ्तार किया गया है। ये लोग चार अलग-अलग समूह में बंटे हुए थे। इस्लामिक रिपब्लिक आफ ईरान ब्राडकास्टिंग के स्वामित्व वाले प्रेस टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, खुफिया मंत्रालय का आरोप है कि इनको अमेरिका और इजराइल का समर्थन था। इनका मकसद शहर में अशांति फैलाना और तोड़फोड़ करना था। खुफिया मंत्रालय के अनुसार, इन लोगों ने किशोरों और नौजवानों को अपने जाल में फंसाने की योजना बनाई थी। वे बड़ी संख्या में पेट्रोल बम तैयार कर चुके थे। इनका इस्तेमाल शहर के सीसीटीवी और कैमरों को नुकसान पहुंचाने के लिए किया जाना था। कैमरे खराब करके वे सड़कों पर अशांति फैलाने और तोड़फोड़ करने की तैयारी कर रहे थे। इन पर जनवरी में हुए प्रदर्शनों के दौरान हिंसा और तोड़फोड़ में शामिल होने का भी आरोप लगाया गया है। इन प्रदर्शनों में हजारों लोगों की जान चली गई। ईरान सरकार ने इन पर विदेशी ताकतों से जुड़े होने का आरोप लगाया है। प्रेस टीवी के मुताबिक खुफिया मंत्रालय ने इनके नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया है।

# बांग्लादेश के तंगेल जिला में असामाजिक तत्वों ने दुर्गा पंडाल की सात मूर्तियां खंडित की

ढाका

बांग्लादेश के तंगेल जिले के मिर्जापुर उप जिला स्थित जमुर्की पश्चिमपाड़ा में एक हिंदू मंदिर में दुर्गा पंडाल के लिए बनाई जा रही सात मूर्तियों को असामाजिक तत्वों ने तोड़कर खंडित कर दिया। मंदिर अधिकारियों और पुलिस के अनुसार, यह घटना बुधवार रात और गुरुवार तड़के के मध्य हुई।

द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय लोगों ने बताया कि जमुर्की आर्य समिति के तत्वावधान में लगभग 85 वर्ष से मंदिर में दुर्गा पूजा मनाई जाती रही है। इस वर्ष के उत्सव की तैयारी चल रही थी, जिसमें दुर्गा मूर्ति सहित सात मूर्तियां तैयार की जा रही थीं। पेंटिंग को छोड़कर ज्यादातर काम पूरा हो चुका था।

जमुर्की आर्य समिति के अध्यक्ष प्रकाश बकाली ने कहा, हम बुधवार रात 10:00 बजे तक मंदिर में थे। फिर हम घर चले गए। जब हम सुबह मंदिर लौटे, तो हमने मूर्तियों को खंडित पाया। हमें नहीं पता कि यह किसने किया। हमने पुलिस में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। हम चाहते हैं कि कानून लागू करने वाले जिम्मेदार लोगों का पता लगाएं और उन्हें न्याय के कटघरे में लाएं।

इस घटना के बाद तंगेल के पुलिस अधीक्षक मोहम्मद शम्सुल आलम सरकार और अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का दौरा किया और हिंदू समुदाय के सदस्यों को आश्वासन दिया कि अपराधियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उधर, इस घटना ने स्थानीय हिंदू समुदाय में असुरक्षा की भावना पैदा कर दी है।

चिन्मय दास की रिहाई की मांग: न्यूज एज बांग्लादेश की रिपोर्ट के अनुसार, भारत के कोलकाता में बांग्लादेश डिप्टी हाई कमीशन के पास लगभग 100 लोगों के एक समूह ने विरोध प्रदर्शन किया। वे हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास की रिहाई की मांग कर रहे थे। वह 2024 से बांग्लादेश की जेल में बंद हैं।

प्रदर्शनकारियों ने विवेकानंद मिशन सेवा प्रतिष्ठान और नेशनल सिटिजन पार्टी आफ इंडिया के बैनर तले सियालदह रेलवे स्टेशन से

बांग्लादेश डिप्टी हाई कमीशन तक जुलूस भी निकाला। कोलकाता में बांग्लादेश डिप्टी हाई कमीशन से मिले संदेश के अनुसार, पुलिस ने मिशन के पास जुलूस को रोक दिया और पांच प्रतिनिधियों को चांसरी तक ले गई, जहां चांसरी के प्रमुख और दूसरे सचिव ने ज्ञापन स्वीकार किया।

संदेश में कहा गया है कि ज्ञापन सौंपने के दौरान प्रतिनिधियों ने दुर्गा पूजा के लिए अतिरिक्त फंड देने और छुट्टी को पांच दिन तक बढ़ाने के लिए बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान का धन्यवाद किया। प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश सरकार से दुर्गा पूजा और उसके बाद भी हिंदू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया, साथ ही न्याय और चिन्मय कृष्ण दास की जल्द रिहाई की मांग की।

# पीटीआई का इस्लामाबाद लान्ग मार्च , सरकार नहीं मना पाई विपक्ष को, बातचीत बेनतीजा

इस्लामाबाद

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के इस्लामाबाद की ओर होने वाले लान्ग मार्च को रोकने के मकसद से सरकार और विपक्ष के बीच हुई बातचीत बेनतीजा रही। दोनों पक्ष अहम मुद्दों पर किसी सहमति पर नहीं पहुंच सके। बातचीत दोबारा कब शुरू होगी, इस पर भी कोई समझौता नहीं हो पाया। पीटीआई नेता सलमान अकरम राजा ने कहा कि दोनों पक्ष चबुनियादी मुद्दों पर सहमत नहीं हो सके। सीनेट में विपक्ष के नेता अल्लामा राजा नासिर अब्बास ने कहा कि जेल में बंद पीटीआई संस्थापक इमरान खान से मुलाकात और उनके निजी डाक्टर तक पहुंच को लेकर मतभेद बने हुए हैं। इस बीच पीटीआई ने कहा कि लान्ग मार्च तय समय पर होगा।

द न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार सलमान ने कहा, हमारा रुख यह था कि हम उस बिंदु की ओर आगे बढ़ सकते हैं जिस पर दोनों पक्ष सहमत हो सकें।

अब्बास ने कहा कि विपक्ष ने उन इलाकों में

सैन्य अभियानों के बारे में भी स्पष्टता मांगी थी जहां विस्थापित लोग रह रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने संकेत दिया है कि वह अभी इमरान खान के साथ मुलाकात की व्यवस्था करने की स्थिति में नहीं है, हालांकि उनकी बहनों और वकीलों के साथ मुलाकात की अनुमति दी जाएगी।

बातचीत बेनतीजा होने के बाद पीटीआई चेयरमैन बैरिस्टर गोहर अली खान ने कहा, हम चाहते थे कि बातचीत सफल हो। उन्होंने कहा कि पार्टी का लान्ग मार्च तय कार्यक्रम के अनुसार होगा, लेकिन साथ ही कहा कि विरोध प्रदर्शन के दौरान कोई भी ऐसी कार्रवाई नहीं होनी चाहिए जिससे प्रांत के लोगों के बीच तनाव पैदा हो। गोहर ने कहा कि राजनीति में किसी भी चीज को अंतिम नहीं माना जाना चाहिए और जोर दिया कि लान्ग मार्च का सामना आपातकाल या गवर्नर शासन से नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों पक्ष बातचीत के अगले चरण पर सहमत नहीं हो सके। यह गतिरोध समझौते के मसौदे में कई बदलावों के बाद आया है।

पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) की नेता शेरी रहमान ने कहा कि मसौदे में चार बार संशोधन किया गया और सरकार ने पीटीआई की चिंता को सुना, लेकिन जोर दिया कि आतंकवाद के मुद्दे पर कोई समझौता नहीं हो सकता। शेरी ने कहा, उन्होंने लान्ग मार्च और अन्य बातों पर समझौते से इनकार कर दिया है। सरकार का रुख आतंकवाद-रोधी उपायों और खैबर पख्तूनख्वा सरकार की भूमिका पर केंद्रित था। प्रधानमंत्री के राजनीतिक मामलों के सलाहकार राणा सनाउल्लाह ने कहा कि प्रांतीय सरकार को आतंकवाद के संबंध में अपनी संवैधानिक जिम्मेदारी निभानी चाहिए और आरोप लगाया कि वह आतंकवाद-रोधी प्रयासों में अपनी भूमिका के बारे में भरोसा दिलाने में विफल रही है। राणा ने चेतावनी दी कि लान्ग मार्च को इस्लामाबाद की सीमा में घुसने नहीं दिया जाएगा और कहा कि किसी भी तरह की अशांति से कानून के जरिए निपटा जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि बातचीत के अगले दौर के लिए कोई समय तय नहीं किया गया है।

सूत्रों के अनुसार, बातचीत करने वाली टीमों के साथ विचार-विमर्श के बाद गृहमंत्री मोहसिन नकवी ने टेलीफोन पर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ़ को जानकारी दी और ऐवान-ए-सद्र में राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी से मुलाकात की। विपक्ष और सरकार के बीच हुई बैठक की अध्यक्षता नेशनल असेंबली के स्पीकर अयाज सादिक ने की।

## आज का राशिफल

**मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ**

गलतफहमी और लगातार असहमति परिवारिक माहौल को निराशाजनक बना सकती है. यह स्थिति आपको तनावग्रस्त कर सकती है. आज कार्य स्थल पर सहकर्मियों और अधीनस्थों से टकराव होने का खतरा है. घरेलू मोर्चे से निपटने के लिए राजनयिक बनने की कोशिश करें और दार्शनिक दृष्टिकोण अपनाकर वास्तविक दुनिया को उसके वास्तविक परिप्रेक्ष्य में देखने का प्रयास करें. वित्तीय व्यवहार और निवेश के साथ अधिक सतर्क और सावधान रहें क्योंकि दिन ज्यादा अनुकूल नहीं है, कमाई घट सकती है और धन अवरुद्ध हो सकता है. दूसरों के लिए स्थायी गारंटी देने से बचें.

**वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो**

आज आपका कोई सोचा हुआ काम पूरा हो जायेगा. इस राशि के छात्रों के करियर में आज नया बदलाव आयेगा, जो उनके भविष्य के लिए फायदेमंद होगा. आपकी सेहत बेहतर बनी रहेगी. इस राशि के जो लोग सोशल साइट्स पर काम करते हैं, उनकी जान-पहचान किसी ऐसे व्यक्ति से होगी, जिससे आपको काफी लाभ मिलेगा. कारोबार में कुछ लोग मददगार साबित होंगे. आपको कोई महत्वपूर्ण काम मिल सकता है. सामाजिक क्षेत्र में आपकी सराहना होगी. अपने मस्तक पर चंदन का तिलक लगाएं, आपके साथ सब अच्छा होगा.

**मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह**

बिजनेस और नौकरी में परिवार से सहयोग मिलेगा. कार्यस्थल पर सोच-समझकर बोलें. उन्नति के रास्ते खुलेंगे. बिजनेस में फायदा होने के योग बन रहे हैं. घर में उपयोग होने वाली वस्तुएं खरीद सकते हैं. अपनी सोच सकारात्मक रखें. विश्वसनीय व्यक्ति का सहयोग भी मिल सकता है. आपका पार्टनर संवेदनशील मूड में रहेगा. आपकी भावनाओं का सम्मान होगा. आपको अपनी सेहत पर विशेष ध्यान देना चाहिए.

**कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो**

आज पारिवारिक समस्याओं से मन विचलित हो सकता है. सामाजिक प्रतिष्ठा मिलेगी. व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि के योग हैं. उत्साह बना रहेगा. काम में मन लगेगा. नया काम मिलेगा. प्यार के लिए समय बेहतरीन है. नई जगह निवेश करने के लिए आप उत्सुक रहेंगे. कार्यक्षेत्र में पदोन्नति के योग बन रहे हैं. बिजनेस में धन लाभ के योग बन रहे हैं. आज प्रेमी और जीवनसाथी ही आपकी बड़ी ताकत होगा. आज अचानक ही आपके घर मेहमान आ सकते हैं

**सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे**

इस माह आपको भाग्य के साथ शानदार परिणाम मिलेंगे. आप प्रभावशाली लोगों से संपर्क स्थापित करेंगे. आप एक नई साझेदारी में प्रवेश कर सकते हैं और अपने लाभ को बढ़ा सकते हैं. अगर आप काम के लिए विदेश जाना चाहते हैं तो अपने प्रयासों को आगे बढ़ाएं. वित्तीय मामले आसानी से आगे बढ़ेंगे. प्रतिद्वंद्वी गतिविधि आपको नुकसान नहीं पहुंचाएगी. पारिवारिक जीवन आनंदमय रहेगा और आप अपने परिवार के सदस्यों के साथ किसी धार्मिक पर जा सकते हैं. यह एक मनोरंजक यात्रा होगी और इससे आपको मानसिक शांति भी मिलेगी.

**कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो**

आज आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा. इस राशि के छात्रों को अपने शिक्षकों का पूरा-पूरा सहयोग मिलेगों साथ ही करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर भी सामने आएंगें संतान पक्ष की ओर से आपको सुख की प्राप्ति होगी. अपने कार्यों में संतान से पूरी मदद मिलेगी. आपको पैसे कमाने के अच्छे मौके मिलेंगे. किसी खास व्यक्ति से कामकाज के मामले में आपको कुछ नए आइडिया मिल सकते हैं. शाम को बच्चों के साथ पार्क में घूमने जायेंगें गाय को रोटी खिलाएं, घर में सुख-शांति बनी रहेगी.

**तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते**

कर्ज से छुटकारा मिल सकता है. अपने काम पर पूरी नजरे रखें. अधिकारियों से सहयोग मिलेगा. आज आपके लिए योजना बनाना मेहनत करने से भी ज्यादा कारगर साबित हो सकता है. आपके लिए परिवार, जमीन-जायदाद के मामले, दोस्त और रिश्तेदार बहुत खास हो सकते हैं. आपका व्यवहार पार्टनर को खुशी देगा. कुछ नया और सकारात्मक काम करेंगे, तो आप अपने जीवन में अच्छा खासा सुधार कर सकते हैं.

**वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू**

आज आपकी घरेलू जिम्मेदारियों में धन खर्च होने की संभावना है, प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा. आपको परिवार के सदस्यों और दोस्तों के साथ बिताने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा. आपको प्यार में ग़म का सामना करना पड़ सकता है. आत्मविश्वास में वृद्धि होगी. पुराने मित्रों के साथ यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है. आपके कामों की तारीफ हो सकती है. अपनी प्रार्थमिकताएं निर्धारित कर लें और अपने काम पर लग जाएं.

**धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे**

आर्थिक रूप से यह बहुत अच्छी अवधि है. व्यापारी वर्ग वांछित परिणाम प्राप्त करेंगे और अपने कार्य क्षेत्र में अपने लिए जगह बनाएंगे. सामाजिक लोकप्रियता प्राप्त करने के शुभ संकेत हैं. आपको कोई शुभ समाचार प्राप्त होगा. परिवार में शादी या बच्चे का जन्म हो सकता है. खेलप्रेमियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा. प्रेम सम्बन्ध मजबूत होंगे. छात्र अच्छा प्रदर्शन करेंगे. जोड़ो से सम्बंधित रोगों से जूझ रहे जातकों को अत्यधिक ध्यान रखने की आवश्यकता है.

**मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि**

पारिवारिक मामलों में आपको भागदौड़ करनी पड़ेगी. ऑफिस में काम धीमी गति से पूरे हो सकते हैं, इससे आपकी परेशानी थोड़ी बढ़ सकती है. किसी बात को लेकर भाई-बहन से अनबन हो सकती है. आज किसी से भी बेवजह मजाक करने से आपको बचना चाहिए. आप नए काम पर सोच-विचार कर सकते हैं. आप किसी दोस्त से मदद मांग सकते हैं. सेहत ठीक बनी रहेगी. मंदिर में सुबह-शाम घी का दीपक जलाएं, आपके काम में स्थिरता बनी रहेगी.

**कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द**

बिजनेस में आत्मनिर्भरता रहेगी. नए लोगों से कॉन्टैक्ट बनेंगे. कामकाज बढ़ेगा. साथ के लोगों से सहयोग मिल सकता है. नए लोगों से भी अच्छे संबंध बनेंगे. बेरोजगार लोगों को रोजगार मिलेगा. आपकी आर्थिक स्थिति में जल्दी ही सुधार लाने में सफल रहेंगे. आपके सोचे हुए काम समय पर पूरे हो जाएंगे. पुरानी समस्याओं का समाधान मिल सकता है. मौसमी बीमारियां भी हो सकती हैं.

**मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची**

अपने परिवार के साथ रुखा व्यवहार न करें. यह पारिवारिक शान्ति को भंग कर सकता है. वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें. किसी बड़ी समस्या से सामना हो सकता है. दूसरों के बहकावे में न आएं. आय में निश्चितता रहेगी. अपने स्वास्थ्य पर ध्यान दें. निवेश के लिए अच्छा दिन है, लेकिन उचित सलाह से ही निवेश करें. शिक्षा-प्रतियोगिता में सफलता, षड्यंत्र का शिकार होने से बचें. इस राशि के स्टूडेंट्स का मन पढ़ाई में लगेगा.

## आज का पंचांग

दिनांक : 05 अक्टूबर 2026 , सोमवार
विक्रम संवत : 2083
मास : आश्विन,कृष्ण पक्ष
तिथि : दशमी रात्रि 02:09 तक
नक्षत्र : पुष्य रात्रि 11:10 तक
योग : शिव प्रात: 09:51 तक
करण : वणिज सायं 03:51 तक
चन्द्रराशि : कर्क
सूर्योदय : 06:07 ,सूर्यास्त 06:01 ( हैदराबाद )
सूर्योदय :06:09 , सूर्यास्त 06:07 ( बैंगलोर )
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 05:59 ( तिरुपति )
सूर्योदय : 05:58, सूर्यास्त 05:53 ( विजयवाडा )

**शुभ चौघड़िया**
अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रात: 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : दशमी श्राद्ध , भद्रा दोपहर 02:51 से रात्रि 02:06 तक , गण्डमूल रात्रि 11:11 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

# वेदों से लोक तक पहुंचा पंचतंत्र, इसकी कथाएं लोकजीवन का हिस्सा बनीं : डॉ. उमा जोशी

## संजा लोकोत्सव-2026 में अंतरराष्ट्रीय शोध संगोष्ठी एवं लोक साहित्य महोत्सव का शुभारंभ

उज्जैन, 04 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रतिकल्पा सांस्कृतिक संस्था, उज्जैन द्वारा संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार एवं मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग के सहयोग से आयोजित संजा लोकोत्सव-2026 के अंतर्गत दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय शोध संगोष्ठी एवं लोक साहित्य महोत्सव का शुभारंभ 3 अक्टूबर को कालिदास संस्कृत अकादमी के सभागार में हुआ। संगोष्ठी में भारतीय लोक एवं जनजातीय साहित्य-संस्कृति, पारंपरिक ज्ञान, पर्यावरण, पारिस्थितिकी तथा लोक जीवन की विविध अभिव्यक्तियों पर विचार-विमर्श किया गया। उद्घाटन अवसर पर डॉ. उमा जोशी, डॉ. सोमदत्त कार्णिकायन, सूर्यचंद शुक्ल ङ्गशरद आलोकफ, पद्मश्री भेरूसिंह चौहान, पद्मश्री डॉ. नारायण व्यास, प्रो. शैलेन्द्र कुमार शर्मा, डॉ. आर.सी. ठाकुर, प्रो. जगदीशचंद्र शर्मा, डॉ. ममता खड़े सहित देश-विदेश से आए साहित्यकार, शोधकर्ता, शिक्षाविद एवं संस्कृति प्रेमी उपस्थित रहे।

डॉ. उमा जोशी ने कहा कि पंचतंत्र वेदों से चलकर लोक तक पहुंचा और इसकी कथाएं आज लोकजीवन का हिस्सा बन गई हैं। भारतीय ज्ञान परंपरा में कथाओं के माध्यम से नीति, व्यवहार, सामाजिक मूल्यों एवं जीवन-दर्शन को पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ाया गया। उन्होंने लोक साहित्य के संरक्षण एवं मौखिक परंपराओं के दस्तावेजीकरण की आवश्यकता पर जोर दिया।

मुख्य अतिथि पद्मश्री डॉ. नारायण व्यास ने लोक चित्रों और प्रागैतिहासिक शैलचित्र परंपरा के संबंध पर प्रकाश डालते हुए कहा कि लोकचित्र हमारी सांस्कृतिक स्मृति के महत्वपूर्ण दस्तावेज हैं।

**महेश अग्रवाल ने क्रांतिवीर रामजी गोंड पर प्रस्तुत किया शोधपत्र**

संगोष्ठी में महेश अग्रवाल ने ङ्गक्रांतिवीर रामजी गोंड : लोकस्मृति, जनजातीय चेतना और 1857 का स्वतंत्रता संघर्षफ विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि रामजी गोंड केवल स्थानीय जनजातीय नायक नहीं, बल्कि 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय प्रतिरोध के महत्वपूर्ण प्रतीक हैं।

उन्होंने रामजी गोंड के नेतृत्व, गोंड समाज की प्रतिरोध चेतना, लोककथाओं, लोकगीतों और मौखिक परंपराओं को ऐतिहासिक स्मृति के महत्वपूर्ण स्रोत बताया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम का पूरा इतिहास सामने लाने के लिए स्थानीय एवं जनजातीय नायकों की लोकस्मृतियों को भी इतिहास लेखन में उचित स्थान दिया जाना चाहिए।

महेश अग्रवाल ने रामजी गोंड और रोहिल्ला सेनानियों के सहयोग, स्थानीय जनसमुदाय की भागीदारी तथा ङ्गवेय्यी उरला मर्रीफ से जुड़ी लोकगाथा का उल्लेख करते हुए लोकगीतों, कथाओं, बुजुर्गों की मौखिक स्मृतियों एवं स्थानीय ऐतिहासिक स्थलों के वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण की आवश्यकता बताई।

संगोष्ठी में डॉ. सोमदत्त कार्णिकायन, डॉ. सुरेशचंद्र शुक्ल ङ्गशरद आलोकफ सहित अन्य विद्वानों ने लोक एवं जनजातीय संस्कृति में प्रकृति के साथ मनुष्य के संबंध पर विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि जंगल, जल, जमीन, पशु-पक्षी और पेड़-पौधे जनजातीय समाज के जीवन एवं संस्कृति का अभिन्न हिस्सा रहे हैं।प्रतिकल्पा सांस्कृतिक संस्था की निदेशक डॉ. पल्लवी किशन ने लोकोत्सव की संकल्पना एवं उद्देश्य की जानकारी दी। प्रमुख समन्वयकर्ता शैलेंद्र कुमार शर्मा ने आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत की। उद्घाटन सत्र का संचालन प्रो. जगदीशचंद्र शर्मा ने किया तथा आभार डॉ. शिव चौरसिया ने व्यक्त किया। विभिन्न तकनीकी सत्रों में देश के अनेक हिस्सों से आए शोधकर्ताओं एवं साहित्यकारों ने शोधपत्र प्रस्तुत किए।

वक्ताओं ने कहा कि लोककथाओं, जनजातीय इतिहास, पारंपरिक ज्ञान, लोककलाओं और पर्यावरणीय परंपराओं को नई पीढ़ी से जोड़ना समय की आवश्यकता है। संजा लोकोत्सव-2026 को भारतीय लोकसाहित्य, जनजातीय संस्कृति और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया गया।

# अन्नदान से मानवता की सेवा, सेवा से ईश्वर की आराधना : जगत नारायण अग्रवाल

हैदराबाद । राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क में रविवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम श्रद्धा, सेवा और समर्पण की भावना के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राधे-राधे ग्रुप के सेवाभावी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए जरूरतमंदों के बीच अन्नसेवा की। इस दौरान पूरे वातावरण में मानव सेवा और परोपकार की भावना दिखाई दी।

कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए राधे-राधे ग्रुप के संस्थापक एवं संयोजक जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि अन्नदान केवल भोजन उपलब्ध कराने का कार्य नहीं, बल्कि मानवता के प्रति अपने दायित्व को निभाने का सबसे सुंदर माध्यम है। किसी जरूरतमंद व्यक्ति की भूख मिटाना, उसके चेहरे पर संतोष और मुस्कान लाना तथा बिना किसी स्वार्थ के उसके साथ खड़ा होना ही सच्ची सेवा है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में अन्न को जीवन का आधार माना गया है और अन्नसेवा को सदैव पुण्य एवं परोपकार का श्रेष्ठ कार्य माना गया है।

जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप का सेवा अभियान किसी एक दिन या किसी विशेष अवसर तक सीमित नहीं है। सेवा एक निरंतर चलने वाला संस्कार है, जिसे जीवन का हिस्सा बनाकर समाज के जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाना ही ग्रुप का संकल्प है। उन्होंने कहा कि जब समाज के लोग मिलकर सेवा के लिए आगे आते हैं तो छोटी-सी पहल भी बड़े परिवर्तन का माध्यम बन जाती है।रविवार के इस नियमित अन्नदान कार्यक्रम में सेवा के साथ-साथ आपसी सद्भाव और सामाजिक एकता का संदेश भी देखने को मिला। उपस्थित सदस्यों ने मिलकर अन्नसेवा को व्यवस्थित रूप से संपन्न कराया। सेवा कार्य में शामिल सदस्यों ने कहा कि जरूरतमंदों की सेवा से मिलने वाला आत्मिक संतोष किसी भी भौतिक उपलब्धि से बड़ा है। इस अवसर पर राजकुमारी अग्रवाल, वंश अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक कार्यकर्ता एवं सेवाभावी सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने अन्नसेवा में सक्रिय सहभागिता निभाते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना सहयोग दिया।

# काव्य कौमुदी बहुभाषीय संस्था द्वारा गांधी जी एवं लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर अंतरराष्ट्रीय कवि सम्मेलन संपन्न

हैदराबाद, 04 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। महात्मा गांधी जयंती और भारत के द्वितीय प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की पवित्र जयंती के उपलक्ष्य में 2 अक्टूबर 2026 को काव्य कौमुदी बहुभाषीय संस्था की ओर से दो चरणों में अंतरराष्ट्रीय स्तर का भव्य बहुभाषीय कवि सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में देश-विदेश के कवियों ने बड़ी संख्या में प्रतिभागिता प्रस्तुत की।

काव्य कौमुदी समूह की अध्यक्ष डॉ. कुमुद बाला ने बताया कि इस प्रयास के माध्यम से देश-विदेश के कवियों को एक मंच प्रदान किया गया है। संस्था ने विश्व की विभिन्न भाषाओं को जोड़ने का प्रयास किया है। अब तक इस मंच से 70 से अधिक भाषाएं जुड़ चुकी हैं और इसका भविष्य बहुत उज्ज्वल है। देश-विदेश के कवियों ने अपने-अपने देशों के समय क्षेत्र को ध्यान में रखते हुए इस कवि सम्मेलन से जुड़ने का प्रयास किया। उन्होंने बताया कि इस सम्मेलन में 50 से अधिक कवियों ने भाग लिया।

काव्य कौमुदी कवि समूह की मुख्य सलाहकार श्रीमती मीना चौहान ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि काव्य कौमुदी समूह में देश-विदेश की अनेक भाषाएं जुड़ी हुई हैं। वहीं, सांस्कृतिक निदेशक मोऊ मल्लिक दे ने कार्यक्रम में कला पक्ष को सम्मिलित किए जाने पर खुशी व्यक्त की।

कवि सम्मेलन के दोनों चरणों में मुख्य अध्यक्ष एवं मुख्य अतिथि के रूप में श्री कमलापद घोष, बेल्दा, पश्चिम बंगाल; इमैनुएल मेटल्स, केरल; डॉ. पारामिता मुखर्जी मल्लिक, मुंबई; डॉ. मुश्ताक बी. बर्क, कश्मीर; डॉ. केतकी दत्ता, कोलकाता तथा रश्मि जसवाल, मुंबई उपस्थित रहे।

सम्मेलन का शुभारंभ उदयश्री द्वारा प्रस्तुत गणपति वंदना से हुआ। बहुभाषीय कवि सम्मेलन का कुशल संचालन काव्य कौमुदी इंटरनेशनल मल्टीलिंगुअल पोएट्स मीट की अध्यक्ष डॉ. कुमुद बाला ने किया।

कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रमुख कवियों में उदय श्रीतेलुगु, हैदराबाद; जयश्री चारीतमिल, महाराष्ट्र; डॉ. मंजुला अस्थाना मोहंतीहिंदी, ओडिशा; डॉ. रूपाली सिरकार गौरअंग्रेजी, मेरठ; मीना चौहानहिंदी, अमेरिका; सुदीप्ता मिश्राअंग्रेजी, पुरी; शालिनी नंदकेयोल्यारअंग्रेजी, कोलकाता; सुधा कोलाचनातेलुगु, हैदराबाद; डॉ. मीनाक्षी बोराणाराजस्थानी, जोधपुर; राजीव मूथेडथहिंदी, बेंगलुरु; डॉ. जोबा मुर्मूसंथाली, जमशेदपुर; पी. पद्मावतीहिंदी, हैदराबाद; डॉ. कुमुद बालाहिंदी, हैदराबाद; मोऊ मल्लिक देहिंदी, हैदराबाद; डॉ. मौली जोसफअंग्रेजी, केरल; डॉ. कृष्ण लाल बिश्नोईहिंदी, बीकानेर; हयात अफ्शांहिंदी, मैसूर; आकाश नायक; पृथ्वी सिंह बेनीवाल बिश्नोईहरियाणवी, हिसार, हरियाणा; डॉ. श्रीधरन पाराकोडमलयालम, केरल; रामलक्ष्मी मोर्चालासंस्कृत, हैदराबाद; प्राण जी बासकबंगाली, नई दिल्ली; जाकिर हुसैनअंग्रेजी, कश्मीर; जयश्री रेअंग्रेजी, नई दिल्ली; शोभा देशपांडेतेलुगु, हैदराबाद; भार्गवी रघुरामतेलुगु, हैदराबाद; डॉ. दिलीश एस.मलयालम, केरल; कुमारी बाला सरस्वती डी.एस.अंग्रेजी, केरल तथा उप्पलेरी आत्रेय शर्माअंग्रेजी, हैदराबाद आदि शामिल रहे।

दोनों सत्रों का समापन क्रमशः सुदीप्ता मिश्रा एवं हयात अफ्शां के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। सम्मेलन के माध्यम से विभिन्न भाषाओं और क्षेत्रों के कवियों को एक मंच पर जोड़ते हुए साहित्य, कला एवं सांस्कृतिक समन्वय का संदेश दिया गया।

# जन्मदिन पर भक्ति कीर्तन समारोह

किनवट, 04 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूर्व जिला परिषद सदस्य एवं किनवट नगर परिषद की नगराध्यक्षा सुजाता विनोद एड्रलवार के जन्मदिन के अवसर पर शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) की ओर से गुरुवार, 8 अक्टूबर को संत श्री गजानन महाराज मंदिर मंगल कार्यालय, किनवट में प्रसिद्ध युवा कीर्तनकार हभप शिवलीला पाटिल का भक्ति कीर्तन समारोह आयोजित किया जाएगा। समारोह शाम 7 से 10 बजे तक होगा। इसके बाद श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद की व्यवस्था रहेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) की नेता बेबीताई नाईक करेंगी, जबकि उद्घाटन शिवसेना जिला प्रमुख ज्योतिबा खराटे करेंगे। विशेष अतिथियों में कपिल नाईक, माहुर नगर पंचायत नगराध्यक्ष फिरोज दोसानी, समाधान जाधव, उपनगराध्यक्ष हसन लाला एवं युवा नेता करण एड्रलवार सहित विभिन्न राजनीतिक दलों व सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी, नगर परिषद सभापति एवं पार्षद उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम का आयोजन शिवसेना शहर प्रमुख एवं पार्षद प्रशांत कोरडे ने किया है। शिवसेना तहसील प्रमुख मारोती दिवसे पाटिल, संतोष येलचलवार एवं युवा सेना तहसील प्रमुख अतुल दर्शनवाड ने नागरिकों और श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम का लाभ उठाने की अपील की है।

# विधायक मलका कोमरैया ने गुरुकुल स्कूल का निरीक्षण किया

पेद्दापल्ली, 04 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाजपा के उपसभापति एवं विधायक मलका कोमरैया ने रविवार को पेद्दापल्ली स्थित महात्मा ज्योतिबा फुले तेलंगाना कल्याण गुरुकुल विद्यालय का दौरा कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने विद्यार्थियों को दी जा रही शिक्षा, पाठ्यपुस्तकों, भोजन की गुणवत्ता, पेयजल, छात्रावास के कमरों, स्वच्छता व्यवस्था एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने विद्यार्थियों से सीधे बातचीत कर उनकी समस्याएं भी जानीं।

इस अवसर पर मलका कोमरैया ने कहा कि गरीब, वंचित और कमजोर वर्गों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार का दायित्व है। उन्होंने गुरुकुल विद्यालयों को मजबूत करने तथा बुनियादी ढांचे में आवश्यक सुधार करने की मांग की। उन्होंने बताया कि गुरुकुलों में अध्ययनरत विद्यार्थी राज्य सरकार की छात्रवृत्ति के पात्र हैं।

# पेद्दापल्ली में गांजा जब्त, एक हिरासत में

पेद्दापल्ली, 04 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली कस्बे में गांजा जब्त होने से सनसनी फैल गई। पुलिस को सूचना मिली थी कि कोलानुरू गांव का एक व्यक्ति कस्बे में किसी अन्य व्यक्ति से गांजा खरीदकर ले जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने तलाशी लेकर उक्त व्यक्ति को हिरासत में लिया और उसके पास से गांजा बरामद किया।उपनिरीक्षक नरेश ने बताया कि गांजे की बिक्री और सेवन पर पुलिस विशेष निगरानी रख रही है। उन्होंने लोगों से अपील की कि कस्बे में कोई संदिग्ध व्यक्ति दिखाई देने अथवा कहीं गांजे की बिक्री या सेवन की जानकारी मिलने पर तत्काल पुलिस को सूचित करें।उन्होंने चेतावनी दी कि गांजे जैसे नशीले पदार्थों की लत स्वास्थ्य के साथ-साथ व्यक्तिगत जीवन और पारिवारिक स्थिति को भी नुकसान पहुंचाती है। उन्होंने युवाओं से किसी भी परिस्थिति में नशीले पदार्थों के सेवन से दूर रहने की अपील की।

# सुभाष अग्रवाल अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के मुख्य सलाहकार मंडल में मनोनीत

बेंगलूरु, 04 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। देशभर में अग्रवाल समाज का प्रतिनिधित्व करने वाले शीर्ष संगठन अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन ने वर्ष 2026-31 के लिए मुख्य सलाहकार मंडल का गठन किया है। इसके तहत कौशलेश स्टील्स, बेंगलूरु (कर्नाटक) के सुभाष अग्रवाल को मुख्य सलाहकार सदस्य मनोनीत किया गया है।

संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बसंत कुमार मित्तल एवं राष्ट्रीय महामंत्री गोपाल गोयल द्वारा जारी मनोनयन पत्र में सुभाष अग्रवाल के अनुभव एवं कुशल मार्गदर्शन की सराहना की गई। संगठन ने विश्वास जताया कि उनके अनुभव और मार्गदर्शन से नई राष्ट्रीय टीम को नई ऊर्जा एवं दिशा मिलेगी तथा समाजसेवा के कार्यों को और गति मिलेगी। सुभाष अग्रवाल के मनोनयन पर समाज के प्रबुद्धजनों एवं कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं।

# तेलंगाना आंदोलनकारियों की रिले भूख हड़ताल 18वें दिन में प्रवेश

बांसवाड़ा, 04 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना आंदोलनकारियों की विभिन्न मांगों को लेकर अलवाल संयुक्त कार्रवाई समिति के तत्वावधान में चल रही रिले भूख हड़ताल 18वें दिन में पहुंच गई। आंदोलनकारियों ने कांग्रेस सरकार से तेलंगाना आंदोलन के दौरान किए गए वादों को बिना विलंब पूरा करने तथा आंदोलनकारियों की तत्काल पहचान कर उन्हें सुविधाएं प्रदान करने की मांग की।हड़ताल में तेलंगाना आंदोलनकारियों के मंच के कामारेड्डी जिला अध्यक्ष उदुथा गंगाधर गुप्ता, जिला मीडिया संयोजक दांडू विजय कुमार, बांसवाड़ा मंडल सचिव दम्मनपेट भास्कर गौड़, संजीव रेड्डी, सत्यनारायण एवं पी. बसवराज सहित अन्य ने भाग लिया। मुख्य अतिथि हुजूराबाद निर्वाचन क्षेत्र संयुक्त कार्रवाई समिति के अध्यक्ष औनुरी सम्मैया रहे। इस अवसर पर अलवाल संयुक्त कार्रवाई समिति के सदस्य पटोला सुरेंद्र रेड्डी, पुटनला कृष्णा, अनंतुला संतोष, डोली सुधीर, भास्कर, नागेश सहित अन्य उपस्थित रहे।

# सेवा ज्योति यात्रा बाइक रैली 7 को

पेद्दापल्ली, 04 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाजपा जिला अध्यक्ष कर्रे संजीव रेड्डी ने सेवा संकल्प अभियान के तहत 7 अक्टूबर को पेद्दापल्ली में आयोजित होने वाली विशाल ङ्गसेवा ज्योति यात्राफ बाइक रैली को सफल बनाने का आह्वान किया। उन्होंने पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं, समर्थकों एवं आम जनता से करीब 2 हजार बाइकों के साथ रैली में भाग लेने की अपील की।

रैली सुबह 9 बजे पेद्दापल्ली कलेक्ट्रेट से शुरू होकर कामान, अय्यप्पा मंदिर एवं शिव मंदिर होते हुए जेंदा चौरास्ता पहुंचेगी। इसके बाद विकासशील भारत यात्रा के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन का प्रसारण देखने के लिए जेंदा चौरास्ता पर कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

इस अवसर पर किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष कटकुरी सत्यनारायण रेड्डी, जिला सचिव शिवांगरी सतीश, मंडल अध्यक्ष कंडुला श्रीनिवास, युवा मोर्चा ज़िला अध्यक्ष रामगिरी अखिल, सेवा संकल्प अभियान जिला संयोजक उशान अन्वेष यादव सहित भाजपा के कई नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# जानिए जब कोई आपके पैर छुए तो आपको क्या-क्या करना चाहिए

पैर छुना महत्वपूर्ण परंपरा है और आज भी इसका पालन काफी लोग करते हैं। इस परंपरा के संबंध में कई नियम भी हैं। इस परंपरा के पीछे धार्मिक और वैज्ञानिक, दोनों ही कारण बताए गए हैं। जब भी कोई व्यक्ति चाहे वह स्त्री हो या पुरुष, आपके पैर छुए तो उन्हें आर्शीवाद तो देना चाहिए, साथ ही भगवान का नाम भी लेना चाहिए।

**किसी** के पैर छूने का मतलब है उसके प्रति समर्पण भाव जगाना। जब मन में समर्पण का भाव आता है तो अहंकार खत्म हो जाता है।

पुराने समय से ही परंपरा चली आ रही है कि जब भी हम किसी विद्वान व्यक्ति या उम्र में बडे व्यक्ति से मिलते हैं तो उनके पैर छुते हैं। इस परंपरा को मान-सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है। यह बात तो सभी जानते हैं कि बडों के पैर छुना चाहिए , लेकिन यह बात कम ही लोग जानते हैं कि जब कोई हमारे पैर छुए तो हमें क्या करना चाहिए।

आमतौर पर हम इस बात का ध्यान रखते हैं कि हमारा पैर किसी को ना लगे। ऐसा होने पर हमें दोष लगता है और जब कोई हमारे पैर छुता है तब भी हमें दोष लगता है। अत: इस दोष से बचने के लिए यहां दिए गए उपाय अवश्य करना चाहिए।

शास्त्रों में लिखा है कि-
अभिवादनशीलस्य नित्यं वृद्धोपसेविनः।
चत्वारि तस्य वर्धन्ते आयुर्विद्या यशो बलम्म।

इस श्लोक का अर्थ यह है कि जो व्यक्ति रोज बडे-बुजुर्गों के सम्मान में प्रणाम और चरण स्पर्श करता है। उसकी उम्र, विद्या, यश और शक्ति बढती जाती है।

जब भी कोई हमारे पैर छूता है तो उस समय भगवान का नाम लेने से पैर छूने वाले व्यक्ति को भी सकारात्मक फल मिलते हैं। आशीर्वाद देने से पैर छूने वाले व्यक्ति की समस्याएं खत्म होती हैं, उम्र बढती है और नकारात्मक शक्तियों से उसकी रक्षा होती है। हमारे द्वारा किए गए शुभ कर्मों का अच्छा असर पैर छुने वाले व्यक्ति पर भी होता है। जब हम भगवान को याद करते हुए किसी को सच्चे मन से आशीर्वाद देते हैं तो उसे लाभ अवश्य मिलता है। किसी के लिए अच्छा सोचने पर हमारा पुण्य भी बढता है।

पैर छूना या प्रणाम करना, केवल एक परंपरा नहीं है, यह एक वैज्ञानिक क्रिया है जो हमारे शारीरिक, मानसिक और वैचारिक विकास से जुडी है। पैर छूने से केवल बडों का आशीर्वाद ही नहीं मिलता, बल्कि बडों के स्वभाव की अच्छी बातें भी हमारे अंदर उतर जाती है। पैर छूने का सबसे बडा फायदा यह है कि इससे शारीरिक कसरत होती है। आमतौर पर तीन तरीकों से पैर छुए जाते हैं। पहला तरीका- झुककर पैर छूना। दूसरा तरीका- घुटने के बल बैठकर पैर छूना। तीसरा तरीका- साष्टांग प्रणाम करना।

### क्या है फायदे

**झुककर पैर छूना-** झुककर पैर छूने से हमारी कमर और रीढ की हड्डी को आराम मिलता है।

घुटने के बल बैठकर पैर छूना- इस विधि से पैर छूने पर हमारे शरीर के जोडों पर बल पडता है, जिससे जोडों के दर्द में राहत मिलती है।

**साष्टांग प्रणाम-** इस विधि में शरीर के सारे जोड थोडी देर के लिए सीधे तन जाते हैं, जिससे शरीर का स्ट्रेस दूर होता है। इसके अलावा, झुकने से सिर का रक्त प्रवाह व्यवस्थित होता है जो हमारी आंखों के साथ ही पूरे शरीर के लिए लाभदायक है। पैर छूने के तीसरे तरीके का सबसे बडा फायदा यह है कि इससे हमारा अहंकार खत्म होता है। किसी के पैर छूने का मतलब है उसके प्रति समर्पण भाव जगाना। जब मन में समर्पण का भाव आता है तो अहंकार खत्म हो जाता है।

# क्या है हिन्दू धर्म में पूजा के कमरे का महत्व

शांत वातावरण में पूरे दिल से पूजा करते हैं तो यह काफी लाभदायक सिद्ध होता है। इसलिए पूजा घर इसके लिए सही होता है। ध्यान लगाने पर मन का परमात्मा के साथ मिलन होता है।

**हर** एक हिन्दू घर में आप एक पूजा का कमरा जरूर पाएंगे। अगर आप जिंदगी के थपेडे झेलते हुए अपने अंदर को टटोलना चाहते हैं तो एक जगह बेहद जरूरी है जो सिर्फ पूजा के लिए हो। हिन्दू धर्म में पूजा की अलग जगह बनाने को मान्यता दी गई है। घर में एक पूजा का कमरा होने मात्र से जो लोग घर में रह रहे होते हैं उनको यह प्रतीत होता है कि भगवान असल में मालिक हैं और हम तो सिर्फ देखभाल करने के लिए हैं।

रोजमर्रा की जिंदगी में अगर इस बात पर विचार किया जाए तो आप वेदांत के आसक्ति के सिद्धांत पर विश्ववास करने लगेंगे।

इससे आप निष्पक्ष हो जाएंगे और अपने कर्तव्य अलिप्त होकर पर बिलकुल मन से कर पाएंगे। सहभागिता इस बात को समझने से आती है कि किया जाने वाला काम अपना है। जिंदगी तब काफी आसान हो जाती है और यह एक नदी की तरह हो जाती है जो राह में बाधा आने पर भी बिना किसी थकान के समुद्र में मिल जाती है। जब आप शांत वातावरण में पूरे दिल से पूजा करते हैं तो यह काफी लाभदायक सिद्ध होता है। इसलिए पूजा घर इसके लिए सही होता है।

ध्यान लगाने पर मन का परमात्मा के साथ मिलन होता है। अगर आप मन करते हैं दिल के बोझ को हल्का करता है और श्रद्धालु की श्रद्धा को बढाता है। अगर अहम की वजह से आप भगवान को घर का मालिक नहीं मान सकते तो कम से कम अपने घर का सबसे प्रमुख गेस्ट तो मान ही सकते हैं। घर में पूजा का कमरा होने से भगवान से आपका भावुक बंधन बनता है। वह सर्व वयापक हैं और आपके घरों में भी रहते हैं। इसलिए पूजा के कमरे को इंसान की आध्यात्मिक यात्रा का द्वार भी माना गया है।

**हम** अपने जन्म से मरण तक जो भी करते हैं उस सबका एक ही अंतिम मकसद होता है- स्थाई खुशी या निर्वाण अत: सत्य की खोज- 'निर्वाण या स्थाई ख़ुशी' के लिए परमावश्यक है।

भागवान बुद्ध ने कहा है :-
''किसी चीज को इस लिए मत मानो की ये सदियों से चली आ रही हैं,किसी चीज को इस लिए मत मानो की ये हमारे बुजुर्गो ने कही हैं,किसी चीज को इस लिए मत मानो की ये हमारे लोगो ने कही हैं,किसी चीज को मानने से पहले यह सोचो की क्या ये सही हैं,किसी चीज को मानने से पहले ये सोचो की क्या इससे आप का विकास संभव है, किसी चीज को मानने से पहले उसको बुद्धि की कसोटी पर कसो और आप को अच्छा लगे तो ही मानो नहीं तो मत मानोज।''

अन्य धर्मों की तरह बौध धर्म/ धम्म का उदेश्य किस ईश्वर और उसकी किताब के बहाने सामाजिक संगठन बनाकर व्यक्ति को ईश्वरर

# हनुमान कवच में है अपार शक्ति

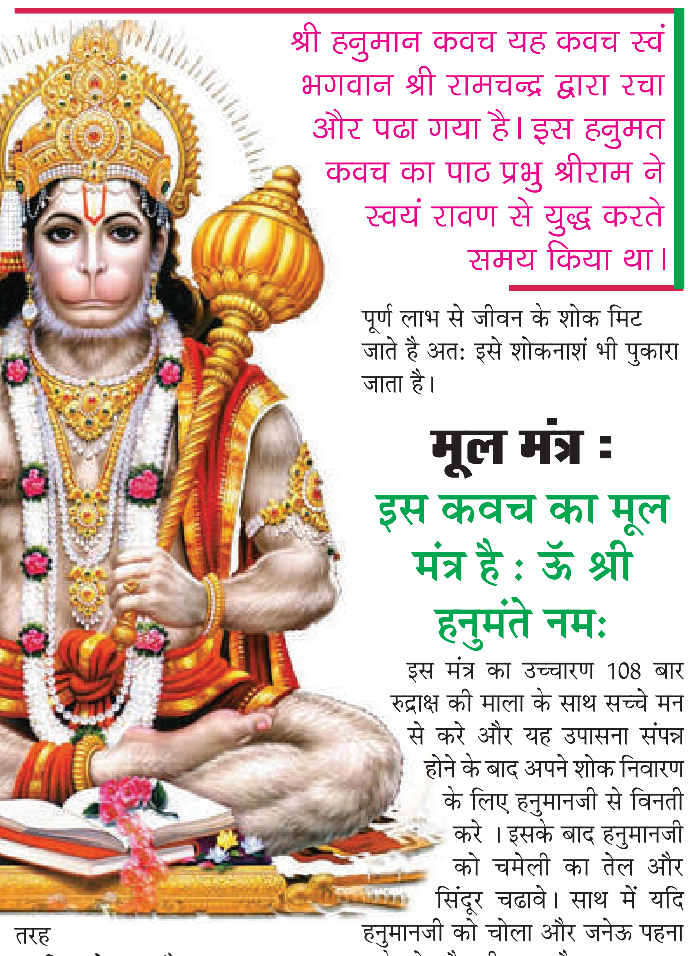

श्री हनुमान कवच यह कवच स्वं भगवान श्री रामचन्द्र द्वारा रचा और पढा गया है। इस हनुमत कवच का पाठ प्रभु श्रीराम ने स्वयं रावण से युद्ध करते समय किया था।

**श्री हनुमान** कवच अपने आप में भगवान की शक्ति रखता है जिसके प्रभाव से बुराइयों पर जीत पाई जा सकती है। हनुमान भक्त इस कवच की असीम शक्ति को जानते है।

इस कवच की शक्ति को मन को एकाग्र: करके असीम साधना से जगाया जा सकता है। यह कहा जाता है की यह महावीर हनुमान का शक्तिग्रह है।

## हनुमान कवच से लाभ :

इस कवच से भूत, प्रेत , चांडाल , राक्षश व अन्य बुरी आत्माओं से बचाव किया जा सकता है । यह कवच आपको टोनो टोटको से बचाता है और आपकी रक्षा करता है। काला जादू इस पर पूरी तरह पराजित हो जाता है। इस कवच का पूर्ण लाभ से जीवन के शोक मिट जाते है अत: इसे शोकनाशं भी पुकारा जाता है।

## मूल मंत्र :

इस कवच का मूल मंत्र है : ऊँ श्री हनुमंते नमः

इस मंत्र का उच्चारण 108 बार रुद्राक्ष की माला के साथ सच्चे मन से करे और यह उपासना संपन्न होने के बाद अपने शोक निवारण के लिए हनुमानजी से विनती करे । इसके बाद हनुमानजी को चमेली का तेल और सिंदूर चढावे। साथ में यदि हनुमानजी को चोला और जनेऊ पहना सके तो और भी उत्तम है।

## भगवान महावीर स्वामी के अनमोल विचार

**किसी** के अस्तित्व को मत मिटाओ। शांतिपूर्वक जियो और दूसरों को भी जीने दो। ईसा से 599 वर्ष पहले वैशाली गणतंत्र के क्षत्रिय कुण्डलपुर में पिता सिद्धार्थ और माता त्रिशला के यहाँ तीसरी संतान के रूप में चैत्र शुक्ल तेरस को इनका जन्म हुआ। इनका बचपन का नाम 'वर्धमान' था।

यदि कभी किसी का भला किया हो तो उसे भूल जाओ। और कभी किसी ने आपका बुरा किया हो तो उसे भूल जाओ। किसी के अस्तित्व को मत मिटाओ। शांतिपूर्वक जियो और दूसरों को भी जीने दो। स्वयं से लडो, बाहरी दुश्मन से क्या लडना। जो स्वयं पर विजय कर लेगा उसे आनंद की प्राप्ति होगी। असली शत्रु आपके भीतर रहते हैं, वो शत्रु हैं क्रोध, घमंड, लालच, आसक्ति और नफरत। खुद पर विजय प्राप्त करना लाखों शत्रुओं पर विजय पाने से बेहतर है। किसी आत्मा की सबसे बडी गलती अपने असली रूप को न पहचानना है, और यह केवल आत्म ज्ञान प्राप्त कर के ठीक की जा सकती है।

नश्वर देह गई, पर संदेश अमर हो गया : संत का जीवन स्वयं एक ग्रंथ हो गया

# परम पूज्य युगप्रधान श्री श्री श्री विजय शांतिसूरीश्वर जी गुरु भगवंत की 83वीं पुण्यतिथि आज

**जिनके दर्शन से आत्मा को दिशा मिले,**
**ऐसे संतों का जीवन भी सच्चा संदेश है।**
**उनके चरणों में ही हमारी श्रद्धा के पुष्प खिले।**

विश्व की महान विभूति, परम पूज्य युगप्रधान श्री श्री श्री विजय शांतिसूरीश्वर जी गुरु भगवंत की 83वीं पुण्यतिथि आसोज वद-10, सोमवार, 5 अक्टूबर 2026 को श्रद्धा-पूर्वक मनाई जा रही है। गुरुदेव का संपूर्ण जीवन तप, ध्यान, आत्मचिंतन, करुणा और अहिंसा की अनुपम साधना का संदेश देता है। उनका जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए आध्यात्मिक प्रेरणा का स्रोत है।

### मात्र 16 वर्ष की आयु में ग्रहण की दीक्षा

गुरुदेव का सांसारिक नाम सगतोजी था। पूज्य गुरुदेव ने श्री तीर्थविजयजी म.सा. के हस्ते विक्रम संवत् 1961, दिनांक 9 फरवरी 1905 को मात्र 16 वर्ष की अल्पायु में दीक्षा ग्रहण की।

बाल्यावस्था से ही उनके जीवन में वैराग्य और आध्यात्मिक साधना की भावना प्रकट हो गई थी। इतनी छोटी आयु में सांसारिक मोह-माया का त्याग कर संयम मार्ग को अपनाना उनके दृढ़ संकल्प और आत्मिक जागृति का परिचय था। दीक्षा के पश्चात उनका संपूर्ण जीवन तप, ध्यान और आत्मचिंतन की साधना में समर्पित रहा। आगे चलकर यही साधना उन्हें एक ऐसे महान संत के रूप में प्रतिष्ठित करती गई, जिनका जीवन स्वयं आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा और आध्यात्मिक संदेश बन गया।

### तप-साधना, करुणा और अहिंसा की अनुपम गाथा

संसार के समस्त प्रपंचों से निवृत्त होकर पवित्रता की साक्षात प्रतिमूर्ति बने परम पूज्य 1008 विजय शांतिसूरीश्वर जी म.सा. का जीवन तप-साधना, करुणा और अहिंसा की एक अनुपम गाथा है।

गुरुदेव का बहुमूल्य जीवन बाह्य प्रदर्शन का साधन नहीं, बल्कि अंतर की एक परम यात्रा है। गुरुदेव सारे बाहरी आडंबरों से दूर रहकर सदा योग-साधना और आत्मध्यान में तल्लीन रहते थे। उन्होंने अपने साधक जीवन में अनेक कठिन परिस्थितियों को सहज भाव से स्वीकार किया।

जहाँ सामान्य मनुष्य सुविधा की खोज करता है, वहीं साधक आत्मा की खोज करता है। गुरुदेव कहते थे कि संसार की भागदौड़ में बीत जाने वाला समय हाथ से परिणामरहित निकल जाता है। वही समय आत्मचिंतन में ॐ ह्रीं अर्हं नमः के जाप और साधना में लगाया हुआ एक क्षण भी हमारी आत्मा के कल्याण का कारण बन सकता है।

उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि 'अंतर्मन की शांति' संसार के प्रपंचों में नहीं, बल्कि अपने भीतर उतरने से प्राप्त होती है।

### भगवान महावीर के अहिंसा संदेश की स्पष्ट झलक

गुरुदेव के उपदेशों में भगवान महावीर के अहिंसा संदेश की स्पष्ट झलक दिखाई देती है। किसी भी जीव को पीड़ा न पहुँचाना और प्रत्येक जीव की रक्षा के प्रति उतनी ही सजगता रखना, जितनी हम अपने जीवन की रक्षा के लिए रखते हैंयही अहिंसा का संदेश उनके जीवन का मूल दर्शन था।

जिसे गुरुदेव की शरण का स्पर्श मिल जाता है, वह अपने भीतर के गुरुत्व को खोजने निकल पड़ता है। गुरुदेव की वाणी में भी अद्भुत प्रभाव था। उनके मधुर कंठ से निकले शब्द सामने वाले के अंतर्मन को छू लेते थे और उसके हृदय में शांति का ऐसा सिंचन करते थे कि वह व्यक्ति सहज ही उनके चरणों में शीश झुकाने के लिए स्वतः प्रेरित हो जाता।

तनाव से जूझते भक्तों के लिए उनके दिव्य उपदेश मानो शीतल झरने के समान थे।

उनके शब्दों में सरलता थी, उनके हृदय में करुणा थी, उनके आचरण में साधना की शक्ति थी और चेहरे पर मधुर मुस्कान थी।

### दिव्य प्रतिमा के दर्शन से मन होता था शांत

गुरुदेव की दिव्य प्रतिमा को देखते ही भक्तों का मन पूर्णतः शांत और निर्मल हो जाता है। ऐसे अद्भुत योगी की जीवनगाथा हमारे लिए आदर्श है।

अपने भक्तों एवं समस्त जगत के प्राणियों को सत्य मार्ग बताते हुए आत्मजागरण की प्रेरणा देते-देते एक समय ऐसा आया, जब अचलगढ़ में विक्रम संवत् 2000, आश्विन मास के कृष्ण पक्ष की 10वीं तिथि, गुरुवार, दिनांक 23 सितंबर 1943 की उस मध्यरात्रि को अपनी 54 वर्ष की आयु पूर्ण कर नश्वर देह का त्याग कर करुणामूर्ति, विश्ववंदनीय गुरुदेव परम शांति धाम को प्राप्त हुए।

अचलगढ़ से पालखी में गुरुदेवश्री को मंडोली लाया गया और विशाल जनसमुदाय की उपस्थिति में उनका अंतिम संस्कार हुआ।

### साधना और उपदेश आज भी प्रेरणास्रोत

उनकी साधना, आत्मजागृति और उनके दिए उपदेश आज भी हमें प्रेरणा देते हैं और उनकी उपस्थिति का आभास कराते हैं।

उनका जीवन हमें आत्मचिंतन, संयम, करुणा, अहिंसा और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

अंततः इतना ही कहना उचित होगा-
**नश्वर देह गई, पर संदेश अमर हो गया।**
**संत का जीवन, स्वयं एक ग्रंथ हो गया।**

**-उषा बरलोटा**

# स्वास्तिक शब्द का मतलब है सौभाग्य

**संस्कृत** में स्वास्तिक शब्द का मतलब सौभाग्य है। स्वास्तिक को विश्व के कई देशों में अलग-अलग नामों से पहचाना जाता है। इन देशों के लिए स्वास्तिक के चिन्ह का अपना एक अलग अर्थ और महत्व रहा है।

वहीं भारत में इस चिन्ह को भगवान गणेश और लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है। यही कारण है कि यहां किसी भी शुभ कार्य को शुरू करने से पहले इसे पूजा की जगह पर चिन्हित किया जाता है। चार हजार साल पहले सिंधु घाटी की सभ्यता में भी स्वास्तिक के प्रमाण मिलते हैं।

वास्तुशास्त्र के अनुसार स्वास्तिक उत्तर, पश्चिम, पूर्व, दक्षिण दिशाओं का प्रतीक है। लेकिन लंबे समय से सौभाग्य का प्रतीक रहे स्वास्तिक के चिन्ह को उस समय खौफ और नफरत का प्रतीक माना जाने लगा जब इस चिन्ह को हिटलर ने अपना लिया था।

### पूर्वी यूरोप

यूरोप के शुरुआती दौर में स्वास्तिक का प्रयोग एक पवित्र चिन्ह के रूप में किया जाता था। वास्तव में इसका संबंध सबसे शाक्तिशाली नॉर्स देवता, 'थॉर' से है। यह माना जाता है कि उनके प्रसिद्ध हथौडे के पीछे 'स्वास्तिक' का चिन्ह बना था।

### ग्रीस

प्राचीन ग्रीस का एक चिन्ह स्वास्तिक जैसा ही दिखता है, जिसे Gammadion कहते हैं। ये चिन्ह वहां की वर्णमाला के उन चार कैपिटल शब्दों से मिलता-जुलता है, जो 'कॉमन सेंटर' को जोडते हैं।

### प्रारंभिक ईसाई समुदाय

अपने प्रारंभिक दौर में क्रिश्चन स्वास्तिक का प्रयोग क्राइस्ट के चिन्ह के रूप में करते थे।

ये जीसेस के क्रॉस का प्रतिनिधित्व करता था। और जब रोमन द्वारा क्रिश्चन्स को सताया जा रहा था, उस दौरान भी इस चिन्ह का प्रयोग रोजाना किया जाता था। यहां तक कि पादरियों ने भी अपनी पोशाक पर 'स्वास्तिक' के चिन्ह को बना रखा था।

### फिनलैंड

हजारों सालों से फिनलैंड में स्वास्तिक को एक अच्छी तकदीर का चिन्ह माना जाता है। ये चिन्ह फिनलैंड की संस्कृति और इतिहास के एक बडे हिस्से में समाया है। और तो और 'स्वास्तिक के सीधे खडे' स्वरूप को सदियों से गहनों और कपडों पर इस्तेमाल किया जाता रहा है।

### तिब्बत

स्वास्तिक 'लौकिक ऊर्जा' के एक रूप का नाम है, जिसे Fohat का प्रतीक माना जाता है। मैडम हेलेना ने स्वास्तिक को कुछ इस तरह से परिभाषित किया है, 'असल में, स्वास्तिक एक अत्यंत शाक्तिशाली जीवन से जुडा है जो व्यवस्था के प्रति एक भरोसा स्थापित करता है।

### हिन्दू समुदाय

हिन्दू धर्म में किसी भी शुभ कार्य में स्वास्तिक का प्रयोग अलग-अलग तरीके से किया जाता है। चाहे वह शादी हो, बच्चे का मुंडन या कोई भी छोटी या बडी पूजा। स्वास्तिक शब्द की उत्पत्ति संस्कृत के शब्द स्वास्तिका से हुई है।जिसका अर्थ है 'कुछ अच्छा होने वाला है'। स्वास्तिक हिन्दू देवता गणेश और देवी लक्ष्मी का भी चिन्ह माना जाता है।

### अमेरिकी

अमेरिका के मूल निवासी अपनी संस्कृति में स्वास्तिक को अच्छे भाग्य का चिन्ह मानते हैं। Navajo जनजाति के लोग इसके डिजाइन को चांदी के आभूषणों से लेकर अपनी कई चीजों का हिस्सा बनाते हैं, जिसे चारों दिशाओं का प्रतीक माना जाता है।

### ब्रिटिश साहित्य

ब्रिटिश रचनाकार ने स्वास्तिक का प्रयोग अपनी किताबों पर एक मुहर के रूप में किया था। उन्होंने अपनी किताबों से इस चिन्ह को तब हटा दिया, जब नाजी ने इसे अपना लिया था।

### धार्मिक आंदोलन

रायल नामक वैश्विक व मशहूर व्यक्ति ने स्वास्तिक और डेविड के सितारे दोनों को सांस्कृतिक रूप से अधिग्रहित किया। रायल में विश्वास रखने वालों का ऐसा मानना है कि डेविड के तारे अंतरिक्ष में शून्य का प्रतिनिधित्व करते हैं तो वहीं स्वास्तिक काल और समय के शून्य का द्योतक है।

यह एक बेहद नया आंदोलन था और स्वास्तिक के इस्तेमाल की वजह से इस ग्रुप को काफी आलोचनाओं का सामना भी करना पडा।

### बौद्ध समुदाय

बौद्ध धर्म में स्वास्तिक को अच्छे भाग्य का प्रतीक माना गया है। यह भगवान बुद्धा के पद्चिन्हों को दिखाता है, इसीलिए इसे इतना पवित्र माना जाता है। यहां तक कि स्वास्तिक भगवान बुद्धा के हृदय, हथेली और पैरों में भी अंकित था।

# इस कारण से बदलता है तिल और मस्से का आकार

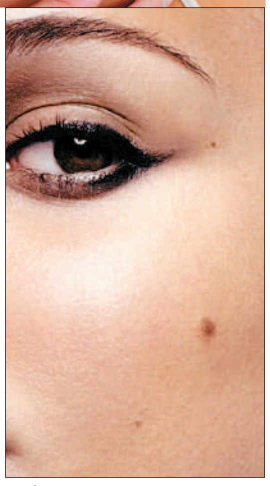

**चाहे** ड्राय स्किन हो, ऑयली स्किन, सेंसेटिव स्किन या नार्मल स्किन हो। त्वचा के रंग या त्वचा पर पाए जाने वाले तिल का आकार या रंग बदलने लगे तो यह स्किन कैंसर के लक्षण हैं। अगर आपके शरीर पर मौजूद तिल अथवा मस्सों का आकार बदल रहा है, तो लापरवाही भारी पड़ सकती है। ऐसे में तुरंत डॉक्टर से परामर्श करें, क्योंकि यह मेलानोमा कैंसर भी हो सकता है। मेलानोमा एक किस्म का स्किन कैंसर होता है। त्वचा के रंग का निर्माण करने वाले मेलेनोसाइट्स में यह रोग होता है।

## क्या हैं कारण

इस रोग का पहला कारण है सूरज की तेज किरणें। ज्यादा देर तक सूरज की रोशनी में रहने पर त्वचा की कोशिकाओं को नुकसान होता है। इसके अलावा संक्रमण से भी यह रोग फैलता है। अगर घर में किसी एक को हो जाए, तो दूसरे में भी यह रोग होने की संभावना बढ़ जाती है। त्वचा के अन्य कैंसर के मुकाबले यह ज्यादा गंभीर होता है। धीरे-धीरे यह कैंसर शरीर के अन्य अंगो को प्रभावित करने लगता है। यहां तक कि इस रोग के चलते हड्डियों को भी नुकसान पहुंचना शुरू हो जाता है।

## लक्षण कहते हैं

तिल और मस्सों से इस रोग की शुरुआत होती है। सबसे पहले इनके आकार में बदलाव होना शुरु हो जाता है। इसके अलावा त्वचा पर अलग-अलग आकार के दाग-धब्बे बनने लगते हैं। जैसे-जैसे ये दाग पुराने होते हैं, उनमें खुजली होने लगती है।अगर तुरंत इसका इलाज नहीं कराया गया, तो दाग के चारों तरफ काले निशान बनने लगते हैं। खुजलाने पर खून निकलने लगता है। धीरे-धीरे दाग पूरी त्वचा पर फैलने लगते हैं। इनका रंग भी त्वचा के रंग से गहरा या काला होता जाता है। कई बार ये दाग-धब्बे सफेद, गुलाबी, लाल और नीले रंग के भी होते हैं।

## क्या है उपचार

इस बीमारी से बचना है, तो ज्यादा देर धूप में न रहें। जरूरत पड़ने पर जाना पड़े, तो सनस्क्रीन लोशन लगाकर और शरीर को ठीक से ढंककर ही निकलें। बीमारी होने की आशंका होने पर तुरंत डॉक्टर से परामर्श करें। शुरुआत में ही अगर इलाज कराया जाए, तो छोटी सी सर्जरी करके इन दाग-धब्बों ठीक कर दिया जाता है। मेलानोमा एक तरह का कैंसर ही होता है। जो लोग ज्यादा सन-बाथ लेते हैं या धूप में रहते हैं, उनमें ये बीमारी ज्यादा होती है। गोरे लोग इसकी चपेट में ज्यादा आते हैं। तिल और मस्सों से इसकी शुरुआत होती है। इनका साइज बदलना शुरु हो जाता है। अगर कोई भी कैंसर एक ही जगह है, तो उसे सर्जरी के जरिये निकाल देते हैं, लेकिन अगर वह शरीर में फैल गया है, तो कीमो-थेरेपी या रेडियो-थेरेपी से उपचार करते हैं।

## भोजन बनाते समय की मानसिकता...

**अन्न** को ब्रह्म कहा गया है। इसका निरादर देवता का अपमान है। इसलिए अन्न को भोजन के रूप में तैयार करने की प्रक्रिया भी पूजा-अर्चना से कम नहीं है। अन्न के खेतों से थाली तक पहुंचने की यात्रा में कई पड़ाव हैं। कमाने, पकाने, परोसने और खाने वाले व्यक्तियों की मानसिकता अन्न के पोषक तत्वों को प्रभावित करती है। रसोई बनाने वाला इस प्रसंग का सूत्रधार है। खाना बनाते समय उसकी मानसिकता क्या है, खाने वाले के प्रति उसकी भावनाएं अच्छी हैं या नहीं इन सबका प्रभाव भोजन पर होता है। अगर उसे भोजन बनाने का काम मुसीबत नजर आता है, अगर उसे भरपेट भोजन नहीं मिलता है तो निश्चित रूप से भोजन में नकारात्मक तरंगें पैदा होंगी। अच्छे से अच्छा व्यंजन भी अपाच्य बन जाएगा।

## सितंबर के मुख्य त्योहार...

- सितंबर को स्नान दान आदि की भाद्रप्रद की अमावस, कुशोत्पाटिनी अमावस, पिठौरी अमावस।
- सितंबर को भाद्रप्रद शुक्ल पक्ष प्रारंभ, श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी का प्रथम प्रकाश (प्राचीन परम्परा अनुसार)।
- सितंबर रविवार को हरि तालिका तृतीया, गौरी तृतीया, श्री वाराह अवतार जयंती, सामवेदि उपाकर्म, मुसलमानी महीना जिल्हिका शुरू, श्री गुरु रामदास जी का ज्योति ज्योत समाए दिवस।
- सितंबर सोमवार को सिद्धि विनायक श्री गणेश चतुर्थी व्रत, कलंक चौथ यानी पत्थर चौथ। इस दिन चंद्रमा को न देखने का विधान है।
- सितंबर मंगलवार को ऋषि पंचमी, श्री दंडी स्वामी जी महाराज श्री शंकराश्रम जी महाराज का निर्वाण दिवस।
- सितंबर गुरुवार मुक्ता भरण सप्तमी, संतान सप्तमी, 16 दिनों के श्री महालक्ष्मी व्रत प्रारंभ।
- सितंबर रविवार को सायं 5 बजकर 5 मिनट पर गुरु (तारा) पश्चिम में अस्त और 7 अक्टूबर को उदय होगा। 13 सितंबर मंगलवार को पद्मा एकादशी व्रत, फूल डोल महोत्सव, श्री वामन अवतार जयंती वामन द्वादशी।
- सितंबर गुरुवार अनंत चतुर्दशी व्रत, अनंत चौदश मेला बाबा सोढल जी (जालंधर, पंजाब), कदली व्रत।

# दु:ख से मुक्ति...

**दु:ख**, तकलीफ, आपदाएं इंसान की जिंदगी के साथ जुड़ी हुई ऐसी अप्रसंगिक घटनाएं हैं जो क्षति पहुंचाकर हमें विचलित कर देती हैं। कभी कभी तो अविवेकी इंसान सहनशक्ति के अभाव मे अपने होश खो बैठता है। मुसीबतों को टालने की कोशिश करते हुए भी हमारा मन विचलित हो उठता है। आगे बढ़ने के सारे दरवाजे बंद होते देखकर सिर पकड़ कर बैठने के सिवाए कोई ओर रास्ता नजर नहीं आता। आखिर ऐसा क्यो होता है? क्या है दु:ख से मुक्ति का उपाय? इस आलेख में हम यही जानेंगे।

**जीवन** के सुख-दुःख को देखने का हमारा चश्मा अलग-अलग होता है। दूसरों के सुख बड़े लगते हैं तो अपने दुःख भी बड़े। अपने छोटे से छोटे दुःख को गाने की ऐसी लत लगती है कि मानो एक हम ही हैं जो दुखों को झेल रहे हैं। बात यहीं तक नहीं रुकती, हम केवल यह नहीं चाहते कि लोग हमारे दुःख को सुनें, हम उनकी सहानुभूति का फायदा भी उठाना चाहते हैं। अपने दुखों की आड़ में अपनी जिम्मेदारी से बचते हैं। मैंने जिंदगी देखी है..., तुम्हें क्या पता दुख क्या होता है..., मेरी किस्मत में सुख कहां..., ऐसी ही कई बातें कहते हुए हम बिल्कुल दार्शनिक हो जाते हैं। ऐसे ज्ञानी, जिन्हें अपना राई बराबर दुःख पहाड़ नजर आता है।

हो सकता है कि आपके पास संसाधनों की कमी हो, बीमारी या परिवार की उपेक्षा झेल रहे हों, पर यह सच है कि संघर्ष सबके जीवन में होता है। लेकिन व्यक्ति के सहने की क्षमता और प्रवृति के आधार पर इसका अनुभव हर किसी को अलग होता है। अपने दुःख दूसरों को बताना मन की सेहत के लिए अच्छा होता है। पर उसकी नुमाइश करना या अपने दुःख से लाभ कमाने की कोशिश करना, व्यक्तित्व की कमजोरी है। मन की हीनता और दुर्बलता है। यह दूसरों का ध्यान अपनी ओर खींचने की प्रवृत्ति है।

## नमक जैसा है दु:ख

एक बूढ़ा जेन मास्टर अपने शिष्य की शिकायत करने की आदत से परेशान था। एक सुबह उन्होंने शिष्य को कुछ नमक एक गिलास पानी में मिलाकर पीने को दिया। मास्टर ने पूछा- कैसा है यह? शिष्य ने कहां, यह कड़वा लग रहा है, इसे पीना असंभव है। इसके बाद वे दोनों झील के किनारे गए। मास्टर ने उतना ही नमक झील के पानी में डाल दिया। शिष्य को फिर पानी पीने के लिए कहा और पूछा कि अब ये कैसा लग रहा है? शिष्य ने कहा, ये पानी बिल्कुल ताजा है। इसमें नमक का पता ही नहीं चल रहा। मास्टर ने कहा, जीवन में दु:ख भी नमक की तरह है। इसकी मात्रा भी समान ही है। पर इसकी कड़वाहट निर्भर करती है कि हमने इसे किस बर्तन में डाला है। जब दु:ख हो तो शिकायत की जगह अपने नजरिए को बड़ा कर लेना चाहिए।

## अच्छी नहीं दु:ख की लत

दुखों की निरंतर चर्चा करना हमें अपने नकारात्मक अनुभवों से बाहर नहीं आने देता। हमें हर छोटी सी समस्या बड़ी दिखती है। हर समय दिमाग अतीत की गलियों में घूमता रहता है। ऐसे में जितना हम अपने दुख दूसरों के सामने रखते हैं, उतने ही नकारात्मकता और दुखों की ओर बढ़ जाते हैं। किसी ने ठीक ही कहा है की जिंदगी का रोना भी कोई रोना है, जिंदगी रोकर काटो या हंसकर वह तो कट ही जाती है। सुख और दु:ख जिंदगी के खेल है। इन्हें खेल की तरह खेलते हुए चलने का नाम ही जिंदगी है। अगर दुखों को नजरंदाज न किया जाए तो जीना मुश्किल हो जाता है। दु:ख का प्रत्यक्ष रूप से जितना बड़ा दिखाई देता है अंदर से वह उतना हो खोखला और कमजोर होता है। अगर विचारों को मजबूत बनाकर रखा जाए तो दु:ख हवा के झोखे के साथ गायब होने वाले पानी के बुलबुलों की तरह होते हैं। दुख, तकलीफ, आपदाए इंसान की जिंदगी के साथ जुड़ी हुई ऐसी अप्रसंगिक घटनाएं हैं जो क्षति पहुंचाकर हमें विचलित कर देती है। कभी कभी तो अविवेकी इंसान सहनशक्ति के अभाव में होश खो बैठता है। मुसीबतों को टालने की कोशिश करते हुए भी हमारा मन विचलित हो ही उठता है। आगे बढ़ने के सारे दरवाजे बंद होते देखकर सिर पकड़ कर बैठने के सिवाए कोई ओर रास्ता नजर नहीं आता। आखिर ऐसा क्यो होता है? कारण यह है की हमारी नकारात्मक सोच और चिंतन हम पर हावी हो जाते है। कहते है की इंसान जैसा सोचता है वैसा ही बन जाता है। अगर सोच सकरात्मक होगी तो दु:ख मे भी कही न कही सुख की अनुभूति होगी।

## समस्या का सामना करें

भीतर के सत्य की खोज करने वाले कुछ वैज्ञानिकों ने देखा कि मन को और काम में लगाना यानी समस्या से दूर भागना है। पलायन सही उपाय नहीं है, समस्या का सामना करना चाहिए। मन में जब विकार जागेगा, तब उसे देखो, उसका सामना करो। जैसे ही आप विकार को देखना शुरू कर दोगे, वह क्षीण होता जाएगा और धीरे धीरे उसका क्षय हो जाएगा। यह अच्छा उपाय है। दमन एवं खुली छूट की दोनों अतियों को टालता है। विकारों को अंतर्मन की गहराईयों में दबाने से उनका निर्मूलन नहीं होगा। और विकारों को अकुशल शारीरिक एवं वाचिक कर्मों द्वारा खुली छूट देना समस्याओं को और बढाना है। लेकिन अगर आप केवल देखते रहोगे, तो विकारों का क्षय हो जाएगा और आपको उससे छुटकारा मिलेगा।

## विकारों से सामना आसान नहीं

अपने विकारों का सामना करना आसान नहीं है। जब क्रोध जागता है, तब इस तरह सिर पर सवार हो जाता है कि हमें पता भी नहीं चलता। क्रोध से अभिभूत होकर हम ऐसे शारीरिक एवं वाचिक काम कर जाते हैं जिससे हमारी भी हानि होती है, औरों की भी। जब क्रोध चला जाता है, तब हम रोते हैं और पछतावा करते हैं, इस या उस व्यक्ति से या भगवान से क्षमायाचना करते हैं— हमसे भूल हो गई, हमें माफ कर दो। लेकिन जब फिर वैसी ही स्थिति का सामना करना पड़ता है तो हम वैसे ही प्रतिक्रिया करते हैं। बार-बार पश्चाताप करने से कुछ लाभ नहीं होता। हमारी कठिनाई यह है कि जब विकार जागता है तब हम होश खो बैठते हैं। विकार का प्रजनन मानस की तलस्पर्शी गहराईयों में होता है और जब तक वह उपरी सतह तक पहुंचता है तो इतना बलवान हो जाता है कि हम पर अभिभूत हो जाता है। हम उसको देख नहीं पाते। जब भी मन में कोई विकार जागे तो शरीर पर दो घटनाएं उसी वक्त शुरू हो जाती हैं। एक, सांस अपनी नैसर्गिक गति खो देता है। जैसे मन में विकार जागे, सांस तेज एवं अनियमित हो जाती है। यह देखना बड़ा आसान है। सूक्ष्म स्तर पर शरीर में एक जीवरासायनिक प्रक्रिया शुरू हो जाती है जिसके परिणामस्वरूप संवेदनाओं का निर्माण होता है। हर विकार शरीर पर कोई न कोई संवेदना निर्माण करता है।

## आत्मनिरीक्षण की विद्या

ऐसे में आत्मनिरीक्षण की विद्या हमें भीतर और बाहर दोनों सच्चाईयों से अवगत कराती है। पहले हम केवल बहिर्मुखी रहते हैं और भीतर की सच्चाई को नहीं जान पाते हैं। अपने दु:ख का कारण हमेशा बाहर ढूंढते हैं। बाहर की परिस्थितियों को कारण मानकर उन्हें बदलने का प्रयत्न करते हैं। भीतर की सच्चाई के बारे में अज्ञान के कारण हम यह नहीं समझ पाते हैं कि हमारे दुख का कारण भीतर है, वह है सुखद एवं दुखद संवेदनाओं के प्रति अंध प्रतिक्रिया। हम सांस को भी जान सकते है और भीतर क्या हो रहा उसको भी। सांस हो या संवेदना, हम उसे मानसिक संतुलन खोए बिना देख सकते हैं। प्रतिक्रिया बंद होती है तो दु:ख का संवर्धन नहीं होता। उसके बजाय, विकार उभर कर आते हैं और उनकी निर्जरा होती है, क्षय होता है। जैसे जैसे हम इस विद्या में पकते चले जाय, विकार शीघ्रता के साथ क्षय होने लगते हैं। धीरे धीरे मन विकारों से मुक्त होता है, शुद्ध होता है। शुद्ध चित्त हमेशा प्यार से भरा रहता है—सबके प्रति मंगल मैत्री, औरों के अभाव एवं दुखों के प्रति करुणा, औरों के यश एवं सुख के प्रति मुदिता एवं हर स्थिति में समता।

## लगातार प्रयास जरूरी

एक सामान्य व्यक्ति अमूर्त विकारों को नहीं देख सकता—अमूर्त भय, अमूर्त क्रोध, अमूर्त वासना आदि। लेकिन उचित प्रशिक्षण और प्रयास करेगा तो आसानी से सांस एवं शरीर पर होने वाली संवेदनाओं को देख सकता है। दोनों का ही मन के विकारों से सीधा संबंध है। सांस एवं संवेदनाएं दो तरह से मदत करेंगी। जैसे ही मन में कोई विकार जागा, सांस अपनी स्वाभाविकता खो देगा, वह हमे बतायेगा—कुछ गडबड है! और हम सांस को डांट भी नहीं सकते। हमें उसकी चेतावनी को मानना होगा। ऐसे ही संवेदनाएं हमें बताएंगी कि कुछ गलत हो रहा है। चेतावनी मिलने के बाद हम सांस एवं संवेदनाओं को देख सकते है। ऐसा करने पर शीघ्र ही हम देखेंगे कि विकार दूर होने लगा। यह शरीर और मन का परस्पर संबंध एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। एक तरफ मन में जागने वाले विचार एवं विकार हैं और दूसरी तरफ सांस एवं शरीर पर होने वाली संवेदनाएं हैं। मन में कोई भी विचार या विकार जागता है तो तत्क्षण सांस एवं संवेदनाओं को प्रभावित करता ही है। इस प्रकार, सांस एवं संवेदनाओं को देख कर हम विकारों को देख रहे हैं। पलायन नहीं कर रहे, विकारों के आमुख होकर सच्चाई का सामना कर रहे हैं। शीघ्र ही हम देखेंगे कि ऐसा करने पर विकारों की ताकत कम होने लगी, पहले जैसे वे हम पर अभिभूत नहीं होते। हम अभ्यास करते रहें तो उनका सर्वथा निर्मूलन हो जाएगा। विकारों से मुक्त होते हम सुख एवं शांति का जीवन जीने लग जाएंगे।

**खुद को जानना जरूरी :** आवश्यक है, खुद को जानना, जो कि हर संत पुरुष की शिक्षा है। केवल कल्पना, विचार या अनुमान के बौद्धिक स्तर पर नहीं, भावुक होकर या भक्तिभाव के कारण नहीं, जो सुना या पढ़ा उसके प्रति अंधमान्यता के कारण नहीं। ऐसा ज्ञान किसी काम का नहीं है। हमें सच्चाई को अनुभव के स्तर पर जानना चाहिए। शरीर एवं मन के परस्पर संबंध का प्रत्यक्ष अनुभव होना चाहिए। इसी से हम दु:ख से मुक्ति पा सकते हैं। अपने बारे में इस क्षण का जो सत्य है, जैसा भी है उसे ठीक वैसा ही, उसके सही स्वभाव में देखना समझना जरूरी है। भगवान बुद्ध ने यही सिखाया—जीवन जीने की कला। उन्होंने किसी संप्रदाय की स्थापना नहीं की। उन्होंने अपने शिष्यों को मिथ्या कर्म-कांड नहीं सिखाएं। बल्कि, उन्होंने भीतर की नैसर्गिक सच्चाई को देखना सिखाया। हम अज्ञानवश प्रतिक्रिया करते रहते हैं, अपनी हानि करते हैं औरों की भी हानि करते हैं। जब सच्चाई को जैसी-है-वैसी देखने की प्रज्ञा जागृत होती है तो यह अंध प्रतिक्रिया का स्वभाव दूर होता है। तब हम सही क्रिया करते हैं—ऐसा काम जिसका उगम सच्चाई को देखने और समझने वाले संतुलित चित्त में होता है। ऐसा काम सकारात्मक एवं सृजनात्मक होता है, आत्महितकारी एवं परहितकारी।

## विकारों से बचें

दु:ख को दूर करने के लिए पहले हम यह जान लें कि हम अशांत और बेचैन क्यों हो जाते हैं। गहराई से ध्यान देने पर साफ मालूम होगा कि जब हमारा मन विकारों से विकृत हो उठता है तब वह अशांत हो जाता है। हमारे मन में विकार भी हो और हम सुख एवं सौमनस्यता का अनुभव करें, यह संभव नहीं है। ये विकार क्यों आते है, कैसे आते है? फिर गहराई से ध्यान देने पर साफ मालूम होगा कि जब कोई व्यक्ति हम से मनचाहा व्यवहार नहीं करता उसके अथवा किसी अनचाही घटना के प्रतिक्रियास्वरूप आते हैं। अनचाही घटना घटती है और हम भीतर तनावग्रस्त हो जाते हैं। मनचाही के न होने पर, मनचाही के होने में कोई बाधा आ जाए तो हम तनावग्रस्त होते हैं। हम भीतर गांठे बांधने लगते हैं। जीवन भर अनचाही घटनाएं होती रहती हैं, मनाचाही कभी होती है और जीवन भर हम प्रतिक्रिया करते रहते हैं, गांठे बांधते रहते हैं। हमारा पूरा शरीर एवं मानस इतना विकारों से, इतना तनाव से भर जाता है कि हम दुखी हो जाते हैं। इस दुख से बचने का एक उपाय यह कि जीवन में कोई अनचाही होने ही न दें, सब कुछ मनचाहा ही हों। या तो हम ऐसी शक्ति जगाए, या और कोई हमारे मददकर्ता के पास ऐसी ताकद होनी चाहिए कि अनचाही होने न दें और सारी मनचाही पूरी हो। लेकिन यह असंभव है। विश्व में ऐसा कोई व्यक्ति नहीं है जिसकी सारी इच्छाएं पूरी होती है, जिसके जीवन में मनचाही ही मनचाही होती है, और अनचाही कभी भी नहीं होती। जीवन में अनचाही होती ही है।

## किसी और काम में लग जाएं

कैसे हम विषम परिस्थितियों के पैदा होने पर अंधप्रतिक्रिया न दें? कैसे हम तनावग्रस्त न होकर अपने मन को शांत व संतुलित रख सकें? भारत एवं भारत के बाहर कई ऐसे संत पुरुष हुए जिन्होंने इस समस्या के, मानवी जीवन के दु:ख की समस्या के, समाधान की खोज की। उन्होंने उपाय बताया- जब कोई अनचाही के होने पर मन में क्रोध, भय अथवा कोई अन्य विकार की प्रतिक्रिया आरंभ हो तो जितना जल्द हो सके उतना जल्द अपने मन को किसी और काम में लगा दो। उदाहरण के तौर पर, उठो, एक गिलास पानी लो और पानी पीना शुरू कर दो—आपका गुस्सा बढेगा नहीं, कम हो जायेगा। अथवा गिनती गिननी शुरू कर दो—एक, दो, तीन, चार। अथवा कोई शब्द या मंत्र या जप या जिसके प्रति तुम्हारे मन में श्रद्धा है ऐसे किसी देवता का या संत पुरुष का नाम जपना शुरू कर दो। मन किसी और काम में लग जाएगा और कुछ हद तक तुम विकारों से, क्रोध से मुक्त हो जाओगे। लेकिन यह उपाय केवल मानस के उपरी सतह पर ही काम करता है। वस्तुत: हमने विकारों को अंतर्मन की गहराईयों में दबा दिया, जहां उनका प्रजनन एवं संवर्धन चलता रहा। मानस के उपर शांति एवं सौमनस्यता का एक लेप लग गया लेकिन मानस की गहराइयों में दबे हुए विकारों का सुप्त ज्वालामुखी वैसा ही रहा, जो समय पाकर फूट पड़ेगा।

# आयुर्वेदिक उपायों से करें नकसीर का इलाज

गर्मी के दिनों में नाक से खून बहने की समस्या हममें से कई लोगों को परेशान करती है। इस समस्या को नकसीर के नाम से भी जाना जाता है।

**अगर** आपके नाक की एक तरफ से बिना चेतावनी के, खून बहने लगता है, तो वह मौसम, शारीरिक व्यायाम, छींकें, और सर्दी-जुकाम के कारण होता है। अगर आपकी उम्र 50 से अधिक है और आप अनवरत रूप से रक्तस्राव के शिकार हैं तो अपने रक्तचाप का परिक्षण कराएं, क्योंकि उच्च रक्तचाप रक्त पात्रों को हानि पहुंचाता है, जिससे प्रचुर मात्रा में रक्तस्राव होने लगता है।

## नकसीर के लक्षण और कारण

संक्रमण, उच्च रक्तचाप, रक्त को पतला करने की औषधि का सेवन करना, मदिरापान, नाक में हल्की सी चोट, नाक को ज़ोर लगाकर साफ करना, सर्दी-जुकाम या फ्लू, कोकेन का अधिक मात्रा में प्रयोग करना, साइनस संक्रमण वगैरह।

## लक्षण

एक या दोनों नथुनियों से रक्तस्राव, उनींदापन, नकसीर के कारण सदमा या असमंजस।

## नकसीर के आयुर्वेदिक उपचार

- फिटकरी के पाउडर को गाय के घी के साथ मिलाकर नोज ड्रॉप्स की तरह नाक में डालने से नकसीर को रोकने में सहायता मिलती है।
- थोड़ा सा कपूर, धनिए के पत्तों के रस में मिला दें और इस मिश्रण को नाक में डालें। इस मिश्रण को नाक में डालने से नाक से खून बहना जल्दी बंद हो जाता है।
- 20 ग्राम आंवले को पूरी रात पानी में सोख कर रखें, और सुबह उस पानी को छान कर पी लें और आमला की लेई को अपने माथे और नाक के आसपास मल दें। इससे भी नाक का खून रुकने में आपको काफी मदद मिलेगी।
- लाल चन्दन, मुलेठी, और नाग केसर को समान मात्रा में मिलाकर चूरा बना लें और उसमे से 3 ग्राम चूरा दूध के साथ लेने से भी आपको नकसीर में लाभ मिलेगा।
- अनार के सूखे पत्तों का चूरा बनाकर सूंघने से भी नाक से रक्त का बहना काफी हद तक रुक सकता है।
- आम की गुठली के रस को सूंघने से भी नकसीर में लाभ मिलता है।
- 2 ग्राम केले के पेड़ के पत्ते, 20 ग्राम क्रिस्टल शुगर और 1-1/2 लीटर पानी का मिश्रण दिन में एक बार पीने से गंभी से गम्भीर नकसीर में भी लाभ मिलता है।
- एक दो बूंदें नींबू का रस नथुने में डालने से भी नाक से रक्तस्राव काफी हद तक रुक जाता है।

## नकसीर के अन्य उपचार

- कुर्सी पर शांत रूप से बैठें और अपना सिर पीछे की तरफ न झुकाएं, और सामान्य स्थिति में रहने दें, ताकि रक्तस्राव गले के पीछे से नहीं बल्कि नाक से आसानी से हो सके।
- आइस पैक या आइस क्यूब नाक पर लगाने से भी रक्तस्राव को रोकने में सहायता मिलती है।
- अगर आप धूम्रपान के आदि हैं, तो उसे तुरंत रोक दें।
- शुष्क वातावरण में रहने से बचें। एयर कंडिशनर और एयर कूलर उत्तम होते हैं क्योंकि वे हवा में नमी को बनाए रखते हैं।
- गर्भनिरोधक गोलियों के प्रयोग में सावधानी बरतें, क्योंकि गलत गोलियों के प्रयोग से नाक से रक्तस्राव शुरू हो सकता है।
- एक ग्लास पानी में एक चुटकी नमक डाल दें और इस पानी को नाक में स्प्रे करें। ऐसा करने से नाक में से रक्तस्राव कम हो जाता है।
- जब नकसीर होता है तब यह पक्का कर लें आस पास का वातावरण शुष्क तो नहीं है। अगर है तो किसी अच्छे एयर ह्युमिडीफायर से वातावरण को नम रखें जिससे आपके नाक की कार्यशीलता हल्की हो जाएगी और नाक से रक्तस्राव नहीं होगा।
- नाक के बाहरी हिस्से पर आइस पैक लगाएं। यह बहुत ही सरल और असरदार तरीका है नाक से रक्तस्राव रोकने का।
- गीला तौलिया अपने सर पर रखने से भी नकसीर में लाभ मिलता है।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

संपादकीय

# बांग्लादेश की बचकानी हरकत

**बचकानी** हरकत देश की प्रतिष्ठा पत्रिका 'इंडिया टुडे' की एक रिपोर्ट के मुताबिक एक तरफ भारत जहां बांग्लादेश के साथ अपने वूटनीतिक संबन्धों को पटरी पर लाने का प्रयास कर रहा है, वहीं बांग्लादेश की सरकार अपने एक शहर बोगुरा में तुर्विए के सहयोग से ड्रोन की पैक्ट्री लगाने के लिए उत्सुक है। बोगुरा शहर सिलीगुड़ी कारीडोर से मात्र 75 से 120 किमी की दूरी पर है। भारत तुर्विए के शत्रु भाव से इसलिए सतर्व रहता है क्योंकि आपरेशन सिंदूर के वक्त उसने पाकिस्तान को ड्रोन देकर उसकी पूरी मदद की थी। दरअसल बांग्लादेश चाहता है कि भारत पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण के लिए उसके प्रस्ताव को मान ले। किन्तु भारत ने दो टूक इस बात को मानने से इन्कार कर दिया है कि अन्तर्राष्ट्रीय विधि के मुताबिक राजनीतिक आश्रय प्राप्त किसी भी राजनेता का प्रत्यर्पण संभव नहीं है। इसके लिए भारत और बांग्लादेश के बीच किसी भी संधि में इस बात का उल्लेख नहीं है कि दोनों देशों के किसी भी ऐसे नेता का प्रत्यर्पण किया जा सकता है जो राजनीतिक आश्रय प्राप्त किया हो। इसके अलावा भूराजनीतिक वूटनीतिक परिप्रेक्ष्य में भारत अपने रणनीतिक हितों के विपरीत जाकर पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का प्रत्यर्पण को अनुमति देने वाला नहीं है जब तक कि इस बात का पूरी तरह विश्वास न हो जाए कि उनके जीवन को कोई खतरा अब बांग्लादेश में नहीं है। भारतीय वूटनीतिक बातचीत में भारतीय नीति निर्धारकों ने बांग्लादेश के नेताओं को दो टूक जबाव दे दिया है कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना जब तक खुद नहीं जाना चाहेंगी, तब तक नई दिल्ली उनसे देश छोड़ने के लिए नहीं कहेगा। भारत यह भी जानता है कि बांग्लादेश ने तुर्विए के साथ ड्रोन निर्माण कम्पनी का ज्वाइंट वेंचर 2022 में ही डील कर चुका है और इसी तहत वह बायरक्तारा 82 ड्रोन का इस्तेमाल मौजूदा वक्त में कर भी रहा है। इसके अलावा बांग्लादेश की सेना के पास वर्तमान में टीआरजी-300 ड्रोन है भी। खबरों के मुताबिक उसी वक्त बांग्लादेश सरकार ने टीबी-2 एयर प्रेम पाट्र्स सेंसर हाउसिंग और ग्राउंड वंट्रोल माडूल को स्थानीय स्तर पर बनाने के लिए बातचीत कर रहा था, जिसमें तुर्किए के इंजीनियर बांग्लादेशी इंजीनियरों को प्रशिक्षित कर रहे थे। यही नहीं बांग्लादेश ने महत्वाकांक्षा पाल रखी थी कि वह तुर्विए के साथ ड्रोन निर्माण में उसी तरह धाक जमाएगा जैसा कि टेक्सटाइल के क्षेत्र में उसने प्रभाव जमा रखा है। उसकी महत्वाकांक्षा थी कि वह इन ड्रोनों को मुस्लिम देशों इंडोनेशिया और मलेशिया को बेचकर धन कमाएगा। वास्तविकता यह है कि बांग्लादेश की मौजूदा सरकार बीएनपी की है जो हमेशा भारत के खिलाफ रही है। बांग्लादेश में जितने भी भारत विरोधी खुराफात की घटनाएं हुईं हैं, वे सभी इसी पाटा की सरकार में हुईं है। इसके अलावा तुर्विए भारत के खिलाफ कोई भी अवसर छोड़ नहीं रहा है। वह अपने इस्लामिक सरदारी को चमकाने के लिए बांग्लादेश को मिलाकर भारत के खिलाफ षड्यंत्र करने से संकोच नहीं कर रहा है। यह दूसरी बात है कि साइप्रस को भारत पूर्ण सैन्य और वूटनीतिक समर्थन दे रहा है ताकि वह तुर्विए की सिरदर्दा बढ़ा सके। इस वक्त साइप्रस यूरोपीय यूनियन का अध्यक्ष भी है। भारत उसके प्रभाव का इस्तेमाल करके तुर्विए को सबक सिखाने का प्रयास कर रहा है। तुर्विए भले ही नाटो का सदस्य देश है किन्तु वह जहां भी अपना हित देखता है, रूस और चीन के सामने सहायता के लिए हाथ पैला देता है। अब बांग्लादेश को भारत के खिलाफ मजबूती से खड़ा करने के लिए वह चीन से भी समन्वय एवं सहयोग का प्रयास कर रहा है। बहरहाल भारत अपने पिद्दी पड़ोसी की हरकतों को किस तरह देखता है, यह तो हमारे नीति निर्धारक ही सुनिश्चित करेंगे किन्तु भारत पड़ोसी बांग्लादेश के प्रधानमंत्री के साथ बड़ी विनम्र वूटनीति का अभी व्यवहार कर रहा है और उम्मीद कर रहा है कि तारिक रहमान सरकार को सद्बुद्धि आ जाएगी और वे दूसरे देशों के बहकावे में आकर भारत से पंगा लेने की बचकानी हरकत छोड़ देंगे।

भारत तुर्विए के शत्रु भाव से इसलिए सतर्व रहता है क्योंकि आपरेशन सिंदूर के वक्त उसने पाकिस्तान को ड्रोन देकर उसकी पूरी मदद की थी। दरअसल बांग्लादेश चाहता है कि भारत पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण के लिए उसके प्रस्ताव को मान ले। किन्तु भारत ने दो टूक इस बात को मानने से इन्कार कर दिया है कि अन्तर्राष्ट्रीय विधि के मुताबिक राजनीतिक आश्रय प्राप्त किसी भी राजनेता का प्रत्यर्पण संभव नहीं है। इसके लिए भारत और बांग्लादेश के बीच किसी भी संधि में इस बात का उल्लेख नहीं है कि दोनों देशों के किसी भी ऐसे नेता का प्रत्यर्पण किया जा सकता है जो राजनीतिक आश्रय प्राप्त किया हो। इसके अलावा भूराजनीतिक वूटनीतिक परिप्रेक्ष्य में भारत अपने रणनीतिक हितों के विपरीत जाकर पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का प्रत्यर्पण को अनुमति देने वाला नहीं है जब तक कि इस बात का पूरी तरह विश्वास न हो जाए कि उनके जीवन को कोई खतरा अब बांग्लादेश में नहीं है। भारतीय वूटनीतिक बातचीत में भारतीय नीति निर्धारकों ने बांग्लादेश के नेताओं को दो टूक जबाव दे दिया है कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना जब तक खुद नहीं जाना चाहेंगी, तब तक नई दिल्ली उनसे देश छोड़ने के लिए नहीं कहेगा। भारत यह भी जानता है कि बांग्लादेश ने तुर्विए के साथ ड्रोन निर्माण कम्पनी का ज्वाइंट वेंचर 2022 में ही डील कर चुका है और इसी तहत वह बायरक्तारा 82 ड्रोन का इस्तेमाल मौजूदा वक्त में कर भी रहा है। इसके अलावा बांग्लादेश की सेना के पास वर्तमान में टीआरजी-300 ड्रोन है भी। खबरों के मुताबिक उसी वक्त बांग्लादेश सरकार ने टीबी-2 एयर प्रेम पाट्र्स सेंसर हाउसिंग और ग्राउंड वंट्रोल माडूल को स्थानीय स्तर पर बनाने के लिए बातचीत कर रहा था, जिसमें तुर्किए के इंजीनियर बांग्लादेशी इंजीनियरों को प्रशिक्षित कर रहे थे।

## निर्धारित सीमा से बाहर कौन-कौन से कब्जे हैं और उनके खिलाफ क्या कार्रवाई की गई

# रेहड़ी वाली पर कार्रवाई, शोरूमों पर भी नजर हो

**हिसार** में अतिक्रमण हटाने के नाम पर एक रेहड़ी वाली महिला का सामान फेंके जाने का दृश्य सामने आता है तो सवाल केवल एक महिला की रेहड़ी का नहीं रह जाता, बल्कि पूरे प्रशासनिक रवैये पर उठता है। शहर को अतिक्रमण मुक्त करना नगर निगम की जिम्मेदारी है और सार्वजनिक सड़कों, फुटपाथों तथा रास्तों पर कब्जे हटाए जाने चाहिए। लेकिन कानून की असली परीक्षा तब होती है, जब उसके सामने कोई प्रभावशाली व्यक्ति नहीं, बल्कि रोज कमाकर परिवार चलाने वाली गरीब महिला खड़ी हो। नियम सबके लिए समान हैं तो कार्रवाई का तरीका और पैमाना भी सबके लिए समान होना चाहिए। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई यदि जरूरी है तो वह दुकानदार, रेहड़ी वाला, शोरूम मालिक या किसी भी अन्य व्यक्ति के लिए समान रूप से होनी चाहिए। सड़क पर कुछ फीट तक सामान फैलाकर बैठी रेहड़ी को अतिक्रमण मानना उचित है तो दुकान के बाहर फुटपाथ और सड़क तक फैलाया गया सामान भी उसी कसौटी पर परखा जाना चाहिए। शोरूमों के बाहर लगे बड़े बोर्ड, अस्थायी ढांचे, सामान रखने के लिए घेरा गया स्थान और सड़क की सीमा तक फैला व्यापार भी शहर की सार्वजनिक जगह को प्रभावित करता है। सवाल यह नहीं कि किसके खिलाफ कार्रवाई हुई; सवाल यह है कि क्या हर अतिक्रमण के खिलाफ समान कार्रवाई हो रही है? गरीब की रेहड़ी दिखाई देना आसान है, लेकिन बड़े प्रतिष्ठानों का कब्जा अक्सर व्यवस्था की आंखों के सामने भी सामान्य मान लिया जाता है। यदि ऐसा कहीं हो रहा है तो यह प्रशासन की निष्पक्षता के लिए गंभीर प्रश्न है। नगर निगम को बाजारवार सर्वे कर यह सार्वजनिक करना चाहिए कि निर्धारित सीमा से बाहर कौन-कौन से कब्जे हैं और उनके खिलाफ क्या कार्रवाई की गई। इससे किसी भी कार्रवाई पर पक्षपात का सवाल उठने की गुंजाइश कम होगी। रेहड़ी-पटरी पर कारोबार करने वाले लोग शहर की अर्थव्यवस्था का भी हिस्सा हैं। सब्जी, फल, कपड़े, खाने-पीने की वस्तुएं या छोटे घरेलू सामान बेचने वाले अनेक लोग अपनी छोटी-सी पूंजी से परिवार चलाते हैं। इनमें बड़ी संख्या महिलाओं की भी है। उनके लिए रेहड़ी केवल व्यापार का साधन नहीं, बल्कि घर की आय का महत्वपूर्ण स्रोत होती है। इसलिए यदि कोई रेहड़ी निर्धारित स्थान पर नहीं लग सकती तो उसे हटाने से पहले नियमों के अनुरूप वैकल्पिक व्यवस्था की दिशा में भी सोचना चाहिए। हरियाणा में स्ट्रीट वेंडरों के लिए कानूनी व्यवस्था मौजूद है। सर्वे, पंजीकरण, वेंडिंग जोन और टाउन वेंडिंग कमेटी जैसी व्यवस्थाओं का उद्देश्य यही है कि सड़क किनारे होने वाले छोटे कारोबार को पूरी तरह अनियंत्रित भी न छोड़ा जाए और गरीब विक्रेताओं की आजीविका भी अनावश्यक रूप से न छीनी जाए। इसलिए प्रशासन को अतिक्रमण और वैध स्ट्रीट वेंडिंग के बीच स्पष्ट अंतर करना होगा। सबसे महत्वपूर्ण बात है व्यवहार की भाषा। नियम तोड़े जाने पर सामान हटाया जा सकता है, चालान किया जा सकता है और कानून के अनुसार जब्ती की प्रक्रिया अपनाई जा सकती है। लेकिन किसी महिला के साथ अपमानजनक भाषा, धक्का-मुक्की या अमानवीय व्यवहार किसी भी स्थिति में उचित नहीं ठहराया जा सकता। प्रशासनिक अधिकार नागरिक के सम्मान से बड़ा नहीं हो सकता। यदि सामने आए वीडियो में दिखाई दे रहा व्यवहार वास्तविक घटना का हिस्सा है, तो पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। वीडियो के एक हिस्से के आधार पर अंतिम निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा, लेकिन वीडियो सामने आने के बाद जांच से बचना भी उचित नहीं होगा। नगर निगम को यह स्पष्ट करना चाहिए कि उस दिन क्या कार्रवाई हुई, किस अधिकारी या कर्मचारी की ड्यूटी थी, महिला को पहले कोई सूचना दी गई थी या नहीं, सामान जब्त करने की क्या प्रक्रिया अपनाई गई और बाद में उसे सामान वापस लेने का अवसर दिया गया या नहीं। यदि जांच में किसी अधिकारी या कर्मचारी द्वारा नियमों का उल्लंघन या अभद्र व्यवहार सिद्ध होता है तो जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। कार्रवाई का उद्देश्य अधिकारियों का मनोबल गिराना नहीं, बल्कि प्रशासनिक अधिकारों के जिम्मेदार इस्तेमाल का संदेश देना होना चाहिए। जिस प्रकार अतिक्रमण करने वाले से नियमों का पालन अपेक्षित है, उसी प्रकार कार्रवाई करने वाले अधिकारी से भी कानून और मर्यादा का पालन अपेक्षित है। सवाल यह भी है कि क्या अतिक्रमण हटाने के अभियान की शुरुआत केवल छोटी रेहड़ियों से होनी चाहिए? यदि शहर को वास्तव में व्यवस्थित करना है तो नगर निगम को एक व्यापक और पारदर्शी अभियान चलाना चाहिए। फुटपाथों पर बने स्थायी-अस्थायी कब्जे, दुकानों के बाहर फैला सामान, सड़क तक निकले बोर्ड, अस्थायी निर्माण और अन्य व्यावसायिक अतिक्रमण—सबकी एक समान जांच हो। कार्रवाई की जानकारी सार्वजनिक की जाए ताकि नागरिकों को भी पता चले कि नियम केवल कमजोर पर लागू नहीं होते। शहर की सुंदरता का अर्थ केवल चमकते शोरूम नहीं है। जिस फुटपाथ पर किसी बड़े ब्रांड का सामान फैलता है, वह भी जनता का है और जिस फुटपाथ पर कोई गरीब महिला छोटी-सी रेहड़ी लगाती है, वह भी जनता का है। सार्वजनिक स्थान पर अधिकार का निर्धारण आर्थिक हैसियत से नहीं, कानून से होना चाहिए। नगर निगम चाहे तो इस पूरे विवाद को एक अवसर में बदल सकता है। शहर के सभी बाजारों का डिजिटल सर्वे कराया जाए। प्रत्येक दुकान और शोरूम की स्वीकृत सीमा स्पष्ट की जाए। रेहड़ी-पटरी वालों के लिए निर्धारित वेंडिंग जोन बनाए जाएं। पैदल यात्रियों के लिए फुटपाथ खाली रखे जाएं। नियमों का उल्लंघन करने वालों को पहले स्पष्ट सूचना दी जाए और फिर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार कार्रवाई हो। महिलाओं और कमजोर वर्गों के मामलों में मानवीय व्यवहार सुनिश्चित किया जाए। अतिक्रमण हटाना जरूरी है, लेकिन अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया स्वयं अन्याय का कारण नहीं बननी चाहिए। शहर में व्यवस्था चाहिए, मगर ऐसी व्यवस्था नहीं जिसमें गरीब की रोजी सड़क पर बिखरी दिखाई दे और बड़े कब्जे नजरअंदाज होते रहें। हिसार प्रशासन और नगर निगम को यह संदेश स्पष्ट रूप से देना चाहिए कि कानून की नजर में रेहड़ी और शोरूम अलग-अलग नागरिक नहीं हैं। नियम अलग-अलग नहीं हो सकते। यदि किसी गरीब महिला से गलती हुई है तो उसे कानून के अनुसार समझाया और दंडित किया जा सकता है; लेकिन उसका अपमान नहीं किया जा सकता। और यदि किसी बड़े प्रतिष्ठान ने सार्वजनिक स्थान पर कब्जा किया है तो उसके खिलाफ भी वही दृढ़ता दिखाई जानी चाहिए।

शहर को अतिक्रमण मुक्त करना नगर निगम की जिम्मेदारी है और सार्वजनिक सड़कों, फुटपाथों तथा रास्तों पर कब्जे हटाए जाने चाहिए। लेकिन कानून की असली परीक्षा तब होती है, जब उसके सामने कोई प्रभावशाली व्यक्ति नहीं, बल्कि रोज कमाकर परिवार चलाने वाली गरीब महिला खड़ी हो। नियम सबके लिए समान हैं तो कार्रवाई का तरीका और पैमाना भी सबके लिए समान होना चाहिए। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई यदि जरूरी है तो वह दुकानदार, रेहड़ी वाला, शोरूम मालिक या किसी भी अन्य व्यक्ति के लिए समान रूप से होनी चाहिए। सड़क पर कुछ फीट तक सामान फैलाकर बैठी रेहड़ी को अतिक्रमण मानना उचित है तो दुकान के बाहर फुटपाथ और सड़क तक फैलाया गया सामान भी उसी कसौटी पर परखा जाना चाहिए। शोरूमों के बाहर लगे बड़े बोर्ड, अस्थायी ढांचे, सामान रखने के लिए घेरा गया स्थान और सड़क की सीमा तक फैला व्यापार भी शहर की सार्वजनिक जगह को प्रभावित करता है।

देश दुनिया से

# वृत्रिम बुद्धिमत्ता और जनसंपर्व: अवसर ज्यादा या चुनौती?

**भविष्य** में शायद यह पूछना कम महत्वपूर्ण होगा कि कोई संदेश मनुष्य ने लिखा या मशीन ने। ज्यादा महत्वपूर्ण यह होगा कि क्या वह संदेश सही था, प्रासंगिक था, संवेदनशील था और उस पर भरोसा किया जा सकता था। क्योंकि वृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में जब शब्दों की कोई कमी नहीं होगी तब जनसंपर्व की सबसे बड़ी ताकत शायद वही होगी जो हमेशा से रही है विश्वसनीय संवाद। 88 प्रतिशत। 70 प्रतिशत। 80 प्रतिशत से अधिक। ये आंकड़े केवल वृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते इस्तेमाल की कहानी नहीं बताते बल्कि उस बदलाव की ओर संकेत करते हैं जो काम करने, सोचने और संवाद करने के हमारे तरीके को बदल रहा है। स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय की 2026 की वृत्रिम बुद्धिमत्ता सूचकांक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2025 में सर्वेक्षण में शामिल 88 प्रतिशत संगठनों ने कम से कम एक व्यावसायिक कार्य में वृत्रिम बुद्धिमत्ता का इस्तेमाल किया जबकि 70 प्रतिशत संगठनों ने जनरेटिव वृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग किया। भारत में कार्यस्थल पर वृत्रिम बुद्धिमत्ता का इस्तेमाल करने वाले कर्मचारियों का हिस्सा 80 प्रतिशत से अधिक रहा। इन आंकड़ों के बीच जनसंपर्व की दुनिया भी तेजी से बदल रही है। सवाल अब केवल यह नहीं है कि किसी संस्था की सूचना जनता तक कितनी जल्दी पहुंचती है। असली सवाल यह है कि जब मशीन वुछ ही सेवंड में हजारों शब्द तैयार कर सकती है तब जनसंपर्व की असली कीमत क्या रह जाएगी? शायद इसका उत्तर पहले से कहीं अधिक स्पष्ट है विश्वास। जनसंपर्व मूल रूप से संस्था और समाज के बीच संवाद की प्राथि है। सरकार और नागरिक, वंपनी और ग्राहक, विश्वविद्यालय और विद्यार्था, अस्पताल और मरीज, मीडिया और संस्था, सार्वजनिक उपाम और समुदाय। हर जगह जनसंपर्व का उद्देश्य केवल सूचना देना नहीं बल्कि समझ, विश्वसनीयता और संबंध बनाना है। वृत्रिम बुद्धिमत्ता इस पूरी प्राथि को तेज और अधिक व्यापक बना सकती है लेकिन इसके मानवीय आधार को समाप्त नहीं कर सकती। आज एक जनसंपर्व अधिकारी वुछ ही मिनटों में किसी सूचना के कई प्रारूप तैयार कर सकता है। प्रेस विज्ञप्ति, भाषण, प्रश्नोत्तर, सामाजिक माध्यमों की सामग्री, समाचार-पत्र के लिए संक्षिप्त संस्करण, वीडियो की पटकथा और विभिन्न भाषाओं में अनुवाद। वृत्रिम बुद्धिमत्ता इन कार्यों में काफी समय बचा सकती है। बड़े दस्तावेजों से महत्वपूर्ण तथ्य निकालना, आंकड़ों का विश्लेषण करना और संभावित सवालों की पहचान करना भी आसान हो गया है। लेकिन यही सुविधा एक नईं चुनौती भी पैदा करती है। जब सामग्री बनाना आसान हो जाए तो गलत सामग्री भी उतनी ही तेजी से बन सकती है। स्टैनफोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में वृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़े दर्ज घटनाओं की संख्या 362 रही जबकि 2024 में यह 233 थी। भारत में 2024 से 2025 के बीच वृत्रिम बुद्धिमत्ता को लेकर चिता में 14 प्रतिशत अंकों की वृद्धि दर्ज की गईं। इसका अर्थ यह है कि तकनीक का विस्तार जितनी तेजी से हो रहा है उतनी ही तेजी से उसके उपयोग को लेकर भरोसे और जिम्मेदारी के सवाल भी सामने आ रहे हैं। जनसंपर्व के लिए यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। किसी संस्था की प्रतिष्ठा वर्षो में बनती है लेकिन एक गलत सूचना, गलत आंकड़ा या असंवेदनशील संदेश उसे वुछ ही घंटों में प्रभावित कर सकता है। वृत्रिम बुद्धिमत्ता द्वारा तैयार सामग्री इसलिए अंतिम सामग्री नहीं बल्कि एक प्रारूप हो सकती है। तथ्य-जांच, संदर्भ की पुष्टि और अंतिम निर्णय की जिम्मेदारी मनुष्य की ही रहनी चाहिए। संकट संचार में वृत्रिम बुद्धिमत्ता की भूमिका और महत्वपूर्ण हो सकती है। प्रावृतिक आपदा, औद्योगिक दुर्घटना, साइबर हमला, उत्पाद संबंधी विवाद, अफवाह या किसी सार्वजनिक घटना के दौरान संस्थाओं को मिनटों में प्रतिव्रिया देनी पड़ती है। वृत्रिम बुद्धिमत्ता उपलब्ध सूचनाओं को व्यवस्थित कर सकती है, संभावित सवालों की पहचान कर सकती है और अलग-अलग समूहों के लिए संदेश तैयार करने में मदद कर सकती है। लेकिन संकट के समय कौन सी बात कही जाए और कौन सी बात न कही जाए, यह निर्णय केवल तकनीकी गणना से नहीं हो सकता। वहां संवेदनशीलता, विवेक और मानवीय समझ जरूरी है। मीडिया और सामाजिक माध्यमों ने इस चुनौती को और जटिल बनाया है। पहले सूचना का प्रवाह अपेक्षावृत नियंत्रित था। आज कोई भी व्यक्ति सूचना का निर्माता और प्रसारक बन सकता है। वृत्रिम बुद्धिमत्ता ने इस क्षमता को और बढ़ा दिया है। एक ही घटना पर वुछ ही समय में हजारों शब्द, तस्वीरें, वीडियो और संदेश तैयार हो सकते हैं। ऐसे माहौल में जनसंपर्व की भूमिका सूचना जारी करने वाले विभाग से आगे बढ़कर सूचना की विश्वसनीयता के संरक्षक की हो जाती है। यहीं वृत्रिम बुद्धिमत्ता और जनसंपर्व का सबसे महत्वपूर्ण संबंध दिखाईं देता है। आने वाले समय में सफल जनसंपर्व केवल इस बात से तय नहीं होगा कि संस्था कितनी सामग्री तैयार करती है बल्कि इस बात से भी तय होगा कि वह डिजिटल शोर के बीच कितनी विश्वसनीय आवाज बन पाती है। भारत में डिजिटल परिवर्तन इस बदलाव को और व्यापक बना रहा है। डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, ऑनलाइन सरकारी सेवाएं, डिजिटल भुगतान, सामाजिक माध्यम, वृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सेवाएं और बहुभाषी डिजिटल सामग्री ने सरकार और नागरिकों के बीच संवाद के तरीके को बदल दिया है। स्वास्थ्य क्षेत्र में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत सितंबर 2026 तक 97.61 करोड़ से अधिक स्वास्थ्य खाते और 119.95 करोड़ से अधिक जुड़े स्वास्थ्य अभिलेख इसका एक उदाहरण हैं। इसी तरह ई-संजीवनी पर 50 करोड़ से अधिक दूरस्थ चिकित्सकीय परामर्श इस बात का संकेत देते हैं कि डिजिटल संवाद अब जीवन के महत्वपूर्ण क्षेत्रों का हिस्सा बन चुका है। लेकिन वृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रभाव केवल सरकारी संस्थानों या स्वास्थ्य सेवाओं तक सीमित नहीं है।

आप का नज़रिया

# रूढ़ियों को धूल चटाकर स्वर्ण छीनने वालीं..

**नागोया** में भारतीय बेटियों ने स्वर्णिम सफलताओं से ऐसा इतिहास रचा, जिसकी गूंज पदकों की खनक से कहीं आगे तक सुनाई देती है। हॉकी के मैदान पर निर्णायक गोल, शूटिंग रेंज में अचूक निशाना और गोल्फ कोर्स पर असाधारण कौशल ने एशियाई खेलों में भारत की महिला शक्ति का नया अध्याय खोल दिया। लालरेमसियामी, नीरू धांदा और प्रणवी उर्स की उपलब्धियां महज खेल विजय नहीं, बल्कि उन सपनों की शानदार परिणति हैं, जो सामाजिक रूढ़ियों और अवसरों के अभाव के बीच भी पलते रहे। इन बेटियों ने अपने दमखम, दृढ़ संकल्प और बेजोड़ प्रतिभा से साबित कर दिया कि भारतीय महिलाएं अब केवल संभावनाओं की प्रतीक नहीं, बल्कि हर चुनौती को भेदकर इतिहास रचने वाली शक्ति हैं। चार दशक से अधिक की कसक को भारतीय महिला हॉकी टीम ने चीन के खिलाफ ऐतिहासिक गोल से स्वर्णिम विजय में बदल दिया। एशियन गेम्स के फाइनल में 1-0 की जीत के साथ भारत ने 1982 के बाद पहली बार हॉकी का स्वर्ण हासिल किया। दसवें मिनट में लालरेमसियामी के टॉमहॉक शॉट ने चीन की रक्षापंक्ति को भेदकर भारत को निर्णायक बढ़त दिलाई। इसके बाद चीन ने बराबरी के लिए पूरी ताकत झोंक दी, लेकिन गोलकीपर सविता पूनिया की शानदार सेव्स और रक्षापंक्ति की मुस्तैदी ने उसके हर वार को नाकाम कर दिया। भारतीय खिलाड़ियों का अनुशासन, तालमेल और आखिरी दम तक संघर्ष इस जीत की असली ताकत बना। इस कामयाबी ने 44 वर्षों का इंतजार खत्म करने के साथ भारत के लिए 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक का सीधा टिकट भी पक्का कर दिया। नीरू धांदा ने ट्रैप शूटिंग में स्वर्ण जीतकर भारतीय खेल इतिहास में नया कीर्तिमान रच दिया। एशियन गेम्स की व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण हासिल करने वाली वे पहली भारतीय महिला बनीं। अटूट एकाग्रता, मानसिक दृढ़ता और अचूक निशाने के दम पर उन्होंने वर्षों की साधना को ऐतिहासिक सफलता में बदला। शूटिंग में जरा-सी चूक भी जीत छीन सकती है, लेकिन नीरू ने साबित किया कि लक्ष्य पर नजर के साथ मन पर नियंत्रण भी जरूरी है। उनकी उपलब्धि गांवों और छोटे शहरों में सीमित संसाधनों के बीच बड़े सपने देखने वाली हजारों लड़कियों के लिए प्रेरणा है। उन्होंने दिखाया कि दृढ़ संकल्प और अवसर से कठिन से कठिन लक्ष्य भी हासिल किया जा सकता है। गोल्फ के मैदान पर प्रणवी उर्स ने अपने धैर्य, कौशल और एकाग्रता से भारतीय खेल इतिहास में स्वर्णिम अध्याय जोड़ दिया। एशियन गेम्स की व्यक्तिगत स्ट्रोक प्ले स्पर्धा में स्वर्ण जीतकर वे यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। हर शॉट में तकनीक, परिस्थितियों के आकलन और रणनीति की कसौटी पर खरी उतरते हुए प्रणवी ने प्रतिद्वंद्वियों को पीछे छोड़ दिया। उनके प्रदर्शन ने साबित किया कि गोल्फ में ताकत से अधिक सूझबूझ, धैर्य और आत्मसंयम मायने रखते हैं। उनकी जीत ने इस धारणा को भी तोड़ा कि गोल्फ कुछ खास वर्गों तक सीमित खेल है। प्रणवी की यह उपलब्धि उन युवतियों के लिए नई राह है, जो गोल्फ में अपना भविष्य तलाश रही हैं। स्वर्णिम सफलताओं की यह लहर तीरंदाजी से मुक्केबाजी तक पहुंची। अंकिता भकत, कीर्ति शर्मा और कुमकुम मोहोद की रिकर्व टीम ने दक्षिण कोरिया को 5-3 से हराकर पहली बार एशियन गेम्स का स्वर्ण जीता। कुमकुम ने व्यक्तिगत रिकर्व स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। मुक्केबाजी में लवलीना बोरगोहेन ने अपने जन्मदिन पर 75 किलोग्राम वर्ग में चीन की बाओ जियी को 5-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता, जबकि परवीन हुड्डा ने 65 किलोग्राम वर्ग में चीनी ताइपेई की चेन निएन-चिन को 3-2 से हराकर खिताब पक्का किया। इन जीतों में अचूक निशाने, दमदार मुक्कों और दबाव में फैसले लेने के कौशल की झलक दिखी। इन उपलब्धियों ने साबित किया कि भारतीय बेटियां तीरंदाजी से मुक्केबाजी तक हर खेल में अपनी प्रतिभा और परिश्रम से पहचान बना रही हैं। मैदान पर चमकते पदकों के पीछे वर्षों की मेहनत और मजबूत खेल व्यवस्था की भूमिका है।

चार दशक से अधिक की कसक को भारतीय महिला हॉकी टीम ने चीन के खिलाफ ऐतिहासिक गोल से स्वर्णिम विजय में बदल दिया। एशियन गेम्स के फाइनल में 1-0 की जीत के साथ भारत ने 1982 के बाद पहली बार हॉकी का स्वर्ण हासिल किया। दसवें मिनट में लालरेमसियामी के टॉमहॉक शॉट ने चीन की रक्षापंक्ति को भेदकर भारत को निर्णायक बढ़त दिलाई। इसके बाद चीन ने बराबरी के लिए पूरी ताकत झोंक दी, लेकिन गोलकीपर सविता पूनिया की शानदार सेव्स और रक्षापंक्ति की मुस्तैदी ने उसके हर वार को नाकाम कर दिया। भारतीय खिलाड़ियों का अनुशासन, तालमेल और आखिरी दम तक संघर्ष इस जीत की असली ताकत बना। इस कामयाबी ने 44 वर्षों का इंतजार खत्म करने के साथ भारत के लिए 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक का सीधा टिकट भी पक्का कर दिया। नीरू धांदा ने ट्रैप शूटिंग में स्वर्ण जीतकर भारतीय खेल इतिहास में नया कीर्तिमान रच दिया। एशियन गेम्स की व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण हासिल करने वाली वे पहली भारतीय महिला बनीं। अटूट एकाग्रता, मानसिक दृढ़ता और अचूक निशाने के दम पर उन्होंने वर्षों की साधना को ऐतिहासिक सफलता में बदला। शूटिंग में जरा-सी चूक भी जीत छीन सकती है, लेकिन नीरू ने साबित किया कि लक्ष्य पर नजर के साथ मन पर नियंत्रण भी जरूरी है।

कुछ अलग

# पश्चाताप का दंड

**दिल्ली** की एक अदालत में कमरा भीड़ से खचाखच भरा था। न्यायाधीश की किसी व्यवस्था से क्षुब्ध होकर अपराधी ने अपनी चप्पल उतारी और निशाना साधकर न्यायाधीश की ओर उछाली। क्षण भर में अदालत में सन्नाटा छा गया। वहां उपस्थित लोगों और पुलिस अधिकारियों के चेहरे क्रोध से तमतमा उठे। कुछ सिपाही अभियुक्त की ओर बढ़े। तभी न्यायाधीश ने उन्हें रोककर कहा, 'इसे कुछ मत कहिए। न इसे पीटिए। अपने किये पर यह खुद पश्चाताप करेगा। आत्म-ग्लानि ही इसके लिए सबसे बड़ा दंड होगा।' सिपाहियों के बढ़ते कदम रुक गए। अभियुक्त के मन में भीषण संघर्ष चल रहा था। सुनवाई खत्म हो चुकी थी। सिपाही ने अभियुक्त को ले जाने के लिए उसका हाथ पकड़ा। पर अभियुक्त ने क्रोध से उसका हाथ झटक दिया। लोग एक बार फिर सकते में आ गये। पर अगले ही क्षण अभियुक्त ने न्यायाधीश के सामने लगी लकड़ी की रेलिंग पर बार-बार अपना सिर पटकना शुरू कर दिया।

दृष्टि कोण

# दलित उत्थान का योद्धा जिसे गलत समझा गया

**जोगेंद्र** नाथ मंडल भारत के बंटवारे के पक्ष में नहीं थे लेकिन उन्होंने यह महसूस किया कि ऊंची जाति के हिंदू सवर्णो के बीच रहने से शूद्रों की स्थिति में सुधार नहीं हो सकता और उनके लिए पाकिस्तान एक बेहतर विकल्प हो सकता है। बसंत वुमार जहां देश 2 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती मना रहा है वही डॉ. आंबेडकर के समकालीन और दलित समाज के कल्याण के लिए सर्मपित रहने वाले जोगेंद्र नाथ मंडल की पुण्यतिथि 5 अक्टूबर को है पर देश में सनातनियों की एक ऐसी जमात आ गईं है जो महात्मा गांधी के योगदान को स्वीकार करने के बजाय उनके हत्यारे नाथु राम गोडसे का गुणगान करते है और जोगेंद्र नाथ मंडल को दलितों का मसीहा मानने के बजाय देश का गद्दार कहते हैं। वे ये भूल जाते हैं कि संविधान सभा के लिए हो रहे परिषद के चुनावों में डॉ. आंबेडकर बॉम्बे से चुनाव हार गए तो जोगेंद्र नाथ मंडल ने अपने प्रभाव वाले क्षेत्र बंगाल से चुनाव लड़वाकर मुस्लिम लीग के सपोर्ट से जितवाया न होता तो डॉ. आंबेडकर संविधान सभा के सदस्य न बन पाते और यह देश डॉ. आंबेडकर की सेवाओं से वंचित रह जाता, इसलिए जोगेंद्र नाथ मंडल को सही रूप में जानने की आवश्यकता है। जोगेंद्र नाथ मंडल बंगाल के दलित समुदाय के प्रभावशाली नेता थे, वे भारत के बंटवारे से पहले बंगाल की राजनीति में उनके लिये ब्रिटिश उपनिवेश वाद से छुटकारा पाना एक मुद्दा नहीं था, बल्कि उससे ज्यादा महत्वपूर्ण बंगाल में जमींदारी की चक्की में पिसने वाले किसानों का था जिनमें मुसलमान और दलित थे। जमींदारो में अधिकांश हिदू ब्रा्रण, कायस्थ थे जिन्हें वहां की स्थनीय भाषा में भद्र लोक कहा जाता था। अविभाजित बंगाल में वुल जन संख्या 5 करोड़ 10 लाख थी, इनमें 80 लाख दलितों समेत हिदुओं की वुल आबादी लगभग दो करोड़ बीस लाख थी और मुसलमानों की संख्या लगभग दो करोड़ 80 लाख थी और उच्च जाति के हिदुओं यानि भद्र लोक की संख्या लगभग तीस लाख थी। इस प्रकार बंगाल में मुसलमानों की संख्या 4 और उसके बाद दलित 16 और उसके बाद हिदू धर्म ब्रा्रण कायस्थ ईंसाईं और अन्य धर्म मानने वाले थे। उन्होंने बटवारे से पहले की राजनीति में दलितों को मुसलमानों के साथ जोड़ा था और नामशूद्र जिसके जोगेंद्र नाथ मंडल स्वयं थे, 1930 के दशक से ही मुस्लिम लीग के मजबूत सहयोगी बन गए थे। पाकिस्तान की संविधान सभा सभा की पहली बैठक 11 अगस्त 1947 को हुईं और पाकिस्तान कि औपचारिक स्वतंत्रता से तीन दिन पहले यानि 14 अगस्त को मुस्लिम लीग दलित के साथ संबंधों को एक सांचे में ढाल चुकी थी। जोगेंद्र नाथ मंडल भारत के बंटवारे के पक्ष में नहीं थे लेकिन उन्होंने यह महसूस किया कि ऊंची जाति के हिदू सवर्णो के बीच रहने से शूद्रों की स्थिति में सुधार नहीं हो सकता और उनके लिए पाकिस्तान एक बेहतर विकल्प हो सकता है। जब उन्होंने मोहम्मद अली जिन्ना के पूर्व सहयोग के आश्वासन के बाद पाकिस्तान जाने का पैसला किया तो उन्हें उनके सहयोगी उनके मार्गदर्शक डॉ. आंबेडकर ने चेताया था, पर बंगाल में भदलोक के लोगो द्वारा नाम शुद्रो की दयनीय स्थिति इतनी बुरी तरह घर कर गईं थी कि वे डॉ. आंबेडकर की चेतावनी को अनदेखा करने करने के लिए विवश हो गए। पर ऐसा क्या संयोग था कि डॉ. आंबेडकर आजाद भारत के पहले कानून मंत्री बने और जोगेंद्र नाथ मंडल पाकिस्तान के पहले कानून मंत्री बने दोनों ने अपने अपने देशों का संविधान लिखा पर दोनों को वुछ वर्षो में अपने अपने पदों से इस्तीफा देना पड़ा। मंडल पाकिस्तान में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री को त्याग पत्र देकर भारत आ गए और डॉ. आंबेडकर ने लड़कियों के लिए लड़कों की भांति अपने पिता के संपत्ति के विरासत के प्रस्ताव के न लागू किए जाने के अस्वीकार करने के विरोध में अपने पद से इस्तीफा दे दिया।

# विश्व कप 2027 में हार्दिक पंड्या अहम, सौरव गांगुली ने बताया टीम संतुलन का बड़ा आधार

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने 2027 के वनडे विश्व कप को लेकर टीम इंडिया के संयोजन पर अहम बात कही है। गांगुली के मुताबिक आलराउंडर हार्दिक पंड्या टीम के संतुलन के लिए बेहद महत्वपूर्ण होंगे और उन्हें विश्व कप तक फिट व मैच के लिए तैयार रखना मुख्य कोच गौतम गंभीर तथा टीम प्रबंधन के सामने बड़ी चुनौती होगी।

आईसीसी के कार्यक्रम के अनुसार 2027 का विश्व कप दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में 2 अक्टूबर से 21 नवंबर तक खेला जाएगा। हार्दिक पंड्या भारत की ओर से 2019 और 2023 वनडे विश्व कप खेल चुके हैं। 2023 विश्व कप में बांग्लादेश के खिलाफ पुणे में मुकाबले के दौरान उन्हें टखने में चोट लगी थी, जिसके कारण वह आगे के टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे।

गांगुली का मानना है कि हार्दिक की मौजूदगी से भारत को बल्लेबाजी के साथ अतिरिक्त गेंदबाजी विकल्प भी मिलता है और दक्षिण अफ्रीका की परिस्थितियों में यह टीम संयोजन के लिहाज से महत्वपूर्ण हो सकता है। गांगुली ने कहा कि हार्दिक के चोटिल होने की स्थिति में नितीश कुमार रेड्डी विकल्प हो सकते हैं, लेकिन इसके लिए उन्हें विश्व कप से पहले लगातार वनडे क्रिकेट खेलना होगा।

उन्होंने रवींद्र जडेजा को भी एक विकल्प बताया। गांगुली के अनुसार दक्षिण अफ्रीका में अक्टूबर के दौरान टीम को सीम गेंदबाजी करने वाले आलराउंडर की जरूरत पड़ सकती है, क्योंकि भारत के शीर्ष पांच बल्लेबाजों में नियमित गेंदबाजी विकल्प सीमित हैं। ऐसे में पांचवें या छठे गेंदबाजी विकल्प के लिए टीम प्रबंधन को सही खिलाड़ी तलाशना होगा। 2027 विश्व कप के कार्यक्रम के अनुसार भारत अपने अभियान की शुरुआत 7 अक्टूबर को केपटाउन में आस्ट्रेलिया के खिलाफ करेगा। इसके बाद 10 अक्टूबर को जोहान्सबर्ग में भारत और पाकिस्तान का मुकाबला होगा। भारत 14 अक्टूबर को अफगानिस्तान, 17 अक्टूबर को क्वालिफायर ए और 24 अक्टूबर को जिम्बाब्वे से खेलेगा। गांगुली ने भारत के आस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरुआती मुकाबले को लेकर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि बड़े मुकाबले से शुरुआत होने पर टीम को शुरुआत से ही मजबूत संयोजन के साथ उतरने का मौका मिलेगा। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका को भी मौजूदा समय की मजबूत टीमों में शामिल बताया और वहां होने वाले विश्व कप में दर्शकों के उत्साह को लेकर सकारात्मक बात कही।

## न्यूज ब्रीफ

### वैभव सूर्यवंशी ने रचा इतिहासः एशियाई खेलों में सबसे कम उम्र में स्वर्ण पदक जीतने वाले भारतीय बने

**नगोया।** भारतीय क्रिकेट टीम के 15 साल के बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी एशियाई खेलों में सबसे कम उम्र में स्वर्ण

पदक जीतने वाले भारतीय टीम के सदस्य बने है। इसी के साथ ही वैभव ने निशानेबाज सौरभ चौधरी के 2018 जकार्ता एशियाई खेलों में बनाए गए सबसे कम उम्र में स्वर्ण जीतने के रिकार्ड को भी तोड़ दिया। सौरभ ने तब 16 साल, 3 महीने और 9 दिन की उम्र में स्वर्ण पदक जीता था, जबकि वैभव ने 15 साल, 6 महीने और 6 दिन की उम्र में उपलब्धि हासिल की है। पुरुष टी20 क्रिकेट फाइनल में भारतीय टीम ने एक रोमांचक मुकाबले में पाकिस्तान को 19 रनों से हरा दिया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तय ओवरों में 211 रनों का विशाल स्कोर बनाया, जिसमें वैभव सूर्यवंशी ने केवल 9 गेंदों पर ही 15 रनों की अहम पारी खेली, जिसमें दो शानदार छक्के शामिल थे। भारतीय पारी को आगे बढ़ाते हुए अभिषेक ने केवल 28 गेंदों पर 61 रनों की आक्रामक पारी खेली, जबकि तिलक वर्मा ने सिर्फ 22 गेंदों पर नाबाद 51 रन बनाकर स्कोर को विशाल स्तर तक पहुंचाया। इसके बाद पाक टीम हसन नवाज के 51 गेंदों पर 96 रनों की तेज पारी के बाद भी 192 रन ही बना सकी और भारतीय गेंदबाजों ने दबाव में संयम बनाए रखते हुए 19 रनों से मुकाबला जीतकर टीक को स्वर्ण जिताया। एशियाई खेलों में देश के लिए सबसे कम उम्र में स्वर्ण पदक जीतने वाले अन्य भारतीय खिलाड़ियों की सूची में भी कुछ युवा प्रतिभाएं शामिल हैं। वैभव ने 15 साल, 6 महीने और 7 दिन (लगभग) की उम्र में 2026 ऐची-नागोया एशियाई खेलों में स्वर्ण जीता।

### एबी डिविलियर्स को उम्मीदः 2027 विश्व कप दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट की नई पीढ़ी को प्रेरित करेगा

**नई दिल्ली।** दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स को उम्मीद है कि 2027 पुरुष वनडे विश्व

कप, जिसे दक्षिण अफ्रीका जिम्बाब्वे और नामीबिया के साथ मिलकर होस्ट करेगा, देश के क्रिकेटरों की एक नई पीढ़ी को प्रेरित करेगा। उन्होंने बताया कि कैसे 2003 में देश में हुए एडिशन ने 19 साल की उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने की चाहत रखने वाले उनके शुरुआती सफर को आकार दिया था। दक्षिण अफ्रीका 2 अक्टूबर से 21 नवंबर, 2027 तक 50 ओवर के इस मेगा इवेंट की सह-मेजबानी करेगा। डिविलियर्स ने एक विशेष चैट में बताया, 2003 वर्ल्ड कप ने मेरे करियर में बहुत बड़ा रोल निभाया। मुझे याद है कि यूनिवर्सिटी आफ प्रिटोरिया में एक क्रिकेटिंग क्लिनिक में एडम गिलक्रिस्ट ने मेरी विकेटकीपिंग स्किल्स पर काम किया था। तीन साल बाद, मैंने उनके खिलाफ टेस्ट मैच और वनडे क्रिकेट खेला। उन्होंने आशा व्यक्त की कि 2027 वर्ल्ड कप का भी दक्षिण अफ्रीका के युवाओं पर वैसा ही असर पड़ेगा, जो एक दिन अपने देश का प्रतिनिधित्व करने की उम्मीद कर रहे हैं। डिविलियर्स ने इस आयोजन के आर्थिक लाभों और पर्यटन को बढ़ावा देने की क्षमता पर भी जोर दिया, साथ ही उम्मीद जताई कि प्रोटियाज टीम इस बार बेहतर प्रदर्शन करेगी, क्योंकि 2003 में उनका प्रदर्शन संतोषजनक नहीं था।

### लीजेंड्स लीग 2026 में युवराज की आक्रामक पारी से इंडिया चैंपियंस ने आस्ट्रेलिया चैंपियंस को हराया

**शारजाह।** पूर्व आलराउंडर युवराज सिंह की आक्रामक पारी से यहां इंडिया चैंपियंस की टीम ने पूर्व क्रिकेटरों

की लीजेंड्स लीग 2026 में आस्ट्रेलिया चैंपियंस को 46 रनों से हरा दिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए युवराज के 71 रनों की पारी से इंडिया चैंपियंस ने 20 ओवरों में 7 विकेट के नुकसान पर 196 रन बनाये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए आस्ट्रेलिया चैंपियंस की टीम 16.2 ओवर में 150 रन पर ही सिमट गयी। इस मैच में 44 वर्षीय युवराज ने अपने चिर-परिचित अंदाज में खेलते हुए आस्ट्रेलिया चैंपियंस को कोई अवसर नहीं दिया। वहीं 44 साल के युवराज ने इस मैच में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से साबित कर दिया कि क्लास हमेशा के लिए रहती है। इस मैच में टास हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए इंडिया चैंपियंस की शुरुआत अच्छी नहीं रही। अंबाती रायुडू और स्टुअर्ट बिन्नी पहले पांच ओवरों में ही आउट हो गये। जिससे टीम शुरुआती दबाव में आ गई। ऐसे कठिन समय में कप्तान युवराज सिंह क्रीज पर आए और उन्होंने नमन ओझा के साथ मिलकर पारी को संभाला। युवराज ने आते ही अपने आक्रामक खेल से सभी का खासा मनोरंजन किया। दोनों ने मिलकर 30 गेंदों पर 42 रनों की अहम साझेदारी की, जिसने भारतीय पारी को शुरुआती झटकों से उबारा। नमन के आउट होने के बाद क्रीज पर आए यूसुफ पठान के साथ मिलकर युवराज ने मैदान के चारों तरफ चौके-छक्कों की बरसात कर दी।

# 24 साल बाद लड़कों से आगे निकलीं भारत की बेटियां 4 स्वर्ण ज्यादा जीते; हॉकी में दोहरा ओलिंपिक टिकट

## एशियाई खेलों में भारत का अभियान समाप्त : 21 स्वर्ण समेत 85 पदक जीते, पदक तालिका में चौथा स्थान

नई दिल्ली।

एशियाई खेल-2026 में भारत का अभियान पूरा हो चुका है। आखिरी दिन घुड़सवारी के दो स्वर्ण पदक के मुकाबले होने है, लेकिन इनमें कोई भारतीय खिलाड़ी हिस्सा नहीं ले रहा है। भारत ने जापान के आइची-नागोया में आयोजित एशियाई खेलों में 21 स्वर्ण सहित कुल 85 पदक जीते हैं।

उज्बेकिस्तान ने भी भारत के बराबर 21 स्वर्ण पदक जीते हैं, लेकिन अधिक रजत पदकों के आधार पर भारत चौथे स्थान पर है। रविवार को यदि उज्बेकिस्तान कोई स्वर्ण पदक नहीं जीतता है तो भारत चौथे स्थान पर ही अपना अभियान समाप्त करेगा।

आइए, 5 प्रमुख बिंदुओं में समझते हैं एशियाई खेल-2026 में भारत के प्रदर्शन का पूरा निचोड़।

एशियन गेम्स 2026 मेडल टैली

| # | NOC | Gold | Silver | Bronze | Total |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | PR CHINA | 169 | 89 | 83 | 341 |
| 2. | JAPAN | 83 | 95 | 91 | 269 |
| 3. | REPUBLIC OF KOREA | 39 | 43 | 68 | 150 |
| 4. | INDIA | 21 | 27 | 37 | 85 |
| 5. | UZBEKISTAN | 21 | 25 | 24 | 70 |
| 6. | IR IRAN | 19 | 18 | 15 | 52 |
| 7. | THAILAND | 18 | 13 | 21 | 52 |
| 8. | KAZAKHSTAN | 12 | 24 | 48 | 84 |
| 9. | HONG KONG, CHINA | 11 | 19 | 24 | 54 |
| 10. | BAHRAIN | 11 | 5 | 6 | 22 |
| 11. | MALAYSIA | 9 | 7 | 16 | 32 |
| 12. | DPR KOREA | 7 | 13 | 9 | 29 |
| 13. | UNITED ARAB EMIRATES | 7 | 5 | 1 | 13 |
| 14. | QATAR | 6 | 6 | 6 | 18 |
| 15. | CHINESE TAIPEI | 5 | 17 | 33 | 55 |
| 16. | INDONESIA | 5 | 11 | 23 | 39 |
| 17. | PHILIPPINES | 4 | 9 | 16 | 29 |
| 18. | SAUDI ARABIA | 4 | 3 | 10 | 17 |
| 19. | KUWAIT | 4 | 1 | 4 | 9 |
| 20. | VIETNAM | 3 | 3 | 19 | 25 |
| 21. | SINGAPORE | 2 | 9 | 7 | 18 |
| 22. | TAJIKISTAN | 2 | 5 | 9 | 16 |
| 23. | JORDAN | 2 | 3 | 6 | 11 |
| 24. | MYANMAR | 2 | 1 | 2 | 5 |
| 25. | MACAO, CHINA | 1 | 4 | 1 | 6 |
| 26. | KYRGYZSTAN | 1 | 3 | 10 | 14 |
| 27. | MONGOLIA | 1 | 1 | 13 | 15 |
| 28. | SRI LANKA | 1 | 1 | 1 | 3 |
| 29. | PAKISTAN | 0 | 2 | 8 | 10 |
| 30. | IRAQ | 0 | 2 | 3 | 5 |
| 31. | TURKMENISTAN | 0 | 2 | 0 | 2 |
| 32. | AFGHANISTAN | 0 | 1 | 2 | 3 |
| 32. | LEBANON | 0 | 1 | 2 | 2 |
| 34. | OMAN | 0 | 1 | 1 | 2 |
| 35. | CAMBODIA | 0 | 0 | 4 | 4 |
| 36. | NEPAL | 0 | 0 | 2 | 2 |
| 37. | BANGLADESH | 0 | 0 | 1 | 1 |
| 37. | BRUNEI DARUSSALAM | 0 | 0 | 1 | 1 |
| 37. | LAO PDR | 0 | 0 | 1 | 1 |
| 37. | SYRIAN ARAB REPUBLIC | 0 | 0 | 1 | 1 |

2026 में लड़कों से आगे हुई भारत की लड़कियां

2023 ग्वांगझू एशियन गेम्स

| जेंडर | गोल्ड | सिल्वर | ब्रॉन्ज | टोटल |
|---|---|---|---|---|
| पुरुष | 15 | 19 | 18 | 52 |
| महिला | 7 | 17 | 19 | 45 |
| मिक्स्ड | 4 | 2 | 3 | 9 |

2026 आइची-नागोया एशियन गेम्स

| जेंडर | गोल्ड | सिल्वर | ब्रॉन्ज | टोटल |
|---|---|---|---|---|
| पुरुष | 7 | 14 | 17 | 38 |
| महिला | 11 | 11 | 16 | 38 |
| मिक्स्ड | 3 | 2 | 4 | 9 |

**2002 के बाद पहली बार बेटियों का दबदबा**

भारत ने इस बार महिलाओं की स्पर्धाओं में 11 स्वर्ण, जबकि पुरुषों की स्पर्धाओं में 7 स्वर्ण पदक जीते हैं। इसके अलावा 3 स्वर्ण पदक मिश्रित स्पर्धाओं में आए। इस तरह महिलाओं ने पुरुषों के मुकाबले 4 स्वर्ण अधिक जीते।

इससे पहले 2002 में बुसान में हुए एशियाई खेलों में भारत की महिलाएं पुरुषों से आगे रही थीं। तब भारत ने महिलाओं की स्पर्धाओं में 6 और पुरुषों की स्पर्धाओं में 5 स्वर्ण पदक जीते थे। यानी 24 साल बाद एक बार फिर भारतीय बेटियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों को पीछे छोड़ दिया है।

**मुक्केबाजी और कुश्ती में सुधार, निशानेबाजी–एथलेटिक्स में नुकसान**

भारत ने 2023 में चीन के ग्वांगझू में हुए एशियाई खेलों में 28 स्वर्ण सहित कुल 106 पदक जीते थे। तब भारत ने निशानेबाजी में 7 और एथलेटिक्स में 6 स्वर्ण पदक जीते थे। इस बार निशानेबाजी में 3 और एथलेटिक्स में केवल 1 स्वर्ण पदक आया। यानी इन दोनों खेलों में ही भारत को 9 स्वर्ण पदकों का नुकसान हुआ।

भारत ने पिछली बार स्क्वैश में 2, जबकि टेनिस, बैडमिंटन और घुड़सवारी में 1–1 स्वर्ण पदक जीता था। इन खेलों में इस बार भारत को कोई स्वर्ण पदक नहीं मिला।

हालांकि, मुक्केबाजी और कुश्ती में बेहतर प्रदर्शन ने कुछ हद तक स्वर्ण पदकों की कमी की भरपाई की। पिछली बार भारत को इन दोनों खेलों में एक भी स्वर्ण पदक नहीं मिला था। इस बार मुक्केबाजी में 3 और कुश्ती में 2 स्वर्ण पदक आए हैं। तीरंदाजी में भारत ने पिछले प्रदर्शन को दो–हराया है।

**टीम स्पर्धाओं में भारत का दबदबा, हॉकी में दो ओलिंपिक टिकट**

टीम स्पर्धाओं में भारत ने शानदार प्रदर्शन किया है। क्रिकेट, हॉकी और कबड्डी में भारत ने पुरुष और महिला दोनों वर्गों में स्वर्ण पदक जीते हैं।

हॉकी में एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक जीतने पर सीधे ओलिंपिक का टिकट मिलता है।

लिहाजा भारत की पुरुष और महिला दोनों हॉकी टीमें लॉस एंजिल्स में होने वाले 2028 ओलिंपिक के लिए क्वालिफाई कर गई हैं। यह पहला मौका है जब भारत की दोनों वर्गों की हॉकी टीमों ने एक ही एशियाई खेल में स्वर्ण पदक जीता है।

**पदक तालिका में 44 साल से चीन की चौधराहट कायम**

चीन ने इस बार 169 स्वर्ण सहित कुल 341 पदक जीते हैं। दूसरे स्थान पर रहे जापान ने 83 स्वर्ण पदक जीते हैं, जो चीन के स्वर्ण पदकों की संख्या के आधे से भी कम हैं। चीन 1982 से अब तक हर एशियाई खेल में पदक तालिका में शीर्ष पर रहा है।

भारत ने पदक तालिका में स्थान के लिहाज से पिछले एशियाई खेलों के प्रदर्शन की बराबरी की है। हालांकि, इस बार भारत को 7 स्वर्ण सहित कुल 21 पदकों की कमी आई है।

**53 विश्व रिकॉर्ड टूटे, भारतीय तीरंदाजों ने एक विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की**

इस एशियाई खेल में अलग-अलग स्पर्धाओं में कुल 53 विश्व रिकॉर्ड और 76 एशियाई रिकॉर्ड टूटे हैं।

इसके साथ ही 166 नए खेल रिकॉर्ड भी बने हैं।भारतीय महिला कंपाउंड तीरंदाजी टीम ने फाइनल में चीन के खिलाफ 238 अंक बनाए। यह विश्व रिकॉर्ड की बराबरी है।

### टीम इंडिया अब वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज खेलेगी

**मुम्बई।** भारतीय क्रिकेट प्रेमियों को अब वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज खेलनी है। पहले वेस्टइंडीज के खिलाफ अपनी ही धरती पर भारतीय टीम को खेलना है फिर उसके बाद उसे टी20 सीरीज के लिए न्यूजीलैंड जाना है। टीम को अगले 26 दिनों में 10 कठिन मुकाबले खेलने हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज की शुरुआत मंगलवार से होगी। इस सीरीज का पहला मुकाबला 6 अक्टूबर, 2026 को लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। इसके बाद टीमें रांची (9 अक्टूबर, 2026 को जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम काम्प्लेक्स), इंदौर (11 अक्टूबर, 2026 को होलकर स्टेडियम), हैदराबाद (14 अक्टूबर, 2026 को राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम) और बेंगलुरु (17 अक्टूबर, 2026 को एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम) में मुकाबले होंगे। घरेलू परिस्थितियों से मिलने वाले लाभ को देखते हुए भारतीय टीम इस सीरीज में भी जीत की प्रबल दावेदार रहेगी। वेस्टइंडीज के खिलाफ बेंगलुरु में 17 अक्टूबर, 2026 को पांचवां टी20 मैच खेलने के बाद, भारतीय टीम न्यूजीलैंड के दौरे के लिए रवान होगी।

# वैभव सूर्यवंशी : टाइम मैगजीन की 100 नेक्स्ट सूची में सबसे युवा भारतीय सितारा

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट के युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। उन्हें अमेरिका की प्रतिष्ठित टाइम मैगजीन की वार्षिक टाइम 100 नेक्स्ट सूची में शामिल किया गया है, जो वैश्विक स्तर पर भविष्य को आकार देने वाले 100 उभरते हुए सितारों को पहचानती है। महज 15 साल की उम्र में इस सूची में जगह बनाने वाले वैभव सबसे युवा व्यक्ति हैं और दुनियाभर से चुने गए केवल सात एथलीटों में इकलौते भारतीय खिलाड़ी हैं। यह उनकी असाधारण प्रतिभा और अद्वितीय प्रदर्शन का प्रमाण है जिसने उन्हें इतनी कम उम्र में ही अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई है। टाइम मैगजीन की सीईओ जेसिका सिब्ले ने इस सूची के बारे में बताया कि इस साल के लिस्ट-निर्माता सीमाओं को पार कर रहे हैं, नई संभावनाओं को जन्म दे रहे हैं और अपने क्षेत्रों तथा समुदायों को आगे बढ़ा रहे हैं। फेनोम श्रेणी में शामिल करते हुए टाइम ने वैभव सूर्यवंशी को तेजी से वैश्विक खेल के सबसे रोमांचक और ऊर्जावान चेहरों में से एक बताया है। उनकी निरंतर सफलता और रिकार्ड-तोड़ प्रदर्शन ने उन्हें क्रिकेट जगत में एक चमकता सितारा बना दिया है।

वैभव की यह अद्भुत यात्रा 2024 में शुरू हुई थी, जब उन्होंने सिर्फ 12 साल की उम्र में रणजी ट्राफी में अपना पेशेवर क्रिकेट डेब्यू किया और प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेलने वाले सबसे कम उम्र के भारतीयों में से एक बन गए। उनकी असाधारण प्रतिभा को देखते हुए, आईपीएल 2025 सीज़न से पहले राजस्थान रायल्स ने उन्हें 1 करोड़ रुपये की मोटी बोली लगाकर अपनी टीम में शामिल कर लिया। अपने पहले ही आईपीएल सीज़न में वैभव ने धमाकेदार प्रदर्शन किया, सात पारियों में कुल 252 रन बनाए, जिसमें गुजरात टाइटंस के खिलाफ 35 गेंदों में खेली गई तूफानी शतकीय पारी भी शामिल थी, जो उस समय आईपीएल में किसी भारतीय द्वारा लगाया गया सबसे तेज शतक था। अपने दूसरे सीज़न में उन्होंने रनों का अंबार लगा दिया, एक शतक और पांच अर्धशतकों की मदद से 776 रन बटोरे और सीज़न में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज के रूप में उभरे। इस दौरान उन्होंने 16 मैचों में कुल 72 छक्के जड़े, जिससे उन्होंने टी-20 के दिग्गज बल्लेबाज क्रिस गेल के पिछले रिकार्ड को 20 छक्कों के अंतर से पीछे छोड़ दिया।

उनकी इस शानदार फार्म का सिलसिला यहीं नहीं थमा। जुलाई में मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलकर वैभव ने भारत के लिए अपना अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया। इस पंद्रह वर्षीय खिलाड़ी ने भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले सबसे कम उम्र के पुरुष खिलाड़ी बनकर महान सचिन तेंदुलकर के लंबे समय से चले आ रहे रिकार्ड को तोड़ दिया। इसके बाद से उन्होंने छह टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, जिसमें जिम्बाब्वे के खिलाफ 81 रनों के सर्वोच्च स्कोर के साथ कुल 193 रन बनाए हैं। वह जापान में आयोजित होने वाली भारत की एशियाई खेलों की क्रिकेट टीम का भी हिस्सा हैं। सीनियर क्रिकेट के अपने केवल तीसरे सीज़न में, इस बाएं हाथ के आक्रामक बल्लेबाज ने अन्य प्रारूपों में भी अपनी गहरी छाप छोड़ी है।

जून में कोलंबो में श्रीलंका ए के खिलाफ भारत ए की त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल के दौरान वैभव ने केवल 11 गेंदों में सबसे तेज लिस्ट ए अर्धशतक बनाकर एक नया विश्व रिकार्ड स्थापित किया।

# वनडे क्रिकेट के 5 सबसे बड़े स्कोरः इंग्लैंड का दबदबा

नई दिल्ली

हाल ही में भारत दौरे पर आई वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम ने गुवाहाटी वनडे में 405 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया था, जिसे मेजबान भारत ने सफलतापूर्वक हासिल कर लिया। वनडे क्रिकेट में पहली बार वेस्टइंडीज की टीम ने 400 या उससे ज्यादा का स्कोर बनाया, और यह सिर्फ दूसरी बार हुआ जब किसी टीम ने 400 से ज्यादा के टारगेट को सफलतापूर्वक हासिल किया। इस ऐतिहासिक प्रदर्शन के बाद, आइए जानते हैं वनडे क्रिकेट के इतिहास में दर्ज 5 सबसे बड़े स्कोर, जिनमें इंग्लैंड का दबदबा स्पष्ट रूप से दिखाई देता है और भारत की टीम टाप-5 में शामिल नहीं है। इस सूची में सबसे ऊपर इंग्लैंड की टीम है, जिसने साल 2022 में नीदरलैंड्स के खिलाफ 50 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 498 रन बनाए थे। यह वनडे इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर है। इस मैच में इंग्लैंड की तरफ से फिल साल्ट (122), डेविड मलान (125) और जोस बटलर (नाबाद 162) ने

शतक लगाए थे, जबकि लियाम लिविंगस्टोन ने ताबड़तोड़ नाबाद 66 रन ठोके। जवाब में नीदरलैंड्स की टीम 266 रनों पर सिमट गई थी और इंग्लैंड ने यह मैच 232 रनों के भारी अंतर से जीता था।

वनडे इतिहास के दूसरे सबसे बड़े टोटल का रिकार्ड भी इंग्लैंड के ही नाम है। साल 2018 में नाटिंघम में आस्ट्रेलिया के खिलाफ इंग्लैंड ने 50 ओवर में 481 रन का पहाड़ जैसा स्कोर खड़ा किया था। इस पारी में जानी बेयरस्टो ने 139 रन और एलेक्स हेल्स ने 147 रनों की आतिशी पारी खेली थी। आस्ट्रेलियाई टीम 239 रनों पर ढेर हो गई और इंग्लैंड ने 242 रनों से एकतरफा जीत दर्ज की। वनडे क्रिकेट का तीसरा सबसे बड़ा स्कोर भी इंग्लैंड के ही नाम है। साल 2016 में नाटिंघम के मैदान पर पाकिस्तान के खिलाफ इंग्लैंड ने 444 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया था। इस पारी में एलेक्स हेल्स ने 122 गेंदों पर 171 रनों की धमाकेदार शतकीय पारी खेली, जबकि जो रूट, जोस बटलर और इयोन मोर्गन ने तेज-तर्रार अर्धशतक जड़े। जवाब में पाकिस्तान की पूरी टीम 275 रनों पर आलआउट हो गई और इंग्लैंड ने यह मुकाबला 169 रनों से अपने नाम किया।

वनडे क्रिकेट का चौथा सबसे बड़ा स्कोर श्रीलंका के नाम दर्ज है। श्रीलंका ने साल 2006 में नीदरलैंड्स के खिलाफ 50 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 443 रन बनाए थे। श्रीलंका के लिए इस पारी में सनथ जयसूर्या ने 157 रनों की तूफानी पारी खेली और तिलकरत्ने दिलशान ने नाबाद 117 रन बनाए थे। इस विशाल स्कोर के जवाब में मेजबान नीदरलैंड्स की टीम 248 रनों पर आलआउट हो गई और श्रीलंका ने यह मैच 195 रनों के अंतर से जीता था। वनडे इतिहास का पांचवां सबसे बड़ा स्कोर साउथ अफ्रीका के नाम है। साउथ अफ्रीका ने 2015 में वेस्टइंडीज के खिलाफ जोहान्सबर्ग में 439 रन बनाए थे। इस मैच में साउथ अफ्रीका की तरफ से हाशिम अमला ने नाबाद 153 और राइली रूसो ने 128 रन बनाए, जबकि एबी डिविलियर्स ने वनडे इतिहास का सबसे तेज शतक जड़ते हुए महज 44 गेंदों में 149 रन कूटे थे। जवाब में वेस्टइंडीज की टीम 291 रन ही बना सकी और साउथ अफ्रीका ने 148 रनों से मैच जीता था।

# ईकेएएम बिजनेस कॉन्क्लेव 2026 में जुटे 300 से अधिक उद्यमी

**निजामाबाद सांसद धर्मपुरी अरविंद बोले बदलते दौर में कड़ी मेहनत के साथ स्मार्ट सोच, बड़े सपने और अनुकूलन जरूरी**

**हैदराबाद, 04 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** ईकेएएम ग्लोबल नेटवर्क की ओर से गचीबोवली स्थित होटल ली मेरिडियन में ईकेएएम बिजनेस कॉन्क्लेव 2026 का भव्य आयोजन किया गया। जोड़ें, सहयोग करें और आगे बढ़ें थीम पर आधारित इस कॉन्क्लेव में 300 से अधिक उद्यमियों, व्यवसाय मालिकों, पेशेवरों और कॉरपोरेट नेतृत्वकर्ताओं ने भाग लिया। यह आयोजन ईकेएएम ग्लोबल नेटवर्क की पहली वर्षगांठ और तेजी से बढ़ते उसके व्यावसायिक समुदाय के सफर के उत्सव के रूप में भी मनाया गया।

कार्यक्रम का नेतृत्व ईकेएएम ग्लोबल नेटवर्क के संस्थापक हिमवंत वल्लभनेनी और सह-संस्थापक स्वाति यादला ने किया। कॉन्क्लेव के दौरान व्यवसाय-से-व्यवसाय संपर्क, व्यावसायिक अवसरों का आदान-प्रदान, सदस्यों की सफलता की कहानियां, पुरस्कार वितरण, प्रत्यक्ष संपर्क सत्र, विशेष संवाद कार्यक्रम और वर्षगांठ समारोह आयोजित किए गए।

**स्मार्ट सोच और बड़े सपने देखना समय की मांग : धर्मपुरी अरविंद**

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे निजामाबाद के लोकसभा सांसद धर्मपुरी अरविंद ने उद्यमियों के साथ विशेष संवाद कार्यक्रम में बातचीत की। उन्होंने व्यवसाय, प्रगति, महत्वाकांक्षा और बदलते दौर में स्वयं को परिस्थितियों के अनुरूप ढालने के महत्व पर अपने विचार साझा किए। सभा को संबोधित करते हुए सांसद धर्मपुरी अरविंद ने कहा कि आज के व्यावसायिक परिवेश में केवल कड़ी मेहनत ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि स्मार्ट सोच भी उतनी ही महत्वपूर्ण हो गई है। उन्होंने उद्यमियों को नए दृष्टिकोण से सोचने, बदलती परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढालने और हमेशा बड़े सपने देखनेफ के लिए प्रेरित किया। त्वरित प्रश्नोत्तर दौर के दौरान उन्होंने राजनीति और व्यापार की तुलना करते हुए कहा कि व्यापार में किसी ग्राहक को संतुष्ट करने की तुलना में किसी मतदाता को मनाना अधिक चुनौतीपूर्ण होता है।

ईकेएएम ग्लोबल नेटवर्क के संस्थापक हिमवंत वल्लभनेनी ने कहा, ईकेएएम केवल परिचय-पत्रों के आदान-प्रदान का मंच नहीं है, बल्कि यह ऐसे संबंध बनाने का जरिया है, जो नए अवसर पैदा करते हैं। हमारा दर्शन पहले देने की भावना है। जब हम किसी अन्य उद्यमी को आगे बढ़ने में मदद करते हैं, तो हम पूरे व्यावसायिक पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत बनाते हैं। ईकेएएम बिजनेस कॉन्क्लेव 2026 इसी विचार का उत्सव है।

कॉन्क्लेव के तहत ईकेएएम पी2पी पावर कनेक्ट और बिजनेस अपॉर्चुनिटी एक्सचेंज सत्र आयोजित किए गए। इनमें उद्यमियों ने अपने व्यवसायों का परिचय दिया, एक-दूसरे की जरूरतों को समझा तथा संभावित अनुशंसाओं और साझेदारियों पर चर्चा की।

इसके अलावा, ईकेएएम के व्यावसायिक पारिस्थितिकी तंत्र के तहत उत्कृष्ट योगदान देने वाले, नेतृत्व क्षमता का प्रदर्शन करने वाले और साथी उद्यमियों को सहयोग देने वाले सदस्यों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम का समापन ईकेएएम की पहली वर्षगांठ के जश्न, रात्रिभोज, सजीव संगीत बैंड और सामूहिक संगीत सत्र के साथ हुआ। इस दौरान उपस्थित मेहमानों को अनौपचारिक माहौल में अपने पेशेवर संबंधों को और मजबूत करने का अवसर मिला। इस अवसर पर विजय बल्लारी, प्रकाश एसबी, कार्तिकेय, महेश बालासुब्रमण्यम, श्रीनिवास महेंद्र, प्रो. मुरली मनोहर पुट्टी और गोविंदा हरि सहित कई प्रमुख व्यवसायी एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

# यूथ इवेंट कमिटी द्वारा अन्नप्रसाद का वितरण

**हैदराबाद, 04 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** यूथ इवेंट कमिटी की ओर से ज्ञानबाग कॉलोनी के चौराहे के पास स्थित हनुमान मंदिर के समीप अन्नप्रसाद वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान करीब 300 राहगीरों को दही-भात का अन्नप्रसाद वितरित किया गया। यूथ इवेंट कमिटी द्वारा यह सेवा कार्यक्रम प्रत्येक रविवार को ज्ञानबाग में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य राहगीरों एवं जरूरतमंद लोगों को अन्नप्रसाद उपलब्ध कराना है।

कार्यक्रम में यूथ कमिटी के चेयरमैन जितेंद्र कुमार अग्रवाल, सदस्यता अभियान कमिटी के चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल तथा अन्य अग्रबंधुओं में राजेंद्र कुमार गोयल, दिनेश अग्रवाल, श्रीमती संतोष अग्रवाल, राशि अग्रवाल, तनीषा अग्रवाल, वंशिका अग्रवाल आदि ने सेवा कार्य में अपना सहयोग दिया।

# *प्रणामी मंदिर में श्री कृष्ण कथा सार दिव्य प्रवचन आज से*

**हैदराबाद, 04 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
श्री कृष्ण प्रणामी सेवा संघ, सिकंदराबाद के तत्वावधान में परमपूज्य संत शिरोमणि श्री श्री 108 डॉ. स्वामी श्री सदानन्द जी महाराज के पावन सानिध्य में तीन दिवसीय श्रीमद्भागवत कृष्ण कथा सार दिव्य प्रवचन का आयोजन 5 अक्टूबर से श्री कृष्ण प्रणामी मंदिर, अमर अपार्टमेंट, पी.जी. रोड, सिकंदराबाद में किया जाएगा। प्रचार-प्रसार प्रमुख श्याम सुंदर अग्रवाल ने बताया कि 5 अक्टूबर को दोपहर 2:30 बजे कलश शोभायात्रा के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ होगा और शाम 6 बजे तक कथा होगी। 6 अक्टूबर को दोपहर 3 से शाम 6 बजे तक कथा प्रवचन तथा 7 अक्टूबर को प्रातः 7 से 8 बजे तक पूर्णाहुति होगी। स्वामी श्री सदानन्द जी महाराज अपने श्रीमुख से भागवत कथा के सार तत्वों का वर्णन कर श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक एवं आत्मिक लाभ प्रदान करेंगे। आयोजकों ने सभी धर्मप्रेमी सुंदरसाथ जी से परिवार एवं मित्रों सहित उपस्थित होकर कथा श्रवण का लाभ उठाने की अपील की है।

# खत्री मोदी समाज गौरव सम्मान समारोह में प्रतिभाओं का सम्मान

**बीकानेर, 04 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
खत्री मोदी युवा मंडल सेवा समिति की ओर से रविवार को फोर्ट स्कूल के सामने स्थित महाराजा नरेंद्र सिंह सभागार में खत्री मोदी समाज गौरव सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में श्रीडूंगरगढ़ में लंबे समय से समाजसेवा कर रहे एवं विकास मंच के संयोजक शूरवीर मोदी, 10 मीटर पिस्टल शूटिंग में स्वर्ण पदक विजेता मूक-बधिर खिलाड़ी विशाल खत्री तथा खाजूवाला से नवनिर्वाचित पार्षद प्रियंका मोदी का सम्मान किया गया। उन्हें शॉल ओढ़ाकर, स्मृति चिह्न प्रदान कर एवं माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया।समारोह में मुख्य अतिथि उद्योगपति, समाजसेवी एवं लोटर डेयरी के निदेशक अविनाश मोदी रहे। अन्य अतिथियों में पूर्व पार्षद अंजना खत्री, उद्योगपति राम अरोड़ा, मोहनलाल बालेचा, बाबू भाई, डॉ. सी.एस. मोदी, सामाजिक कार्यकर्ता लक्ष्मण मोदी एवं सुखदेव खत्री उपस्थित रहे। महेश मोदी ने कार्यक्रम का संचालन किया।

वक्ताओं ने कहा कि समाज की पहचान संख्या से नहीं, बल्कि आपसी विश्वास, सेवा और एकता से होती है। उन्होंने समाज में भावनात्मक आधार के बजाय नैतिकता के आधार पर निर्णय लेने पर जोर दिया।

# प्रथम पृष्ठ का शेष

## गोशामहल में ...

तेलंगाना कांग्रेस की निर्वाचन आयोग समन्वय समिति ने गोशामहल के मतदान केंद्र संख्या 173 से संबंधित प्री-प्रिंटेड फॉर्म-7 सामने रखे हैं। रिपोर्टों के अनुसार, इन फॉर्म में संबंधित मतदाता का विवरण पहले से दर्ज था, जबकि आवेदनकर्ता से संबंधित जानकारी पूरी नहीं थी।

कांग्रेस ने पूरे मामले की जांच की मांग करते हुए तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) और हैदराबाद के जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) के समक्ष शिकायत दर्ज कराई है। पार्टी ने यह भी मांग की है कि यह पता लगाया जाए कि मतदाताओं के नाम और अन्य विवरण पहले से मुद्रित इन फॉर्म तक कैसे पहुंचे और इन्हें किसने तैयार किया।

**पहले मुशीराबाद और बहादुरपुरा में भी सामने आए थे मामले**

गोशामहल से पहले हैदराबाद के मुशीराबाद और बहादुरपुरा विधानसभा क्षेत्रों में भी इसी तरह के प्री-प्रिंटेड फॉर्म-7 सामने आने की शिकायतें सामने आई थीं। मुशीराबाद में 1 अक्टूबर को मामला सामने आया था। कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि भाजपा के बूथ स्तर के एजेंट एस. बालचंदर, जिन्हें पंजीकृत पार्टी बीएलए सूची में ङ्गबालूफ के नाम से दर्ज बताया गया है, ने मतदान केंद्र संख्या 210 से संबंधित करीब 31 फॉर्म-7 प्रस्तुत किए थे। कांग्रेस का आरोप था कि इन फॉर्म के जरिए कांग्रेस के बीएलए शफीउद्दीन और उनके परिवार के करीब 30 सदस्यों के नाम हटाने का प्रयास किया गया।

रिपोर्टों के अनुसार, संबंधित मतदाताओं के नाम और पते फॉर्म पर पहले से मुद्रित थे। कांग्रेस ने इस मामले में तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी सी. सुधर्शन रेड्डी से शिकायत कर विस्तृत जांच तथा जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी।

इसके बाद बहादुरपुरा विधानसभा क्षेत्र में भी इसी प्रकार का एक प्री-प्रिंटेड फॉर्म-7 सामने आने की बात कही गई। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि इसमें एक मुस्लिम मतदाता का नाम हटाने का अनुरोध था। संबंधित फॉर्म में मतदाता का नाम और पता पहले से भरा हुआ था, जबकि आवेदनकर्ता का विवरण खाली था। इन घटनाओं के बाद कांग्रेस ने आरोप लगाया कि प्री-प्रिंटेड फॉर्म-7 का इस्तेमाल सुनियोजित तरीके से मतदाताओं के नाम हटाने के लिए किया जा सकता है। पार्टी ने निर्वाचन अधिकारियों से पूरे मामले की जांच करने की मांग की है।

**तेलंगाना में अब तक 29 हजार फॉर्म-7 जमा होने का दावा**

इस पूरे विवाद के बीच यह भी सवाल उठ रहा है कि तेलंगाना में जमा किए गए कुल फॉर्म-7 में से कितने फॉर्म पहले से मुद्रित अथवा पूर्व-भरे हुए हैं। उपलब्ध राजनीतिक दावों के अनुसार, राज्य में अब तक करीब 29 हजार फॉर्म-7 जमा किए जा चुके हैं। हालांकि, इनमें से कितने फॉर्म प्री-प्रिंटेड हैं, इसका स्पष्ट आधिकारिक आंकड़ा अभी सामने नहीं आया है। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने निर्वाचन अधिकारियों से इस पहलू की भी जांच करने की मांग की है।

**ओवैसी का भाजपा और संघ परिवार पर गंभीर आरोप**

इस मामले को लेकर एआईएमआईएम अध्यक्ष और हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने भाजपा और संघ परिवार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। ओवैसी ने आरोप लगाया कि फॉर्म-7 का कथित तौर पर राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है और मतदाता सूची से नाम हटाने की कोशिश की जा रही है।

ओवैसी ने कहा कि मुशीराबाद विधानसभा क्षेत्र में 30 नामों को हटाने के लिए प्री-प्रिंटेड फॉर्म-7 सामने आए। इसी तरह बहादुरपुरा में एक नाम और गोशामहल विधानसभा क्षेत्र में 15 नामों को हटाने के लिए ऐसे फॉर्म सामने आने की बात कही गई है।

ओवैसी ने निर्वाचन आयोग से इस मामले में जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने कहा कि यदि फर्जी फॉर्म-7 दाखिल किए जा रहे हैं तो चुनाव आयोग को तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि यह सिलसिला नहीं रुका तो हैदराबाद की सड़कों पर बड़े पैमाने पर आंदोलन होगा और ये प्रदर्शन दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शनों से भी बड़े हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन इस मामले में चुप नहीं बैठेगी।

**फॉर्म-7 को राजनीतिक हथियार बनाया जा रहा है**

ओवैसी ने आरोप लगाया कि प्री-प्रिंटेड और आवेदनकर्ता की जानकारी के बिना तैयार किए गए फॉर्म-7 का इस्तेमाल राजनीतिक उद्देश्य से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि फॉर्म-7 में जिस व्यक्ति का नाम हटाने की मांग की जा रही है, उसका नाम और विवरण पहले से दर्ज है, लेकिन आवेदन करने वाले व्यक्ति का नाम और विवरण नहीं दिया गया है। ओवैसी के अनुसार, यदि ऐसा हो रहा है तो यह पूरी तरह गलत है और निर्वाचन आयोग को इसका संज्ञान लेना चाहिए।

उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी ने भारत निर्वाचन आयोग के साथ-साथ तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी और जिला निर्वाचन अधिकारियों को भी इस मामले की जानकारी दी है।

ओवैसी ने कहा कि किसी भी मतदाता को पीछे के रास्ते से मतदान के अधिकार से वंचित करने के प्रयास को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और मतदाता सूचियों की शुचिता बनाए रखने के लिए चुनाव आयोग को तत्काल और कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए।

**भाजपा ने आरोपों को राजनीतिक अभियान बताया**

दूसरी ओर, भाजपा की ओर से इन आरोपों को राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया गया है। भाजपा के मुख्य प्रवक्ता एन.वी. सुभाष ने कहा कि फॉर्म-7 के माध्यम से ऐसे लोगों के नाम हटाने की प्रक्रिया होनी चाहिए जो भारतीय नागरिक नहीं हैं। उन्होंने विशेष रूप से रोहिंग्या नागरिकों के नाम मतदाता सूची में होने का आरोप लगाते हुए राजनीतिक दलों से इस मुद्दे पर कार्रवाई करने की मांग की है। इस तरह फॉर्म-7 को लेकर कांग्रेस, भाजपा और एआईएमआईएम के बीच आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं।

अब गोशामहल में सामने आए 15 प्री-प्रिंटेड फॉर्म-7 ने पूरे विवाद को और गंभीर बना दिया है। एक तरफ राजनीतिक दल इसे मतदाताओं के अधिकारों से जुड़ा गंभीर मामला बता रहे हैं, वहीं निर्वाचन अधिकारी यह स्पष्ट कर चुके हैं कि निर्धारित प्रक्रिया और सत्यापन के बिना किसी मतदाता का नाम हटाया नहीं जाएगा।मामले में अब मुख्य सवाल यह है कि गोशामहल में मिले प्री-प्रिंटेड फॉर्म-7 किसने तैयार किए, मतदाताओं का विवरण इन फॉर्म तक कैसे पहुंचा, इन्हें किस उद्देश्य से तैयार किया गया और क्या इनके पीछे किसी संगठित गतिविधि की भूमिका है। कांग्रेस ने इन सभी बिंदुओं पर विस्तृत जांच की मांग की है। निर्वाचन अधिकारियों की जांच और सत्यापन के बाद ही इन आरोपों की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

## एसआईआर रद्द...

इस्तेमाल किस तरह कर रहे हैं। सरकार कौन बनाएगा और सरकार कैसे चलेगी, इसका फैसला जनता और मतदाताओं को करना चाहिए। इसका फैसला चुनाव आयोग को नहीं करना चाहिए।

उद्धव ठाकरे ने कहा कि देशभर में 13 करोड़ लोगों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। बंगाल और तमिलनाडु में भी मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। पश्चिम बंगाल में अभी उपचुनाव हो रहा है और लोग अपने वोट देने के अधिकार की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे हैं। सुप्रीम कोर्ट कहता है कि यह सिर्फ उपचुनाव है, इससे क्या फर्क पड़ता है? यह भी अभी तय नहीं है कि कल सुनवाई होगी या नहीं।

**एसआईआर को लेकर ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयोग पर सवाल**

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयोग पर एसआईआर को लेकर सवाल खड़े हुए हैं। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने एसआईआर से जुड़े फैसलों और आदेशों पर रिकॉर्ड में कम से कम 14 बार आपत्ति जताई थी।दावा है कि कई फैसले और आदेश संधू और जोशी की जानकारी या सिफारिश के बिना जारी किए गए। इसके बाद से विपक्ष ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग करते हुए देशभर में प्रदर्शन कर रहा है।

**10 अक्टूबर को कॉकरोच पार्टी का दिल्ली में प्रदर्शन**

सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने 2 अक्टूबर को कहा कि यदि ज्ञानेश कुमार ने इस्तीफा नहीं दिया तो 10 अक्टूबर को पूरे देश से कॉकरोच दिल्ली पहुंचेंगे।दीपके ने लिखा, अगर दिल्ली पुलिस हमें रोकने की कोशिश करती है, तो जहां वे हमें रोकेंगे, वही हमारा जंतर-मंतर होगा। हमारा आंदोलन शांतिपूर्ण होगा। हम महात्मा गांधी के दिखाए रास्ते पर चलेंगे।

## ज्ञानेश के खिलाफ...

केरल की कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) सरकार के मुताबिक, ज्ञानेश कुमार पर लोक निर्माण विभाग के सचिव रहते हुए ठेकेदारों को सरकारी काम देने में आपराधिक अनियमितता करने के आरोप हैं।शिकायत के मुताबिक, वीएसीबी ने पहले भी इन आरोपों की जांच की थी, लेकिन जांच को अचानक बंद कर दिया गया। शिकायतकर्ता ने ज्ञानेश कुमार के खिलाफ लगाए गए सभी आरोपों की जांच की मांग की है। उसका दावा है कि कुमार ने उस समय अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर खुद को बचा लिया था।बीन की मौत के बाद वर्ष 2006 में सतर्कता जांच के आदेश दिए गए थे। हालांकि, यह जांच आगे नहीं बढ़ सकी। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, इसके बाद कुमार प्रतिनियुक्ति पर रक्षा मंत्रालय चले गए थे।रविवार को नई जांच के आदेश पर बोलते हुए चेन्निथला ने बीन के आत्महत्या नोट में ज्ञानेश कुमार के नाम का जिक्र होने की बात कही। उन्होंने कहा कि सरकार चुप नहीं बैठ सकती और वह मूकदर्शक नहीं बन सकते। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि यह जांच राजनीतिक बदले की भावना से नहीं की जा रही है।रिपोर्ट के मुताबिक, चेन्निथला ने कहा कि एसआईआर और दूसरे मुद्दे अपनी जगह हैं। उन्होंने कहा कि वे ज्ञानेश कुमार के खिलाफ लड़ रहे हैं, लेकिन यह मामला अलग है।

## देश में कुछ...

चलो देश में कुछ तो चल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री बनने के बाद वे देश के लोगों के बीच रहेंगे और विदेश जाकर जश्न नहीं मनाएंगे। संजय दत्त ने कहा, मेरे प्यारे देशवासियों, आज मैं आपका प्रधानमंत्री बन के बहुत खुश हूं। इतना बड़ा देश है और इतने सारे लोग हैं... लेकिन आप लोग टेंशन बिल्कुल न लें। मैं इस खुशी को मनाने विदेश नहीं जाने वाला। मैं इधर ही रहूंगा।

उन्होंने कहा कि देश में रहने के बाद ही प्रधानमंत्री और जनता के बीच सीधा संपर्क बन पाएगा। इसलिए उनकी सरकार में सबसे ज्यादा जोर भाईचारे पर होगा।संजय दत्त ने महात्मा गांधी के तीन बंदरों का जिक्र करते हुए कहा कि आज एक चौथे बंदर की भी जरूरत है, जो बुरा देखेगा तो ठीक करेगा। अगर बुरी चीजों को ठीक नहीं किया जाएगा तो देश कैसे चलेगा।उनका कहना था कि अगर कोई गलत चीज देखे तो उसे ठीक करने की कोशिश भी होनी चाहिए। उन्होंने सवाल किया कि अगर लोग आंख, कान और मुंह बंद करके बैठे रहेंगे तो देश कैसे चलेगा।

संजय दत्त ने नेताओं की तस्वीरों को लेकर भी तंज किया। उन्होंने कहा कि जहां उनकी तस्वीर लगाने का मन हो, वहां महात्मा गांधी की तस्वीर लगानी चाहिए, क्योंकि लोगों के लिए किसी नेता की तस्वीर से ज्यादा उसके विचार मायने रखते हैं।उन्होंने कहा कि देश को सबसे पहले ङ्गफ्रेमफ में रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर देश को फ्रेम में लाना है तो दुनिया को भी फ्रेम में लाना होगा।

**ट्रंप का जिक्र, बोले- दुनिया की वाट नहीं लगाना**

अपने भाषण में संजय दत्त ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, मैं देख रहा हूं कि ट्रंप मामू पूरी दुनिया को आउट ऑफ फ्रेम करने पर लगे हुए हैं। इसलिए मैं सबसे पहले ट्रंप मामू से मिलने अमेरिका जाऊंगा। ट्रंप मामू थोड़े भटक गए हैं न। मैं उन्हें पूरी विनम्रता से समझाऊंगा।संजय दत्त ने कहा कि वे प्रधानमंत्री बने तो ट्रंप से कहेंगे कि मामू, सब पर हमला-वमला नहीं करो। दुनिया की वाट नहीं लगाना। आप किसी देश पर हमला करेंगे तो कोई देश किसी और देश पर हमला करेगा और फिर सब मिलकर कहेंगे- वैश्विक शांति, वैश्विक शांति।

**सोशल मीडिया पर भी छिड़ी बहस**

शेखर सुमन के शो में संजय दत्त की इन मजाकिया टिप्पणियों को लेकर सोशल मीडिया पर भी काफी चर्चा हो रही है।

गगन चौधरी नाम के एक उपयोगकर्ता ने लिखा कि विदेश दौरों, भाईचारे और पोस्टर लगाने को लेकर संजय दत्त की टिप्पणियां क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर हैं।

वहीं अमित कुमार सिंधी ने लिखा, संजय दत्त किस तरह की शांति की बात कर रहे हैं।

सचिन वर्मा नाम के एक उपयोगकर्ता ने एक्स पर लिखा, संजय दत्त ने पांच मिनट का प्रधानमंत्री बनकर कसा तंज। उन्होंने पांच मिनट के लिए खुद को भारत का प्रधानमंत्री माना और ङ्गमुन्नाभाईफ स्टाइल में मैसेज दिया।

अभिनेता कमाल आर. खान ने एक्स पर लिखा, संजय दत्त ने यह कहने का साहस दिखाया कि वे भारत में शांति महसूस नहीं करते हैं।

जबकि दिलीप अनजाना नाम के एक उपयोगकर्ता ने तंज करते हुए लिखा, संजय दत्त को वही पुरानी शांति चाहिए जिसमें वे अपने घर में हथियार रख सकें।

## ये यौन...

अपना गुस्सा जाहिर किया।

जाह्नवी ने डीपफेक वीडियो को अपराधी मानसिकता करार देते हुए कहा कि तकनीक का गलत इस्तेमाल करके किसी महिला को उसकी इच्छा के विरुद्ध गलत तरीके से दिखाना या उसका फर्जी यौन सामग्री तैयार करना उसकी सहमति और सम्मान का सीधा उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि उनकी फिल्म इंडस्ट्री में महिलाएं लंबे समय से अपनी इच्छा, पसंद और शरीर को लेकर इस तरह के गलत व्यवहार का सामना करती रही हैं, लेकिन अब स्थिति और भी गंभीर होती जा रही है।

उन्होंने कहा, हमें यह समझना बहुत जरूरी है कि अगर कोई महिला किसी चीज के लिए हां कहती है, तो इसका मतलब हर चीज के लिए हां नहीं है। अगर कोई महिला मिनीस्कर्ट पहनती है, तो इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं कि कोई उसकी बिना इजाजत तस्वीर खींच सकता है या उसके शरीर को गलत नजर से देख सकता है। एक महिला जहां सहज महसूस करती है और जहां अपनी सीमा तय करती है, उस पर फैसला लेने का अधिकार सिर्फ उसी का है।

**महिलाओं की सुरक्षा और सहमति पर उठाए सवाल**

जाह्नवी ने आगे महिलाओं की सहमति और सुरक्षा का मुद्दा उठाते हुए कहा कि यह केवल एआई वीडियो का मामला नहीं है। पिछले कुछ सप्ताह में उन्होंने जो देखा और अपने पूरे करियर में जो अनुभव किया है, उससे स्पष्ट है कि समस्या इससे कहीं बड़ी है। एक महिला होने का मतलब अक्सर लगातार लोगों की नजरों, उनके फैसलों और अपनी सुरक्षा को लेकर समझौते करते रहना होता है। महिलाओं को हमेशा यह डर बना रहता है कि कहीं कोई उनकी सीमाओं को अपनी मर्जी से न समझ ले।उन्होंने कहा, जब हम महिलाओं के सामने मौजूद वास्तविक और शारीरिक खतरों को ही ठीक से नहीं संभाल पा रहे हैं, तो तकनीक इन खतरों को और बढ़ा देती है और महिलाओं की जिंदगी मुश्किल बना देती है। इसका जवाब सिर्फ यह नहीं हो सकता कि ङ्गमैं अपनी बेटी की रक्षा करूंगा।फ हमें उस सोच को बदलना होगा, जिसकी वजह से लोगों को लगता है कि किसी की सहमति और सीमाओं को तोड़ना आसान है। यह बदलाव तभी आएगा, जब लोग हिम्मत के साथ सही और गलत के बीच फर्क बताएं और गलत चीजों के खिलाफ खड़े हों।

**एनटीआर और चिरंजीवी समेत अन्य कलाकारों को धन्यवाद**

जाह्नवी ने इस मामले में उनका समर्थन करने वाले कलाकारों का भी आभार जताया। उन्होंने जूनियर एनटीआर की विशेष रूप से प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने जिस मजबूती से इस मामले में आवाज उठाई और इस तरह के व्यवहार की निंदा की, उससे वह बहुत प्रभावित हुई हैं।

जाह्नवी ने कहा, धन्यवाद सर। जब कोई ऐसा व्यक्ति, जिसे लाखों लोग पसंद और सम्मान करते हैं, ऐसी चीज के खिलाफ आवाज उठाता है, जिसे कई महिलाएं चुपचाप झेलती हैं, तो इससे उन सभी महिलाओं को हिम्मत मिलती है, जिन्होंने कभी न कभी इस तरह का व्यवहार झेला है।उन्होंने चिरंजीवी, विजय और कृति को भी धन्यवाद देते हुए कहा कि इस गलत सोच और ऐसी अनैतिक हरकतों के खिलाफ आवाज उठाना तथा कार्रवाई करना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि वह इन दिनों अपने आसपास जो कुछ देख रही हैं, उससे बहुत हैरान हैं।

**महिलाओं को परेशान करना या उनका पीछा करना गलत**

जाह्नवी ने कहा कि महिलाओं को परेशान करना, उनका पीछा करना या उन्हें केवल एक वस्तु की तरह देखना कभी सही नहीं हो सकता। हर महिला को अपनी जिंदगी, अपने शरीर और अपनी सीमाओं को लेकर खुद फैसला लेने का पूरा अधिकार है।

## दृश्यम देखकर...

पुलिस पूछताछ में शिव शंकर ने कथित तौर पर बताया कि सूरत में रहने के दौरान उसने फिल्म दृश्यफ देखी थी। फिल्म से प्रभावित होकर उसने पिता की हत्या की योजना बनाई। इसके बाद वह सूरत से गांव के लिए निकल पड़ा।

पुलिस के अनुसार, ट्रेन से यात्रा शुरू करने से पहले उसने अपना मोबाइल फोन बंद कर लिया, ताकि उसकी लोकेशन का पता न चल सके। वह पहले पटना पहुंचा। इसके बाद शाम को हाजीपुर से ट्रेन पकड़कर पटोरी स्टेशन उतरा। वहां से ऑटो लेकर जोरपुरा पहुंचा और फिर करीब चार किलोमीटर पैदल चलकर रात करीब 12 बजे अपने घर पहुंचा।शिव शंकर पीछे के दरवाजे से घर में दाखिल हुआ। इसके बाद कोठरी से कुल्हाड़ी निकाली और घर के बाहर सो रहे पिता रघुवीर सहनी पर हमला कर दिया। पुलिस के मुताबिक, सिर पर कई वार किए जाने से उनकी मौत हो गई। वारदात के बाद आरोपी उसी रात पटोरी स्टेशन के लिए वापस निकल गया।

**फिल्मी योजना में यहां हो गई बड़ी चूक**

शिव शंकर ने पुलिस को चकमा देने के लिए मोबाइल फोन बंद रखा था, लेकिन पटोरी स्टेशन पहुंचते ही उसने अपना मोबाइल चालू कर दिया। उसने पत्नी से फोन पर बातचीत की और इसके बाद मोबाइल फिर बंद कर दिया।यही गलती पुलिस के लिए अहम सुराग बन गई। तकनीकी जांच में पुलिस को हत्या वाली रात उसके मोबाइल की लोकेशन पटोरी स्टेशन पर मिली। इसके करीब 36 घंटे बाद मोबाइल की लोकेशन सूरत में मिली। पुलिस ने पटोरी स्टेशन पर मोबाइल सक्रिय होने के दौरान हुई बातचीत और कॉल विवरण की भी जांच की।

**पिता के श्राद्ध में भी शामिल नहीं हुआ आरोपी**

पुलिस के मुताबिक, इसी तकनीकी साक्ष्य के आधार पर शिव शंकर तक पहुंच बनाई गई। इसके बाद उसे सूरत से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस का यह भी कहना है कि पिता की हत्या के बाद शिव शंकर श्राद्ध कर्म में भी शामिल नहीं हुआ था, जिससे उस पर शक और गहरा गया था।इस तरह फिल्म दृश्यम से प्रेरित होकर पिता की हत्या की कथित साजिश रचने वाले बेटे को लगा कि वह पुलिस से बच निकलेगा, लेकिन मोबाइल फोन कुछ देर के लिए चालू करना ही उसकी सबसे बड़ी चूक साबित हुआ।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345



शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

अग्रवाल केयर फाउंडेशन की सेवा पहल

# 27 एकल महिलाओं को आर्थिक सहयोग, चार बहनों को सिलाई मशीनें

## सेवा केवल देने का माध्यम नहीं, बल्कि जीवन को सशक्त बनाने का संकल्प : जरूरतमंद महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में पहल

**हैदराबाद, 04 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** अग्रवाल केयर फाउंडेशन पिछले छह महीनों से 27 अग्रवाल एकल महिलाओं के सहयोग के लिए निरंतर प्रयासरत है। फाउंडेशन द्वारा उन्हें मासिक आर्थिक पेंशन के साथ दैनिक उपयोग की आवश्यक घरेलू सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है, ताकि उनके जीवन में स्थिरता, सम्मान और आत्मविश्वास बना रहे।

फाउंडेशन ने कहा कि वह ईश्वर के प्रति हृदय से कृतज्ञ है कि उन्होंने जरूरतमंद लोगों तक पहुंचने और उनकी सहायता करने का अवसर प्रदान किया।

**चार बहनों को सिलाई मशीनें प्रदान कीं**

महाराजा अग्रसेन जी महाराज की कृपा से सेवा के इसी संकल्प को आगे बढ़ाते हुए फाउंडेशन को चार बहनों तक पहुंचने का अवसर मिला, जिन्हें अपने जीवनयापन और आजीविका के लिए सिलाई मशीनों की अत्यंत आवश्यकता थी।

फाउंडेशन के सहयोगियों एवं शुभचिंतकों के सहयोग से इन चारों बहनों को सिलाई मशीनें प्रदान की गईं, जिससे वे सम्मानपूर्वक अपनी आजीविका कमा सकें, आत्मनिर्भर बन सकें और अपने जीवन को बेहतर दिशा दे सकें।

**सच्ची सेवा किसी के जीवन में अवसर पैदा करना है**

फाउंडेशन ने कहा कि यह पहल याद दिलाती है कि सच्ची सेवा केवल सहायता प्रदान करने तक सीमित नहीं होती, बल्कि किसी के जीवन में अवसर, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता पैदा करना ही सच्ची सेवा है।

अग्रवाल केयर फाउंडेशन ने महाराजा अग्रसेन जी महाराज से प्रार्थना की कि उनका आशीर्वाद सदैव सभी पर बना रहे और सभी सेवाभावी स्वयंसेवकों के हृदय में सेवा, करुणा, उत्साह और समर्पण की भावना निरंतर बनी रहे।

**सहयोगियों के प्रति जताया हार्दिक आभार**

फाउंडेशन ने इस सेवा कार्य में सहयोग प्रदान करने वाले सभी सहयोगियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

इस सेवा कार्य में सहयोग प्रदान करने वालों में ओम भाई, संजय पसारी, मनीष अग्रवाल, संजय भालवाले, सत्यनारायण फोगला, अशोक जालान, नंदा अग्रवाल, अंकुर बंसल, सुनील संघी, राज अग्रवाल, श्याम अग्रवाल, देवेश अग्रवाल, गोविंद राज अग्रवाल, अभिषेक अग्रवाल, राजेश शर्मा, मधुर गुप्ता, सतीश अग्रवाल, प्रेमलता अग्रवाल और लक्ष्मी अग्रवाल शामिल हैं।

# साहस, समर्पण एवं मानवता को नमन

## स्मित मच्छार के प्रति अग्रवाल केयर फाउंडेशन ने जताया आभार

**हैदराबाद, 04 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** अग्रवाल केयर फाउंडेशन की ओर से भारतीय पायलट श्री स्मित मच्छर के प्रति हार्दिक आभार एवं सम्मान व्यक्त किया गया। फाउंडेशन ने कहा कि एक गंभीर विमानन आपातस्थिति के दौरान असाधारण साहस, त्वरित निर्णय क्षमता एवं सूझबूझ का परिचय देते हुए यात्रियों के जीवन की रक्षा करने के उनके प्रयास अत्यंत सराहनीय हैं।

**कर्तव्य के प्रति समर्पण प्रेरणादायक**

फाउंडेशन ने कहा कि श्री स्मित मच्छर का कर्तव्य के प्रति समर्पण, साहस और मानव जीवन के प्रति संवेदनशीलता हम सभी के लिए प्रेरणादायक है। ऐसे साहस और सूझबूझ से भरे प्रयास समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत बनते हैं।

फाउंडेशन ने उन्हें आसमान के सच्चे नायक को सलाम करते हुए कहा कि उनके प्रति व्यक्त किया गया आभार कई और जिंदगियों के लिए प्रेरणा बने।

**कृतज्ञता की भावना से अन्न सेवा का आयोजन**

इसी कृतज्ञता एवं सेवा भावना को समाज तक पहुंचाने के उद्देश्य से अग्रवाल वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा अन्न सेवा का आयोजन किया जा रहा है। इस सेवा के तहत समाज के जरूरतमंद लोगों सहित अन्य लोगों को भोजन वितरित किया जाएगा।

फाउंडेशन ने कहा कि साहस प्रेरणा देता है, कृतज्ञता दिलों को जोड़ती है और सेवा मानवता को मजबूत बनाती है।

**सेवा कार्य में सहयोगी**

अग्रवाल केयर फाउंडेशन की ओर से इस सेवा कार्य में ओम प्रकाश अग्रवाल, संजय पसारी, मनीष अग्रवाल, संजय भालवाले, सत्यनारायण फोगला, अशोक जालान, नंदा अग्रवाल, अंकुर बंसल, श्याम अग्रवाल, देवेश अग्रवाल, विकास अग्रवाल, गोविंद राज अग्रवाल, अभिषेक अग्रवाल, वासु अग्रवाल, वेंकट अग्रवाल, राम अग्रवाल, आलोक शर्मा, राजेश शर्मा, मधुर गुप्ता, सतीश अग्रवाल, प्रेमलता अग्रवाल, लक्ष्मी अग्रवाल और दीपिका अग्रवाल का सहयोग एवं सहभागिता रही।

# जाति-धर्म से ऊपर उठकर मानवता की सेवा ही राधे-राधे का संकल्प : राम प्रकाश अग्रवाल

हैदराबाद। हैदराबाद राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन के पिलर नंबर 1265-ए के पास नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम निरंतर सेवा और समर्पण की भावना के साथ जारी है। कार्यक्रम के दौरान अपने विचार व्यक्त करते हुए ग्रुप के संयोजक राम प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि सेवा के क्षेत्र में जाति, धर्म, भाषा, समाज या किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिए। जिस व्यक्ति को आवश्यकता है, उसकी सहायता करना ही सच्ची मानवता है और इसी भावना को राधे-राधे ग्रुप अपने सेवा कार्यों के माध्यम से समाज के सामने प्रस्तुत कर रहा है।

राम प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि अन्नसेवा केवल भोजन देने का कार्य नहीं, बल्कि किसी जरूरतमंद के जीवन में अपनत्व और संवेदना का एहसास कराने का माध्यम है। जब किसी भूखे व्यक्ति को भोजन मिलता है तो उसके चेहरे पर आने वाली संतुष्टि ही सेवा करने वाले के लिए सबसे बड़ा सम्मान है। सेवा के लिए न किसी परिचय की आवश्यकता है और न किसी पहचान की। जरूरतमंद की जरूरत ही सेवा का आधार होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आज समाज को सबसे अधिक आवश्यकता ऐसे सेवा भाव की है, जिसमें इंसान को इंसान के रूप में देखा जाए। धर्म हमें जोड़ने का संदेश देता है और मानवता उस संदेश को जीवन में उतारने का रास्ता दिखाती है। राधे-राधे ग्रुप का प्रयास है कि सेवा को किसी आयोजन तक सीमित न रखकर उसे जीवन का संस्कार बनाया जाए। इसी सोच के साथ नियमित अन्नसेवा का यह क्रम निरंतर आगे बढ़ाया जा रहा है।राम प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप के लिए सेवा किसी प्रचार या प्रदर्शन का माध्यम नहीं है। सेवा वह भाव है जो चुपचाप किसी के दुख को कम करता है और बिना किसी अपेक्षा के किसी के चेहरे पर मुस्कान लाता है। समाज में जब व्यक्ति अपनी क्षमता के अनुसार दूसरों के लिए कुछ करने का संकल्प लेता है, तभी सामाजिक एकता और मानवीय संवेदनाएं मजबूत होती हैं।

कार्यक्रम में सुनीता अग्रवाल, जगत नारायण अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवाल, नंद किशोर अग्रवाल एवं महेश अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित रहे। सदस्यों ने मिलकर अन्न-सेवा में सहभागिता निभाई और सेवा कार्य को व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ाया।

# श्रीमद्भागवत कथा में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का भव्य वर्णन

## प्रिया किशोरी जी ने प्रह्लाद चरित्र, राम एवं वामन अवतार की कथा सुनाई

**हैदराबाद, 04 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** पितृपक्ष के पावन अवसर पर राजस्थानी जागृति समिति, हैदराबाद के तत्वावधान में अत्तापुर, एन.एम. गुड़ा स्थित साईं बाबा मंदिर प्रांगण में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से कथा का श्रवण किया। कथा वाचक बाल विदुषी सुश्री प्रिया किशोरी जी ने श्रीमद्भागवत के विभिन्न प्रसंगों का विस्तारपूर्वक वर्णन करते हुए प्रह्लाद चरित्र, राम अवतार, वामन अवतार एवं श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का महत्व बताया।

सुश्री प्रिया किशोरी जी ने श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का वर्णन करते हुए कहा कि जब अत्याचारी कंस के अत्याचार से पृथ्वी पर धर्म कमजोर होने लगा और देवता एवं ऋषि-मुनि चिंतित हो उठे, तब भगवान श्रीकृष्ण ने धर्म की स्थापना और अधर्म के विनाश के लिए देवकी एवं वसुदेव के यहां अवतार लिया। भगवान के जन्म के समय कारागार में दिव्य प्रकाश छा गया और वसुदेव-देवकी ने भगवान के चतुर्भुज स्वरूप के दर्शन किए।

उन्होंने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण ने वसुदेव को निर्देश दिया कि उन्हें गोकुल में नंद बाबा के यहां पहुंचा दिया जाए। वसुदेव जी भगवान श्रीकृष्ण को लेकर यमुना पार कर गोकुल पहुंचे और वहां उन्हें नंद-यशोदा के यहां छोड़ आए।

भगवान के गोकुल पहुंचते ही नंद बाबा के घर आनंद छा गया और पूरा गोकुल ङ्क्षनंद के घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल कीफ के जयघोष से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के प्रसंग पर भक्तिभाव से उत्सव मनाया।

कथा वाचक ने कहा कि श्रीकृष्ण जन्म का संदेश केवल उत्सव मनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह धर्म, सत्य, प्रेम, करुणा और मानवता की विजय का प्रतीक है। भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हमें विपरीत परिस्थितियों में भी धर्म और सत्य के मार्ग पर चलते रहने की प्रेरणा देता है।

इस अवसर पर राजस्थानी जागृति समिति के अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी, उपाध्यक्ष प्रेमचंद मुणोत जैन, अशोक कुमार हीरावत जैन, मंत्री महेश अग्रवाल, सह-मंत्री रामदेव नागला, कोषाध्यक्ष संजय राठी, सह-कोषाध्यक्ष मनीष सोमाणी, संगठन मंत्री रमेश मोदानी, प्रचार-प्रसार मंत्री रिद्धीश जागीरदार सहित श्याम सुन्दर जांगिड़, निखिल सोमाणी, संजय गुप्ता, केदारनाथ लाटी, रामदेव व्यास, रामदयाल शर्मा, श्रीकिशन काबरा, आशा देवी सोमाणी, पंडित विद्या देवी शर्मा, जमुनादेवी लाटी, ज्योति शर्मा, जमुना देवी काबरा, शीला देवी शर्मा, कोमल बेहवाल, जेठमल शर्मा, रामहरि ठाकुर एवं भरत शर्मा ने आयोजन में सहयोग प्रदान किया।

राजस्थानी जागृति समिति की ओर से सभी धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से परिवार सहित कथा में उपस्थित होकर श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण करने का आग्रह किया गया है। कथा 1 से 7 अक्टूबर तक प्रतिदिन दोपहर 3 से शाम 7 बजे तक अट्टापुर, एन.एम. गुड़ा स्थित साईं बाबा मंदिर प्रांगण में आयोजित की जा रही है।

# अग्रवाल समाज तेलंगाना विवाह डेटा समिति की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

**हैदराबाद, 04 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** अग्रवाल समाज तेलंगाना की विवाह डेटा समिति की महत्वपूर्ण बैठक राघव रत्न टावर्स, आबिड्स, हैदराबाद के तृतीय तल पर संपन्न हुई। बैठक में विवाह योग्य युवक-युवतियों के परिचय तथा उनके परिवारों के बीच बेहतर वैवाहिक समन्वय एवं डेटा व्यवस्था को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा की गई।

बैठक विवाह बायोडाटा समिति के चेयरमैन श्री महेंद्र अग्रवाल जी के नेतृत्व में आयोजित की गई। इस दौरान लगभग 5-6 नए बायोडाटा एवं फाइलें प्राप्त हुईं।

समिति द्वारा प्राप्त सभी विवरणों को व्यवस्थित रूप से संकलित कर उपयुक्त परिवारों के साथ परिचय एवं समन्वय की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने पर चर्चा की गई।

बैठक में समिति के चेयरमैन श्री महेंद्र अग्रवाल जी, कन्वीनर श्री अशोक जिंदल जी, उपाध्यक्ष श्री गोपाल अग्रवाल जी, श्री सुनील मोदी जी, श्री उमाशंकर गोयनका जी, श्री अजय तुलस्यान जी, श्रीमती रानी मित्तल जी, श्रीमती संगीता गोयल जी, श्रीमती शीतल रुगंटा जी तथा श्री जितेंद्र अग्रवाल जी एवं अभिभावक उपस्थित रहे। समिति का मुख्य उद्देश्य समाज के विवाह योग्य युवक-युवतियों एवं उनके परिवारों को एक उचित मंच प्रदान करते हुए सार्थक परिचय, पारिवारिक समन्वय एवं योग्य रिश्तों को आगे बढ़ाने में सहयोग करना है।

समिति के माध्यम से परिवारों को आपसी संवाद और उचित वैवाहिक संबंध स्थापित करने में सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है।

समाज के सभी सदस्यों से आग्रह किया गया है कि विवाह योग्य युवक-युवतियों के बायोडाटा समिति तक अवश्य पहुंचाएं, ताकि अधिक से अधिक परिवार इस पहल का लाभ उठा सकें और योग्य रिश्तों को आगे बढ़ाने में सहयोग मिल सके।

# हैदराबाद में उतरने के बाद इंडिगो विमान से टकराया पक्षी, सभी यात्री सुरक्षित

हैदराबाद, 04 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भुवनेश्वर से हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे (आरजीआईए) पहुंचने वाले इंडिगो के एक विमान से रविवार सुबह उतरने के बाद पक्षी टकरा गया। अधिकारियों के अनुसार, घटना में विमान में सवार सभी यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं।

जानकारी के अनुसार, एयरबस-320 विमान इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई-718 के रूप में संचालित हो रहा था। विमान के सुबह करीब 9.30 बजे हैदराबाद हवाईअड्डे पर उतरने के बाद पक्षी से टकराने की घटना हुई।घटना के बाद विमान की पूरी तरह जांच की जा रही थी, ताकि यह पता लगाया जा सके कि विमान को किसी प्रकार का नुकसान हुआ है या नहीं। अधिकारियों ने बताया कि सभी यात्री और चालक दल सुरक्षित हैं।सूत्रों के अनुसार, विमान की जांच के दौरान स्थिति सामान्य पाई गई और किसी बड़ी तकनीकी समस्या की जानकारी नहीं मिली।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दें

# चंचलगुडा जेल में 2 करोड़ की रिश्वत का आरोप, जेल विभाग ने किया खारिज

## ओवैसी का दावा- हत्या के आरोपी को जमानत दिलाने के लिए जेल अधीक्षक को दी गई रकम; विभाग बोला- जमानत देने में जेल अधिकारियों की कोई भूमिका नहीं

**हैदराबाद, 4 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

तेलंगाना जेल विभाग ने हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी के उन आरोपों को खारिज कर दिया है, जिनमें कहा गया था कि चंचलगुडा केंद्रीय जेल के अधीक्षक ने वकील ख्वाजा मोइनुद्दीन की हत्या के आरोपी एक हिस्ट्रीशीटर को जमानत दिलाने के लिए 2 करोड़ रुपये की रिश्वत ली थी।

ओवैसी का आरोप है कि आरोपी ने जेल अधीक्षक को कथित तौर पर 2 करोड़ रुपये देकर जमानत हासिल की। सांसद के बयानों के अनुसार, उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि रिहाई के बाद भी अधिकारी आरोपी की मदद कर रहा था और आरोपी आगे और हमले करने की योजना बना रहा था।

4 अक्टूबर को जारी एक प्रेस नोट में तेलंगाना जेल विभाग ने अधीक्षक के खिलाफ लगाए गए आरोपों को खारिज करते हुए किसी भी तरह के भ्रष्टाचार, मिलीभगत या कैदी के साथ विशेष व्यवहार से इनकार किया।

जेल विभाग ने स्पष्ट किया कि जमानत का फैसला सक्षम अदालत करती है और जमानत देने या तय करने में जेल अधिकारियों की कोई भूमिका नहीं होती। जेल प्रशासन केवल लागू नियमों और प्रक्रियाओं के अनुसार अदालतों द्वारा जारी आदेशों को लागू करता है।

विभाग ने कहा कि यदि आरोपों के समर्थन में ठोस सबूत हैं, तो उन्हें कानून के तहत जांच और कार्रवाई के लिए सक्षम अधिकारी के पास जमा किया जा सकता है। विभाग ने इस बात से भी इनकार किया कि जेल के अंदर कैदियों की अनधिकृत सभाओं या बैठकों की अनुमति दी जाती है। विभाग ने कहा कि सुरक्षा वर्गीकरण और संस्थागत आवश्यकताओं के आधार पर कैदियों को अलग-अलग रखा जाता है।

जेल प्रशासन ने कहा कि वह संभावित आपराधिक गतिविधियों, डराने-धमकाने, साजिश या जेल सुविधाओं के दुरुपयोग के प्रति सतर्क रहता है। जेल के नियमों का उल्लंघन करने वाले कैदियों या कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

विभाग ने इस आरोप को भी खारिज किया कि किसी कैदी को जेल के बाहर हमले की योजना बनाने या उसे अंजाम देने के लिए जेल की सुविधाओं का उपयोग करने की अनुमति दी जा रही थी।

ये आरोप वकील ख्वाजा मोइनुद्दीन की हत्या के बाद सामने आए हैं। मई में हैदराबाद में उनकी हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने शुरू में इस घटना की जांच एक संदिग्ध हिट-एंड-रन मामले के तौर पर की थी, लेकिन बाद में इसे जानबूझकर किया गया हमला माना गया।

# सेवा ही सच्चा धर्म, जरूरतमंद के चेहरे की मुस्कान ही सबसे बड़ा पुण्य : राजकुमारी अग्रवाल

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सेवा के इस क्रम में बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए राजकुमारी अग्रवाल ने कहा कि सेवा ही सच्चा धर्म है और निस्वार्थ भाव से किया गया सेवा कार्य ही मानव जीवन की सबसे बड़ी कमाई है। मंदिरों में पूजा, धार्मिक अनुष्ठान और आराधना अपनी जगह महत्वपूर्ण हैं, लेकिन जब किसी भूखे व्यक्ति को भोजन मिलता है, किसी जरूरतमंद को सहारा मिलता है और किसी असहाय के चेहरे पर संतोष की मुस्कान आती है, तो वही ईश्वर की सच्ची पूजा बन जाती है।

राजकुमारी अग्रवाल ने कहा कि भारतीय संस्कृति ने सदियों से सेवा और परोपकार को जीवन का आधार माना है। हमारे संस्कार हमें सिखाते हैं कि जो कुछ हमें मिला है, उसमें समाज और जरूरतमंदों का भी हिस्सा है। इसलिए सामर्थ्य के अनुसार किसी के जीवन में खुशियां बांटना, भूख मिटाना और पीड़ित मानवता के काम आना प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सेवा के लिए धन से अधिक महत्वपूर्ण भावना होती है। यदि मन में करुणा और समर्पण है तो छोटी-सी मदद भी किसी के लिए बहुत बड़ा सहारा बन सकती है।

उन्होंने कहा कि अन्नसेवा केवल भोजन वितरण नहीं, बल्कि मानवता को मजबूत करने का माध्यम है। भोजन का एक निवाला किसी भूखे व्यक्ति के लिए केवल अन्न नहीं, बल्कि सम्मान, अपनत्व और सहारे का संदेश लेकर आता है। यही कारण है कि राधे-राधे ग्रुप द्वारा नियमित रूप से किए जा रहे सेवा कार्यों में समाज के विभिन्न वर्गों के लोग जुड़ रहे हैं और सेवा की इस परंपरा को आगे बढ़ाने में अपना योगदान दे रहे हैं।

इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवाल, वंश अग्रवाल, दीप चंद अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, शंकर लाल अग्रवाल, चेतना अग्रवाल एवं प्रशांत अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सेवा कार्य में सहभागिता करते हुए जरूरतमंदों को अन्नसेवा प्रदान की।

कार्यक्रम के दौरान सदस्यों ने कहा कि सेवा का यह क्रम किसी एक दिन या अवसर तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे निरंतर आगे बढ़ाना ही समूह का संकल्प है। समाज में जहां भी जरूरत होगी, वहां सहयोग और सेवा के लिए आगे आने का प्रयास किया जाएगा।

सदस्यों ने कहा कि राधे-राधे एक परिवार की भावना के साथ सेवा, समर्पण और सहयोग को जीवन का हिस्सा बनाकर ही समाज को अधिक संवेदनशील और मानवीय बनाया जा सकता है।

# सत्या शक्ति महिला शाखा की बैठक संपन्न

## आगामी सेवा एवं सामाजिक कार्यक्रमों की रूपरेखा पर हुई विस्तृत चर्चा

हैदराबाद, 04 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की सत्या शक्ति महिला टीवी टावर शाखा की महत्वपूर्ण बैठक शुक्रवार, 2 अक्टूबर को हल्दीराम में आयोजित की गई। बैठक में शाखा द्वारा आगामी दिनों में आयोजित किए जाने वाले सामाजिक, धार्मिक एवं सेवा कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई तथा सभी सदस्यों से सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया गया। बैठक में आगामी अग्रसेन जयंती के अवसर पर 8 अक्टूबर 2026 को नारायणी गौशाला, दिलसुखनगर में गायों के लिए छप्पन भोग प्रसाद आयोजित करने का निर्णय लिया गया। साथ ही 10 अक्टूबर 2026 को पितृपक्ष अमावस्या के अवसर पर मालकपेट पीवीआर बस स्टॉप पर अन्नदानम आयोजित करने की जानकारी दी गई।

बैठक में 7 अक्टूबर को आयोजित होने वाले महिला उत्सव में शाखा की भागीदारी एवं योगदान पर भी चर्चा हुई। कार्यक्रम में रानी जी, नीति जी, संतोष जी एवं मीना जी द्वारा तंबोला का संचालन किया जाएगा। इसके अलावा अग्रसेन जयंती के अवसर पर आयोजित होने वाले डांडिया कार्यक्रम को लेकर भी चर्चा की गई। शाखा की ओर से सभी सदस्यों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होकर अग्रसेन जयंती को उत्साहपूर्वक मनाने का अनुरोध किया गया।

बैठक में शाखा अध्यक्ष रानी मित्तल, उपाध्यक्ष पुष्पा अग्रवाल, मानद मंत्री नीति अग्रवाल, सह-मंत्री कविता बंसल, कोषाध्यक्ष मीना अग्रवाल, केंद्र समिति सदस्य सुनीता तुलस्यान, सहायता कोष अध्यक्ष संतोष, परामर्शदात्री निर्मला एवं अलका तथा सुजाता, सुरभि, आशा, लक्ष्मी, जगदंबा, कमला आदि सदस्य उपस्थित रहीं।बैठक के अंत में शाखा अध्यक्ष रानी मित्तल जी एवं शाखा की संयुक्त सचिव नीति अग्रवाल जी ने सभी सदस्यों का बैठक में उपस्थित होने तथा अपना बहुमूल्य सहयोग देने के लिए धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया।

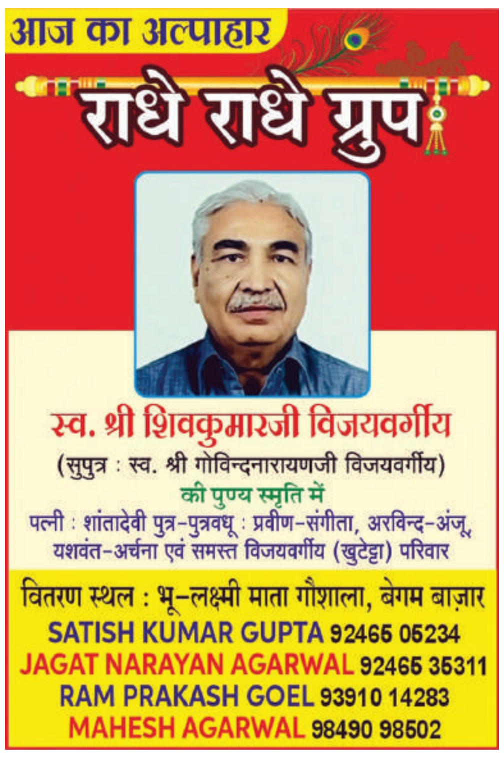

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.